3 | राजधानी
ढलान पर कोरोना

6 | अभिमत
इजराइल-हमास युद्ध की विभीषिका

11 | विदेश
इस्लामी नेताओं ने गाजा पर आपात बैठक की

12 | कॅरियर
प्रकृति है सबसे अच्छी चिकित्सक

RNI NO.DELHIN/2012/48369
वर्ष 9 अंक 188
नई दिल्ली, सोमवार, 17 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

कॅरियर के दौरान 10-12 वर्षों तक तनाव से जूझता रहा
स्पोर्ट्स-10

www.dailypioneer.com

कई गुना बढ़ी कफन की मांग

जिन फैक्ट्रियों से प्रति माह थी 10,000 कफन की आपूर्ति, अब इतने के ऑर्डर हर रोज

दीपक कुमार झा। नई दिल्ली

यह बेहद असामान्य और दुर्भाग्यपूर्ण है कि जब कपड़ों और अन्य आइटम की खरीदारी में भारी गिरावट आई है, पिछले एक महीने में पूरे देश में कोविड महामारी की दूसरी लहर के दौरान शवों को लपेटने के लिए जरूरी कफन की मांग बहुत तेजी से बढ़ी है। कफन बनाने वाली छोटी इकाइयां जो हर महीने 10,000 कफन बेचती थीं, अब उनसे इतने कफन प्रति दिन मांगे जा रहे हैं। यह कहानी एक क्षेत्र, जिले या प्रदेश की नहीं है। कोरोना की दूसरी लहर में मौतों का आंकड़ा तेजी से बढ़ने के साथ पूरे देश की यही स्थिति है। उदाहरण के लिए, बिहार के गया में कफन बनाने वाली विशेष इकाइयां चौबीसों घंटे काम कर रही हैं। यहां काम करने वालों को बिना थके, बिना रुके काम करना पड़ रहा है, क्योंकि इन यूनिटों को बिहार के साथ-साथ झारखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़, ओडिशा, पश्चिम बंगाल की मांग भी पूरी करनी पड़ रही है। यहां तक कि उत्तर-पूर्वी राज्यों के लिए भी गया से ही कफन भेजा रहा है।

उत्तर प्रदेश के हथकरघा एवं कपड़ा विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि वाराणसी, मऊ और आजमगढ़ के लोहटा क्षेत्र में स्थित कपड़ा इकाइयों से एक लाख कफन प्रति माह की मांग रहती है, लेकिन महामारी के दौरान इसमें तीन गुना वृद्धि हो गई है। इन क्षेत्रों की पावरलूम इकाइयों से पूर्वांचल से लेकर पूरे उत्तर भारत में जम्मू कश्मीर, हिमाचल प्रदेश, राजस्थान और यहां तक कि गुजरात और दक्षिणी राज्यों तक कफन भेजा जाता है। अधिकारी ने बताया कि आजकल कपड़े का काम पावरलूम पर होता है। हथकरघा पर अब काम नहीं होता है। कच्चा माल यहां गुजरात से आता है। यूपी और बिहार की विभिन्न जगहों पर कफन का कपड़ा तैयार होकर देश के अधिकांश हिस्सों में आपूर्ति किया जाता है। उन्होंने कहा कि चूंकि यह उत्पाद लाभकारी व्यवसाय में नहीं आता है, इसलिए यह केवल बिहार, यूपी और पश्चिम बंगाल जैसे सस्ते श्रम वाले क्षेत्रों तक ही सीमित है। थोड़ी लागत और कम से कम समय में उत्पाद तैयार करने के लिए कफन को पावरलूम इकाइयों में ही बनाया जा रहा है।

नई दिल्ली में निगमबोध घाट पर अंतिम संस्कार के लिए लाए गए शव

● यूपी-बिहार की कपड़ा इकाइयों में मांग पूरी करने के लिए दिन-रात चल रहा काम

गया के मानपुर को पूर्वी क्षेत्र के मैनचेस्टर के रूप में जाना जाता है। यहां श्रमिक प्रति दिन लगभग 50000 कफन की मांग को पूरा करने के लिए दिन-रात काम में जुटे हैं। यहां की इकाइयां कॉटन के अलावा, पॉलिएस्टर और रेशम से भी कफन बनाती हैं। गया के पटवाटोली में छोटी सी कपड़ा इकाई चलाने वाले द्वारिका कहते हैं कि फैक्टरी में 24 घंटे काम चल रहा है। (शेष पेज 9)

लॉकडाउन 24 तक बढ़ाया लागू रहेंगी सख्त पाबंदियां

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सख्त पाबंदियों के साथ लॉकडाउन 24 मई सुबह पांच बजे तक बढ़ा दिया गया है। इस दौरान न तो मेट्रो चलेगी और न ही कारोबारी गतिविधियां। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने रविवार को कहा कि लॉकडाउन की वजह से शहर में कोरोना का संक्रमण तेजी से कम हुआ है। इसलिए इसे एक सप्ताह और बढ़ाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार ने लॉकडाउन की वजह से पिछले कुछ दिनों में कोरोना की रफ्तार कम करने में जो सफलता हासिल की है, पाबंदियों में ढील देकर उसे गंवाना नहीं चाहते। इसलिए अभी लॉकडाउन जारी रहेगा। दिल्ली में संक्रमण दर 11 से घटकर 10 फीसद हो गई है। अगले सप्ताह तक इसमें और सुधार आने की उम्मीद है। ब्लैक फंगस से निपटने के लिए भी जरूरी कदम उठाए जा रहे हैं। धीरे-धीरे अब दिल्ली पटरी पर लौट रही है। उन्होंने उम्मीद जताई कि हालात जल्द ही सामान्य हो जाएंगे।

चक्रवाती तूफान से लड़खड़ाया कोविड टीकाकरण अभियान

राजेश कुमार। नई दिल्ली

चक्रवाती तूफान 'तोकते' के कारण रविवार को गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के अधिकांश भागों में कोविड टीकाकरण बुरी तरह प्रभावित हुआ। मौसम विभाग की चेतावनी को ध्यान में रखते हुए तटीय राज्यों के अधिकांश क्षेत्रों में दो दिन तक टीके नहीं लगाए जाएंगे। सुरक्षा कारणों से हजारों लोगों को सुरक्षित स्थान पर ले जाया गया है। अभी तक आठ लोगों की मौत की खबर है। टीकाकरण अभियान रविवार और सोमवार को महाराष्ट्र के मुंबई, पालघर, उत्तरी कोंकण, थाणे, रत्नागिरी जिलों में स्थगित किया गया है। इसके अलावा गुजरात में भी दो दिन टीकाकरण नहीं होगा। इसके आलावा केरल, गोवा, तमिलनाडु, गुजरात और कर्नाटक में भी टीकाकरण अभियान प्रभावित हुआ है।

शुरुआती रिपोर्ट के अनुसार चक्रवात से आठ लोगों की (केरल में दो, गोवा में दो और कर्नाटक में चार) मौत हुई है। तटीय इलाकों में भारी वर्षा और 145 से 175 किलोमीटर प्रतिघंटा की गति से चलीं तेज हवाओं ने बिजली के खंभे उखाड़ दिए। इससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई है। निचले इलाकों में बाढ़, जलभराव हो गया। पेड़ गिर गए और बड़ी संख्या में लोगों के घरों को नुकसान पहुंचा है। छह राज्यों में 3 लाख से अधिक लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया है। इस कारण इन क्षेत्रों में टीकाकरण अभियान रोकना पड़ा है।

भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार तोकते ने गंभीर चक्रवाती तूफान का रूप ले लिया है जो अगले 24 घंटे में गुजरात के तटीय क्षेत्र से सोमवार शाम को टकराएगा। आईएमडी के अनुसार 18 मई मंगलवार दोपहर या शाम तक तोकते चक्रवात पोरबंदर और भावनगर जिले के महुवा को पार कर जाएगा। इससे समुद्र में ज्वार के चलते तेज लहरें उठने के साथ तटीय क्षेत्रों के जलमग्न होने की संभावना है। (शेष पेज 9)

गोवा में चक्रवात तौकते के कारण उखड़ कर कार पर गिर गया पेड़

● तोकते से गुजरात, महाराष्ट्र, गोवा, केरल, कर्नाटक और तमिलनाडु के तटीय इलाके प्रभावित

● आज शाम गुजरात के तट को छुएगा तूफान, तीन लाख लोग विस्थापित, आठ की मौत

गांवों को कोरोना से बचाने के लिए केंद्र ने जारी किए दिशा-निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

ग्रामीण इलाकों में कोविड-19 के मामले बढ़ने पर केंद्र ने रविवार को इस संक्रमण को फैलने से रोकने के लिए नए दिशा निर्देश जारी किए हैं। सरकार ने शहरी क्षेत्रों से सटे इलाकों और ग्रामीण इलाकों में जहां घर पर पृथक वास संभव नहीं है वहां दूसरी बीमारियों से ग्रसित बिना लक्षण वाले या हल्के लक्षण वाले मरीजों के लिए न्यूनतम 30 बिस्तर वाले कोविड देखभाल केंद्र बनाने की सलाह दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि उप केंद्रों या स्वास्थ्य केंद्रों तथा प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों समेत सभी सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों में रैपिड एंटीजन जांच (आरएटी) किट्स उपलब्ध होनी चाहिए। कोविड देखभाल केंद्र (सीसीसी) किसी संदिग्ध या संक्रमित व्यक्ति को भर्ती कर सकते हैं लेकिन उनके लिए अलग जगह और साथ ही उनके प्रवेश तथा निकासी के लिए अलग व्यवस्था होनी चाहिए।

एसओपी में कहा गया है, संदिग्ध और संक्रमित व्यक्ति को किसी भी परिस्थिति में एक साथ नहीं रखा जाना चाहिए। एसओपी के अनुसार, हर गांव में इन्फ्लुएंजा जैसी बीमारी, गंभीर श्वसन संबंधी संक्रमण के मामलों पर गांव की स्वास्थ्य स्वच्छता तथा पोषण समिति की मदद से निगरानी की जानी चाहिए। बीमारी के लक्षण वाले मरीजों को सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी (सीएचओ) फोन पर परामर्श दे सकते हैं और अन्य बीमारी से पीड़ित या कम ऑक्सीजन स्तर वाले मरीजों को उच्च केंद्रों में भर्ती कराया जाना चाहिए। एसओपी में कहा गया है कि सीएचओ और एएनएम को रैपिड एंटीजन जांच करने में प्रशिक्षित होना चाहिए। मामले बढ़ने और मामलों की संख्या के आधार पर जितना संभव हो संपर्क में आए लोगों का पता लगाया जाए। एसओपी में कहा गया है, कोविड-19 के करीब 80-85 प्रतिशत मामले बिना लक्षण, हल्के लक्षण वाले होते हैं। इन मरीजों को अस्पताल में भर्ती कराने की जरूरत नहीं होती और इनका घर पर या कोविड देखभाल पृथकवास केंद्रों में इलाज किया जा सकता है। चूंकि कोविड मरीजों की निगरानी के लिए ऑक्सीजन स्तर पर नजर रखना महत्वपूर्ण है तो प्रत्एक गांव में पर्याप्त संख्या में पल्स ऑक्सीमीटर तथा थर्मामीटर होने चाहिए। एसओपी में आशा, आंगनवाड़ी कर्मियों तथा गांव स्तर के स्वयंसेवकों की मदद से संक्रमित लोगों को पल्स ऑक्सीमीटर तथा थर्मामीटर मुहैया कराने की सिफारिश की गई है। इसमें कहा गया है कि हर बार इस्तेमाल के बाद पल्स ऑक्सीमीटर तथा थर्मामीटर को एल्काहोल वाले सैनिटाइजर में भीगी रुई या कपड़े से साफ करना चाहिए। अग्रिम मोर्चे के कर्मचारी, स्वयंसेवक, शक्षक घर-घर जाकर पृथक वास कर रहे मरीजों के स्वास्थ्य की जानकारी लें। (शेष पेज 9)

● बिना लक्षण वाले या हल्के लक्षण वाले मरीजों के लिए न्यूनतम 30 बिस्तर वाले कोविड देखभाल केंद्र बनाने की सलाह

भारत को 5.3 लाख रेमडेसिविर शीशियां, 13496 ऑक्सीजन सिलेंडर विदेशी सहायता के तौर पर मिले

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि वैश्विक सहायता के रूप में प्राप्त 11,058 ऑक्सीजन सांद्रक, 13,496 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र और करीब 5.3 लाख रेमडेसिविर शीशियों को 27 अप्रैल से 15 मई तक विभिन्न राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों को वितरित किया गया है। महामारी के प्रकोप से निपटने के भारत के प्रयासों को बढ़ाने के लिए 27 अप्रैल से विभिन्न देशों और संगठनों से अंतरराष्ट्रीय दान और कोविड-19 राहत चिकित्सा आपूर्ति और उपकरणों की सहायता मिल रही है। मंत्रालय ने कहा कि केंद्र राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को उनके संसाधनों और प्रयासों को बढ़ाने के लिए वैश्विक सहायता तेजी से पहुंचा रहा है। मंत्रालय ने कहा, कुल मिलाकर 11,058 ऑक्सीजन सांद्रक, 13,496 ऑक्सीजन सिलेंडर, 19 ऑक्सीजन उत्पादन संयंत्र, 7,365 वेंटिलेटर या बीआईपीएपी, लगभग 5.3 लाख रेमेडिसविर शीशियों को 27 अप्रैल से 15 मई तक सड़क और हवाई मार्ग से वितरित या भेजा गया है।

कोवैक्सीन कोरोना के सभी स्वरूपों पर प्रभावी: भारत बायोटेक

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

भारत बायोटेक ने रविवार को कहा कि उसका कोविड-19 टीका भारत और ब्रिटेन में मिले कोरोना वायरस के स्वरूपों के खिलाफ प्रभावी पाया गया है। एक मशहूर मेडिकल जर्नल में प्रकाशित शोध का हवाला देते हुए हैदराबाद की टीका निर्माता कंपनी भारत बायोटेक ने कहा कि कोवैक्सीन टीकाकरण भारत और ब्रिटेन में क्रमशः सामने आए बी.1.617 और बी.1.1.7 समेत कोरोना वायरस के सभी प्रमुख स्वरूपों के खिलाफ कारगर साबित हुआ है। कंपनी के मुताबिक, यह शोध राष्ट्रीय विषाणु विज्ञान संस्थान और भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद के साथ मिलकर किया गया था। भारत बायोटेक की सह-संस्थापक एवं संयुक्त प्रबंध निदेशक सुचित्रा इला ने एक ट्वीट में कहा, कोवैक्सीन को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान मिली है, प्रकाशित हुए वैज्ञानिक शोध आंकड़े नए स्वरूपों के खिलाफ भी सुरक्षा को दर्शाते हैं। उन्होंने इस ट्वीट को प्रधानमंत्री कार्यालय, वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री हर्षवर्धन समेत अन्य को टैग किया है।

कोविशील्ड की दूसरी खुराक के लिए पहले से तय समय वैध रहेगा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को यह साफ किया कि कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक के लिए पहले से लिया गया समय (अप्वाइंटमेंट) वैध रहेगा और यह को-विन पोर्टल पर रद्द नहीं होगा। मंत्रालय ने कहा कि को-विन पोर्टल में आवश्यक बदलाव किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप पहली खुराक लेने के बाद लाभार्थी 84 दिन से कम समय की अवधि में ऑनलाइन समय प्राप्त नहीं कर पाएगा। केंद्र ने 13 मई को कोविशील्ड टीके की पहली और दूसरी खुराक लेने के समय में अंतर बढ़ाकर 12-16 सप्ताह कर दिया था। मंत्रालय ने कहा, भारत सरकार ने इस बदलाव के संबंध में राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों को सूचित किया है। कोविशील्ड टीके की दूसरी खुराक लेने के लिए 12-16 सप्ताह के अंतराल को दर्शाने के लिए को-विन पोर्टल में भी आवश्यक बदलाव किए गए हैं। उन्होंने कहा, मीडिया में आईं कुछ रपटों में दावा किया गया है कि जिन लाभार्थियों ने को-विन पोर्टल पर दूसरी खुराक के लिए 84 दिन से कम समय में अप्वाइंटमेंट लिया है, उन्हें कोविशील्ड की दूसरी खुराक दिए बिना ही टीकाकरण केंद्रों से लौटाया जा रहा है। (शेष पेज 9)

बेंगलुरु में एक युवती को कोरोनारोधी टीका लगाती चिकित्साकर्मी

अगले तीन दिन में राज्यों को मिलेगी टीकों की 51 लाख खुराक

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने रविवार को कहा कि राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों के पास अब भी कोविड-19 टीके की 1.84 करोड़ से अधिक खुराक हैं तथा करीब 51 लाख खुराक शीघ्र आने वाली हैं जो अगले तीन दिनों में उन्हें दी जाएगी। उसने कहा कि केंद्र अब तक राज्यों एवं केंद्रशासित प्रदेशों को टीके की 20 करोड़ (20,28,09,250) से अधिक खुराक मुफ्त दे चुका है। शनिवार शाम सात बजे के आंकड़े के हिसाब से 14 मई तक कुल उपभोग (जिसमें बर्बादी भी शामिल है) 18,43,67,772 खुराक रहा है।

बाजार

सेंसेक्स	48,691	
निफ्टी	14,696	
सोना	47,074	/10g
चांदी	70,807	/kg

क्विक न्यूज

भारत में 3.11 लाख नए मामले, 4,077 की मौत

नई दिल्ली। भारत में 25 दिनों के बाद एक दिन में कोविड-19 के सबसे कम 3.11 लाख मामले आए जबकि 4,077 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 2,70,284 पर पहुंच गई। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के सुबह आठ बजे तक जारी आकंड़ों के अनुसार, एक दिन में 3,11,170 मरीज संक्रमित पाए गए हैं, जिससे देश में संक्रमण के कुल मामले 2,46,84,077 पर पहुंच गए। 21 अप्रैल को 24 घंटों में संक्रमण के 2,95,041 मामले आए थे। आंकड़ों के अनुसार, कोविड-19 का उपचार करा रहे मरीजों की संख्या कम होकर 36,18,458 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 14.66 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की राष्ट्रीय दर में सुधार हुआ है और यह 84.25 प्रतिशत है।

केंद्र ने राज्यों को सौंपी जिम्मेदारी, गंगा में न फेंके जाएं शव

● सम्मानजनक ढंग से हो मृतकों की विदाई और नदी भी रहे स्वच्छ

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्र ने रविवार को उत्तर प्रदेश एवं बिहार को निर्देश दिया कि शवों को गंगा और इसकी सहायक नदियों में फेंकने पर रोक लगाई जाए तथा उनके सुरक्षित एवं सम्मानजनक अंतिम संस्कार पर जोर दिया जाए। यह निर्देश ऐसे समय दिया गया है जब हाल में कोरोना वायरस संक्रमण के मामले बहुत तेजी से बढ़ने के बाद इन नदियों में अनेक शव तैरते मिले थे। केंद्र ने 15-16 मई को हुई एक समीक्षा बैठक में कहा कि हाल ही में शवों, आंशिक रूप से जले एवं क्षत-विक्षत शव प्रवाहित करने के कई मामले सामने आए हैं जो अत्यंत अनुचित एवं चिंताजनक है।

फाइल फोटो

जलशक्ति मंत्रालय ने कहा, नमामि गंगे (मिशन) राज्यों को गंगा में शवों को प्रवाहित करने पर रोक लगाने और उनके सुरक्षित निस्तारण एवं सम्मानजनक अंतिम संस्कार पर बल देने निर्देश देता है। राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों को स्वास्थ्य विभागों के साथ मिलकर बार-बार पानी की गुणवत्ता की निगरानी करने का निर्देश दिया गया है। केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को संपूर्ण निगरानी, राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्डों का मार्गदर्शन करने एवं इस विषय में उच्चस्तरीय मूल्यांकन करने का जिम्मा सौंपा गया है। मंत्रालय ने कहा कि अंतिम संस्कार के वास्ते सहयोग को उच्च प्राथमिकता देने की जरूरत है, साथ ही सरकारी आदेशों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने की जरूरत है तथा ए सारे काम अविलंब किए जाएं। राष्ट्रीय स्वच्छ गंगा मिशन के महानिदेशक राजीव रंजन मिश्रा द्वारा 11 मई को इस संबंध में जिलाधिकारियों को परामर्श जारी किया गया था। इसके बाद नदियों में शवों को फेंके जाने से रोकने तथा कोविड-19 के मरीजों के शवों का अंतिम संस्कार पर्यावरण दिशा-निर्देशों के अनुसार सुनिश्चित करने के लिए मुख्य सचिवों को पत्र लिखा गया। जलशक्ति मंत्रालय के सचिव पंकज कुमार की अध्यक्षता में 15 मई को हुई बैठक में इस संबंध में उत्तर प्रदेश और बिहार द्वारा उठाए गए कदमों की समीक्षा की गई तथा आगे की कार्रवाई के बिन्दुओं पर निर्णय किया गया।

कांग्रेस सांसद राजीव सातव का निधन

पायनियर समाचार सेवा। पुणे

कांग्रेस नेता और राज्यसभा सदस्य राजीव सातव का कोरोना वायरस संक्रमण से उबरने के बाद स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतों के कारण रविवार को निधन हो गया। अस्पताल के सूत्रों ने यह जानकारी दी। सातव (46) का पिछले महीने कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने के बाद पुणे के निजी अस्पताल में इलाज चल रहा था और वह वेंटिलेटर पर थे। जहांगीर अस्पताल की विज्ञप्ति में बताया गया कि कई अंगों के काम करना बंद करने के बाद निमोनिया से सातव का सुबह पांच बजे निधन हो गया। उनकी नौ मई को रिपोर्ट निगेटिव आई थी। कोविड-19 से उबरने के बाद गंभीर निमोनिया की चपेट में आने पर 23 अप्रैल को सातव को अस्पताल में भर्ती कराया गया था और उनकी हालत गंभीर हो गई थी। (शेष पेज 9)

केंद्रीय मंत्री वीके सिंह के पैतृक गांव में दो सप्ताह में 30 की मौत

पायनियर समाचार सेवा। भिवानी

जिले में केंद्रीय मंत्री वी के सिंह के पैतृक गांव बापोड़ा में पिछले दो हफ्तों में 30 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। यह जानकारी गांव के सरपंच ने रविवार को दी। असामान्य रूप से इतनी अधिक संख्या में हुई मौतों ने यह चिंता उत्पन्न कर दी है कि कारण कोविड-19 महामारी हो सकती है।

बापोड़ा के ग्राम प्रधान नरेश ने कहा कि इनमें से कई लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण के लक्षण थे लेकिन उनमें से केवल तीन ही जांच में संक्रमित पाए गए थे। उन्होंने कहा, पिछले दो हफ्तों के दौरान गांव में 30 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। उनमें से कई बुजुर्ग थे, मरने वालों में से केवल तीन की ही जांच रिपोर्ट में कोविड-19 की पुष्टि हुई थी। भिवानी के उपायुक्त जयबीर सिंह आर्य ने बताया कि गांव के सभी निवासियों की जांच की गई है। रविवार को गांव का दौरा करने वाले अधिकारी ने यह भी बताया कि गांव में एक एंबुलेंस भी तैनात कर दी गई है। उन्होंने कहा, हमने गांव में एक पृथक-वास केंद्र स्थापित किया है और आपातकालीन उपयोग के लिए एक एंबुलेंस भी तैनात की है। यहां टीकाकरण केंद्र भी स्थापित किए गए हैं। अधिकारी ने कहा, पूरे गांव को सैनिटाइज किया गया है। सरपंच नरेश ने कहा कि बापोड़ा गांव की आबादी 20 हजार से ज्यादा है। मौतों पर टिप्पणी करते हुए उन्होंने कहा, उन्हें (मरने वाले लोगों) बुखार और खांसी जैसे लक्षण थे, लेकिन उन्होंने जांच नहीं कराई। इसलिए, उनकी मौत के पीछे का असली कारण अज्ञात है। उन्होंने कहा कि कई ग्रामीण कोविड-19 जांच नहीं कराना चाहते। (शेष पेज 9)

तीसरी लहर को आने से पहले रोकेंगे : सीएम

ट्रीपल-टी फार्मूले पर हो रहा काम, प्रदेश में रोज हो रहे ढाई लाख कोविड टेस्ट

● राज्य में अब तक वैक्सीन की 1.50 करोड़ डोज लगाई जा चुकी है

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश में कोरोना वायरस का संक्रमण रोकने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दौरे शुरू कर दिए हैं। इस सिलसिले में पश्चिमी उत्तर प्रदेश के 5 जिलों का दौरा मुख्यमंत्री ने रविवार की सुबह नोएडा से शुरू किया है। नोएडा में पत्रकारों को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा, तीसरी वेव को आने से पहले ही रुकेंगे। उत्तर प्रदेश के बच्चों पर कोई खतरा नहीं आने देंगे।

इस दौरान अब तक राज्य सरकार की ओर से उठाए गए कदमों के बारे में सीएम ने विस्तार से जानकारी दी। योगी ने बताया कि राज्य सरकार ट्रेसिंग, टेस्टिंग एन्ड ट्रीटमेन्ट के ट्रिपल-टी फ र्मूले पर शिद्दत से काम कर रही है। जिससे बड़ी कामयाबी मिली है। उत्तर प्रदेश सरकार ने कोविड-19 की दूसरी वेव को नियंत्रित करने के लिए ट्रेस, टेस्ट एंड ट्रीट का एग्रेसिव कैंपेन पूरे प्रदेश में चलाया और आज उसका परिणाम हम सबके सामने है।

गौतमबुद्ध नगर में 27 अप्रैल को 10,000 से ज्यादा पॉजिटिव केस थे और आज 400 से कम हैं। भारत सरकार के सहयोग से उत्तर प्रदेश सरकार अपने सभी जनप्रतिनिधियों, प्रशासनिक तंत्र और सभी संगठनों के साथ मिलकर आज प्रतिदिन 2.50 लाख टेस्ट कर रही है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, 2 मार्च, 2020 को जब प्रदेश में पहला केस आया था, तब हमारे पास न टेस्ट की क्षमता थी और न कोई आइसोलेशन बेड था, जहां उपचार करा सकें। प्रदेश में अब तक 4.50 करोड़ कोविड टेस्ट किए जा चुके हैं। राज्य में एल.2 और एल.3 फैसिलिटी के 80000 बेड्स मौजूद हैं। जहां पर कोरोना पॉजिटिव मरीजों को उपचार की सुविधा उपलब्ध कराई जा रही है। केंद्र सरकार 45 प्लस आयु वर्ग के हर व्यक्ति को मुफ्त में वैक्सीन उपलब्ध करा रही है। राज्य सरकार 18 से 44 आयु वर्ग के प्रत्येक युवा को निशुल्क वैक्सीन उपलब्ध करा रही है।

मुख्यमंत्री ने आगे कहा, प्रदेश में अब तक वैक्सीन की 1.50 करोड़ डोज लगाई जा चुकी हैं। कल से तीसरे चरण की वैक्सीनेशन ड्राइव में नगर निगमों के साथ-साथ सभी कमिश्नरी मुख्यालयों में 18 प्लस आयु वर्ग के लिए टीकाकरण प्रारंभ होगा। कल से 23 जनपदों में वैक्सीनेशन की कार्यवाही आगे बढ़ेगी।

प्रदेश में 18 से 44 आयु वर्ग के लोगों का वैक्सीनेशन एक मई से शुरू किया गया था। पहले चरण में 7 जनपद लिए गए थे, जहां एक्टिव केस ज्यादा थे। दूसरे चरण में प्रदेश के सभी नगर निगमों को जोड़ा गया है। योगी आदित्यनाथ ने आगे कहा, ग्रामीण इलाकों में संक्रमण से निपटने के लिए उत्तर प्रदेश सरकार ने व्यापक रणनीति 2 मई से ही प्रारंभ कर दी थी। हर ग्राम पंचायत में निगरानी समितियां बनाई गई हैं। यह सभी स्क्रीनिंग समितियां 97,000 राजस्व गांवों को केंद्र में रखकर स्क्रीनिंग का कार्य कर रही हैं। यह निगरानी समितियां गांवों में कोविड.19 लक्षणयुक्त या संदिग्ध मरीजों को मेडिसिन किट उपलब्ध कराती हैं। ऐसे मरीजों की सूची आइसीसीसी को उपलब्ध कराई जाती है और फि र आरआरटी संबंधित इलाकों में जाकर कोविड टेस्ट करती है।

नोएडा के एक वैक्सीनेशन सेंटर पर स्वास्थ्यकर्मी से जानकारी लेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ। फोटो : दीपक यादव

कोरोना से बच्चों को बचाने का काम शुरू

योगी ने कहा कोविड.19 की तीसरी लहर आने की आशंका भी व्यक्त की जा रही है। थर्ड वेव पर अंकुश लगाने के लिए राज्य सरकार ने अभी से अपनी कार्य योजना बनानी शुरू कर दी है। कोविड.19 की थर्ड वेव में बच्चों के चपेट में आने की आशंका व्यक्त की जा रही है। इसलिए हर एक जनपद व मेडिकल कॉलेज में पीडियाट्रिक तैयार करने के लिए कहा गया है। मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में कोविड-19 मरीजों के लिए 1,500 डेडिकेटेड एंबुलेंस तैनात की गई हैं। साथ ही हमारे पास 350 एडवांस लाइफसपोर्ट एंबुलेंस भी हैं, जिनका उपयोग इस काम के लिए किया जा रहा है। हर जिले में प्रशासन को महिलाओं और बच्चों के लिए डेडिकेटेड हॉस्पिटल अभी से तैयार करने के निर्देश दिए गए हैं। हेल्पलाइन 102 की 2,200 एंबुलेंस इमरजेंसी के दौरान महिलाओं और बच्चों के लिए डेडिकेट की गई हैं।

भोवापुर गांव पहुंच योगी ने जाना हाल

कंट्रोल रूम पहुंचकर गाजियाबाद की स्थिति का लिया जायजा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ रविवार की शाम को गाजियाबाद पहुंचे। यहां उन्होंने गांव भोवपुर में स्थानीय जनप्रतिनिधियों से सीधा संवाद किया और कोरोना को लेकर उठाये जा रहे कदमों की हकीकत को जाना। उन्होंने कोविड कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना एक बहुत बड़ी चुनौती है और इसको हम सबको मिलकर लड़ना है। इसके लिए कोरोना के नियमों का पालन करके न केवल खुद बचना है बल्कि औरों को भी बचाना है। स्थानीय जनप्रतिनिधियों व ग्राम स्तर के अधिकारियों ने योगी को बताया कि वह कोरोना की रोकथाम के लिए किस तरह कार्य योजना अमल में ला रहे हैं । योगी आदित्यनाथ ने इसको लेकर हर संभव प्रयास करने की कोशिश करने के आदेश दिए। साथ ही कहा कि जो संभावित तीसरी लहर है उसके लिए भी ग्रामीण अंचल के अधिकारी और जनप्रतिनिधि तैयार रहें।

उन्होंने कहा कि सरकार वर्तमान में जो दूसरी लहर चल रही है इस पर गंभीरता से काम कर रही है और आने वाले संभावित तीसरी लहर का मुकाबला करने के लिए भी ठोस योजना बना रही है। उन्होंने कहा कि उन्होंने शासन को निर्देश दे दिए हैं कि वह तीसरी संभावित लहर के मद्देनजर बच्चों और महिलाओं के लिए विशेष अस्पताल बनाएं। इ

सके बाद मुख्यमंत्री कलेक्ट्रेट सभागार पहुंचे और वहां उन्होंने जनप्रतिनिधियों व प्रशासनिक अधिकारियों के साथ बैठक की और दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय राज्य मंत्री जनरल वीके सिंह स्थानीय विधायक अजीत पाल सिंह त्यागी, डीएम समेत कई प्रशासनिक अफसर मौजूद रहे।

भोवापुर गांव में ग्रामीणों से हालचाल लेते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

शारदा हॉस्पिटल को जिला प्रशासन ने जारी किया नोटिस

नोएडा। गौतमबुद्धनगर जिला प्रशासन ने ग्रेटर नोएडा स्थित शारदा हॉस्पिटल को नोटिस जारी करते हुए तुरंत जवाब तलब किया है। डिप्टी कलेक्टर,कोविड टेस्टिंग एवं लैब के नोडल अधिकारी राजीव राय ने हॉस्पिटल मैनेजमेंट को कड़ी चेतावनी देते हुए अंतिम नोटिस जारी किया है। प्रबंधन को तत्काल इस पर जवाब देने के लिए कहा गया है।

शारदा हॉस्पिटल पर कोरोना के आंकडों को लेकर लापरवाही बरतने का आरोप लगा है। अस्पताल में हुई आरटीपीसीआर रिपोर्ट को यूपी कोविड पोर्टल पर अपलोड करने में कई विसंगतियां पाई गई हैं। अस्पताल प्रशासन ने पिछले 23 अप्रैल से 1 मई तक के आरटीपीसीआर रिपोर्ट को यूपी कोविड पोर्टल पर 10 मई को अपलोड किया। इसमें भी सिर्फ 191 पॉजिटिव मरीजों की जानकारी दी गई। उनकी भी जानकारी अधूरी पाई गई।

रितु माहेश्वरी बुलंदशहर की कोविड प्रभारी नियुक्त

नोडल अधिकारी अगले एक सप्ताह तक जिलों में करेंगे प्रवास

● 65 जनपदों में सीएम ने भेजे सीनियर अफसर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

उत्तर प्रदेश के 65 जिलों में कोरोना वायरस का संक्रमण नियंत्रित करने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बड़ा कदम उठाया है। राज्य के सीनियर अफ सरों को इन जिलों में कोविड-19 का प्रभारी बनाकर भेजा गया है। सरकार ने आदेश दिया है कि प्रभारी अफ सर अगले एक सप्ताह नियुक्ति वाले जिलों में प्रवास करेंगे। वहां के जिला प्रशासन, पुलिस और स्वास्थ्य विभाग को मार्गदर्शन देंगे।

नोएडा की मुख्य कार्यपालक अधिकारी रितु महेश्वरी को बुलंदशहर जिले का कोविड-19 भारी बनाकर भेजा गया है। ग्रेटर नोएडा के मुख्य कार्यपालक अधिकारी नरेंद्र भूषण गौतमबुद्धनगर के ही प्रभारी अधिकारी बने रहेंगे।

उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव राजेंद्र कुमार तिवारी की ओर से जारी किए गए आदेश में कहा गया है कि सभी अफसर 15 मई की शाम तक हर हाल में नियुक्ति वाले जिलों में पहुंच जाएंगे। कार्यभार ग्रहण करके लखनऊ मुख्यालय को सूचित करेंगे। अफ सर अपने-अपने जिलों में जाकर प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग का सहयोग करेंगे। कोविड-19 से निपटने के लिए जिले के शहरों और ग्रामीण क्षेत्रों में निगरानी समितियों को सक्रिय करेंगे। अफ सर देखेंगे कि निगरानी समितियां घर-घर जाकर स्क्रीनिंग कर रही हैं या नहीं। निगरानी समितियों के पास पर्याप्त मेडिकल किट उपलब्ध होनी चाहिए। हर लक्षण युक्त और संदिग्ध व्यक्ति को निगरानी समिति मेडिकल किट देगी।

समिति प्रतिदिन उन लोगों के नाम और फोन नंबर सेक्टर अधिकारी को उसी दिन भेजेगी, जिन्हें मेडिकल किट दी गई है। इसके बाद यह सूची जिला प्रशासन को दी जाएगी। जिला प्रशासन से सत्यापित करके लखनऊ मुख्यालय भेजी जाएगी।

निगरानी समिति यह भी सुनिश्चित करेगी कि लक्षण वाले और संदिग्ध व्यक्तियों के पास अलग टॉयलेट और कमरा होना चाहिए। जिन लोगों के पास यह व्यवस्था नहीं है, उनकी सूची सेक्टर अधिकारी के माध्यम से जिला प्रशासन को भेजी जाएगी। जिला प्रशासन उन्हें क्वारंटाइन सेंटर ले जाने की व्यवस्था करेगा। होम आइसोलेशन और क्वॉरेंटाइन सेंटर में रहने वाले प्रत्येक व्यक्ति के स्वास्थ्य की जानकारी डॉक्टरों की टीम लेगी।

संक्षिप्त समाचार

स्वास्थ्य विषय को लेकर ऑनलाइन परिचर्चा करते वक्ता।

स्वास्थ्य विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी सम्पन्न

हापुड़। आर्य समाज हापुड़ के तत्वावधान में आयोजित स्वास्थ्य परिचर्चा विषय पर गोष्ठी परिषद के प्रदेश कोषाध्यक्ष देवेन्द्र गुप्ता की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के प्रांतीय महामंत्री प्रवीण आर्य ने ओउम् की ध्वनि, गायत्री मंत्र से सत्र को प्रारंभ किया। उन्होंने सुमधुर भजन से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। उन्होंने बताया कि जिनका जीवन भगवान की भक्ति में बीतता है उन्हें कोई सांसारिक चिंता नहीं होती। परमेश्वर के गुण गाने से खुशियां प्राप्त होती हैं ।वैदिक विद्धवान ब्रह्मनिष्ठ आचार्य सत्यवीर ने अपने उद्बोधन में स्वास्थ्य परिचर्चा पर बोलते हुए कहा कि ऊर्जा के चार प्रमुख स्त्रोत हैं स्वांस,भोजन, नींद और हंसना। उन्होंन कहा कि स्वांस जीवन में ऊर्जा का सबसे प्रमुख स्त्रोत है। कोई भी प्राणी बिना स्वांस के जिंदा नहीं रह सकता। शरीर के अंदर के वायु एवं अग्नि तत्व को तृप्त करने के लिए स्वांस सबसे प्रमुख है।

आर्थिक पैकेज की मांग को लेकर मार्च निकालते व्यापारी।

किसान-व्यापारी वर्ग की अनदेखी पर आक्रोश

गाजियाबाद। राष्ट्रीय व्यापार मंडल गाजियाबाद की बैठक में लॉकडाउन काल में सरकार द्वारा व्यापारियों की की जा रही अनदेखी पर नाराजगी व्यक्त की गई। मण्डल ने सरकार से व्यापारियों और रेहड़ी-पटरी वालों के लिए आर्थिक पैकेज की मांग करते हुए कोरोना गाइडलाइंस का पालन करते हुए मार्च निकाला। जिलाध्यक्ष बालकृष्ण गुप्ता की अध्यक्षता और एस के चौधरी के संचालन में हुई बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा अब तक भी किसानों, रेहडी पटरी वालों तथा व्यापारी वर्ग को किसी भी प्रकार की राहत न देने पर नाराजगी जाहिर की गई। बैठक में कहा गया कि पिछले वर्ष से व्यापारिक वर्ग की कठिनाईयां भयावह स्थिति में पहुंच चुकी हैं। दोबारा लाकडाउन से व्यापारी वर्ग बदतर स्थिति में पहुंच चुका है। व्यापारी आत्महत्या के लिए मजबूर हो रहा है।

प्राइवेट चिकित्सकों को जागरूक करने के लिए बैठक

गाजियाबाद। शहरी क्षेत्रों के साथ कोरोना की दूसरी लहर का असर गाजियाबाद के ग्रामीण क्षेत्रों में भी दिखाई दे रहा है। जिसको रोकने के लिए प्रशासन द्वारा प्रयास किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में मोदीनगर, मुरादनगर और भोजपुर के ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले चिकित्सकों के साथ वरिष्ठ चिकित्सा प्रभारियों और मोदीनगर प्रशासन के अधिकारियों ने जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत एक बैठक का आयोजन किया। प्राइवेट चिकित्सक एसोसिएशन के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. एसके शर्मा ने बताया कि मोदीनगर तहसील सभागार में इस सभा का आयोजन किया गया था।

अस्पताल में स्वास्थ्य राज्यमंत्री ने रोगियों का बढ़ाया उत्साह

● स्वयंसेवक कर रहे हैं मरीजों की निस्वार्थ सेवा

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

नेहरू नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में बनाए गए 50 बेड के कोविड प्राथमिक चिकित्सा उपचार केंद्र का रविवार को प्रदेश के स्वास्थ्य राज्यमंत्री एवं गाजियाबाद के विधायक अतुल गर्ग ने निरीक्षण किया और वहां रोगियों से अनौपचारिक बातचीत कर उनका हाल जाना।

इस कोविड स्वास्थ्य केंद्र का संचालन डॉक्टर हेडगेवार जन्मशताब्दी सेवा ट्रस्ट व सेवा भारती द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है। केंद्र में मौजूद रोगियों ने स्वास्थ्य राज्यमंत्री को बताया कि उनकी देखभाल यहां घर की तरह की जा रही है और किसी प्रकार का कोई भेदभाव नहीं बरता जा रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें समय पर भोजन, चाय, काढा व दवाएं दी जा रही हैं। ये सभी सुविधाएं उन्हें निशुल्क मिल रही है। अतुल गर्ग ने बताया कि यहां पर सभी स्वंयसेवक मरीजों की नि:स्वार्थ सेवा कर रहे हैं।

नेहरू नगर स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में बनाए गए 50 बेड के प्राथमिक चिकित्सा उपचार केंद्र में मरीजों का हालचाल लेते स्वास्थ्य राज्यमंत्री अतुल गर्ग।

पुलिसकर्मियों पर हमला, दरोगा को टीम सहित बंधक बनाया

● केस दर्ज, आरोपियों की तलाश में जुटी पुलिस

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

ग्रेनो वेस्ट के थाना बिसरख क्षेत्र के गांव में एक मामले पूछताछ के लिए गई पुलिस टीम पर हमला करने की घटना सामने आई है। पुलिस ने 4 आरोपियों को नामजद करते हुए 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है।

जानकारी के मुताबिक ग्रेनो वेस्ट स्थित राइस चौकी इंचार्ज विपिन कुमार ने बताया कि एक आरटीआई कार्यकर्ता राकेश कुमार का रुपए के लेनदेन को लेकर एक शिकायत आई थी। इस मामले में वह आरोपी पक्ष यशवीर निवासी गांव बिसरख के घर पूछताछ करने के लिए पुलिस टीम के साथ पहुंचे थे। वहां देखा कि पहले से 10 से 12 लोग और चार से पांच महिलाएं बैठी है। जैसे ही पुलिस टीम उनके घर के अंदर पहुंची। आरोप है कि यशवीर और वहां बैठे लोगों ने दरवाजा बंदकर बंधक बना लिया। लोगों ने पुलिस के साथ मारपीट व अभद्र व्यवहार करना शुरू कर दिया।

ऑक्सीजन व कंसंट्रेटर ब्लैक करते 3 धरे

● कब्जे से चार गैस सिलेंडर, कंसट्रेटर बरामद

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

जनपद पुलिस ने रविवार को दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों से ऑक्सीजन गैस सिलेंडर व कंसंट्रेटर की कालाबाजारी करने के मामले में 3 लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके कब्जे से चार गैस सिलेंडर 5 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और एक आई-10 कार बरामद की है।

पुलिस अधीक्षक नगर निपुण अग्रवाल ने बताया कि स्वास्थ्य विभाग व कविनगर पुलिस ने संयुक्त रूप से कार्रवाई करते हुए अजनारा एनक्लेव चंदा नगर निवासी अंकित जैन को गिरफ्तार किया है । उन्होंने बताया कि इसके पास से 5 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर व एक आई 10 कार बरामद हुई है। इसके अलावा शहर कोतवाली पुलिस ने बुराड़ी दिल्ली निवासी लोकेश गुप्ता तथा जहांगीरपुरी दिल्ली निवासी मनीष को गिरफ्तार किया है। इनके कब्जे से 4 ऑक्सीजन सिलेंडर बरामद हुए हैं।

बरामद ऑक्सीजन कंसंट्रेटर और सिलेंडर के साथ गिरफ्तार तीना आरोपी।

515 नशे की गोलियों के साथ 4 गिरफ्तार

गाजियाबाद। महानगर के युवाओं को नशे की गोलियां सप्लाई करने वाले गिरोह के 4 लोगों को गिरफ्तार कर कोतवाली पुलिस ने उनके कब्जे से 515 नशीली गोलियां वह कुछ धारदार हथियार बरामद करने का दावा किया है। इन सभी की गिरफ्तारी थाना कोतवाली क्षेत्र स्थित सादिक की पुलिया कैला भट्टा इलाके से की गई है।

गिरफ्तार आरोपियों के नाम इमरान, जोहर ,खलील व राजेंद्र गिरी हैं। ये सभी गाजियाबाद के विभिन्न इलाकों में रहते हैं और संगठित रूप से शहर में युवा वर्ग को नशे की गोलियां सप्लाई का धंधा करते हैं।

जोनल कार्यालय पर ऑक्सीजन गैस सिलेंडर की लोडिंग करते हुए निगम कर्मी।

कालाबाजारी पर अंकुश लगते ही ऑक्सीजन की मांग में कमी

रिफिलिंग के लिए लगने वाली लंबी कतारें भी खत्म

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

महानगर में कोरोना संक्रमण के चलते ऑक्सीजन गैस की कालाबाजारी के कारण ऑक्सीजन गैस का कृत्रिम अभाव पैदा हो गया था। जैसे ही गाजियाबाद नगर निगम को ऑक्सीजन सिलेंडर रिफिलिंग एवं वितरण का कार्य निजी हाथों से हटाकर सौंपा गया उसके कुछ ही दिन बाद यह कृत्रिम अभाव खत्म हो गया।

अब हालत यह है कि गैस रिफलिंग के लिए लगने वाली लंबी कतारें खत्म हो गई हैं और इसकी मांग भी घट गई है। किसी भी कोरोना पीड़ित रोगी के तीमारदारों को प्रतीक्षारत सूची में नहीं रखा गया है। नोडल अधिकारी डॉ अनुज कुमार सिंह ने बताया कि रविवार को मात्र 89 लोगों ने ऑक्सीजन गैस सिलेंडर के लिए पंजीकरण कराया था। इन सभी को सिलेंडर दे दिए गए हैं। एक समय था जब महानगर में आपदा के इस दौर में कालाबाजारी करने वालों ने कमाई का अवसर ढूंढ लिया था और लोगों की मजबूरी का फायदा उठाकर ऑक्सीजन गैस के सिलेंडर 50 हजार से एक लाख रुपए में बेच रहे थे लेकिन जैसे ही निजी हाथों से हटाकर ऑक्सीजन गैस रिफलिंग की व्यवस्था नगर निगम को सौंपी गई तो यह व्यवस्था दुरुस्त हो गई और रोगियों को अब समय पर ऑक्सीजन गैस मिल रही है।

नगर आयुक्त महेंद्र सिंह तंवर ने बताया कि गाजियाबाद नगर निगम के सभी पांचो जोनल कार्यालयों पर ऑक्सीजन गैस रिफलिंग एवं वितरण का कार्य सुचारु रुप से चल रहा है।

कोरोना के नए स्ट्रेन पर असर नहीं करती स्टीम थेरेपी

भाप लेने से फायदे के बजाय नुकसान का खतरा ज्यादा : डॉक्टर बीपी त्यागी

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना वायरस के नए स्ट्रेन से अति सावधान रहने की जरूरत है। कोरोना वायरस का नया स्ट्रेन भाप (स्टीम) या गर्मी के प्रति उतना सवंदेनशील नहीं है जितना पहला था। यह म्यूटेंड स्ट्रेन है और नाक या गले में ज्यादा देर नहीं रहता। सीधे फेफड़ों पर वार करता है, इसलिए घातक भी ज्यादा साबित हो रहा है। पिछली बार जहां छठे से नौवां दिन संवेदनशील बताया जाता था, वहीं इस बार यह तीसरे दिन ही फेफड़ों को जकड़ लेता है और निमोनिया बना देता है। इससे बचाव के लिए केवल डबल मॉस्क, हाथों की सफाई और सुरक्षित शारीरिक दूरी ही कारगर हो रही है। स्टीम थेरेपी से यद्यपि नाक बंद होने और रेस्पिरेटरी समस्याओं से निजात मिल सकती है लेकिन कोरोना वायरस पर इसके प्रभावी होने की बात बेमानी हो चली है। यह बातें नाक, कान और गला रोग विशेषज्ञ डा. बीपी त्यागी ने कही।

डॉक्टर बीपी त्यागी

उन्होंने बताया कोरोना वायरस का पहला स्ट्रेन नाक के पिछले हिस्से में और गले में रुकता था और फेफड़ों तक पहुंचने में छह से सात दिन लगते थे। उस स्थिति में भाप लेना प्रभावी होता था, लेकिन अब म्यूटेंट होने के चलते वायरस नाक और गले की सारी नेचुरल बेरिकेडिंग तोड़ते हुए सीधे फेफड़े में पहुंच जाता है। स्टीम थेरेपी इस बार फायदे के बजाय नुकसानदायक साबित होती दिख रही है। उनके पास चेहरे, नाक और गले में लाली की शिकायत लेकर कई मरीज आ रहे हैं। यह ज्यादा भाप लेने का ही नतीजा है। कई लोगों के नाक और गले में छाले तक पड़ जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कोरोना वायरस पर स्टीम थेरेपी के कारगर होने का कोई पुष्ट प्रमाण भी नहीं है। यहां तक कि सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रीवेंशन (सीडीसी) या विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) ने स्टीम थेरेपी से कोरोना का उपचार होने की पुष्टि नहीं की है।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी। पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं। पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

45+ के लिए कोवैक्सीन का बचा एक दिन का स्टॉक

राजधानी में रविवार को 1.18 लाख लोगों को लगा टीका

● केंद्र से सभी श्रेणियों के लिए कोवैक्सीन उपलब्ध कराने का अनुरोध : दिल्ली सरकार

संजय राय। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में अब 45 साल से ऊपर वालों के टीकाकारण के लिए वैक्सीन की किल्लत हो सकती है। दिल्ली सरकार ने दावा किया कि 45 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों, हेल्थ केयर वर्कर और फ्रंट लाइन वर्कर के लिए कोवैक्सीन का 1 दिन और कोवीशील्ड का 5 दिन का स्टॉक बचा है। रविवार को 1.18 लाख लोगों को वैक्सीन लगायी गई है। जिसमें से 80,197 लोगों को पहली और 37,846 लोगों को दूसरी खुराक दी गई। अब तक 34 लाख से ज्यादा लोगों को पहली और 10.50 लाख लोगों को दूसरी डोज भी लगाई जा चुकी है।

आम आदमी पार्टी की प्रवक्ता व विधायक आतिशी ने कहा कि 45 वर्ष से अधिक उम्र की श्रेणी के लिए दिल्ली को कुल 44,94,250 वैक्सीन मिली हैं, जिसमें से 41,68,770 वैक्सीन की डोज लगाई जा चुकी हैं। केंद्र सरकार से अपील है कि इस श्रेणी के लिए जल्द को वैक्सीन का स्टॉक उपलब्ध कराए। ऐसे बहुत सारे लोग हैं जिनको पहली खुराक दी जा चुकी है। उन्हें जल्द दूसरी डोज भी लगनी है। विधायक ने कहा कि 18 से 44 वर्ष की श्रेणी के लिए 8,17,690 डोज मिली हैं, इसमें से 5.25 लाख इस्तेमाल हो चुकी हैं।

ढलान पर कोरोना, संक्रमण दर 10 फीसदी पर आई

एक दिन में आए 6456 नए केस, 262 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

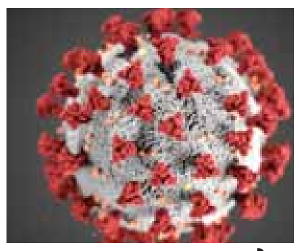

● संक्रमण दर 11 अप्रैल के बाद सबसे कम

राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस का ग्राफ लगातार नीचे गिरता जा रहा है। रविवार को 6456 नए मामले सामने आए जो करीब एक महीने से भी ज्यादा समय में सबसे कम हैं। संक्रमण दर गिरकर 10.40 फीसदी पर पहुंच गई है। यह 11 अप्रैल के बाद सबसे कम है। पिछले 24 घंटों में 262 कोरोना मरीजों की मौत हुई है।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग के अनुसार, यह लगातार तीसरा दिन है, जब संक्रमित लोगों की संख्या दस हजार से कम दर्ज हुई है। यहां एक्टिव मामलों की संख्या करीब 63,000 है। यह 16 अप्रैल के बाद सबसे कम है। दिल्ली में रिकवरी रेट 93.95 फीसदी है और एक्टिव मरीज 4.5 प्रतिशत हैं। कोविड-19 मरीजों की मृत्यु दर 1.55 फीसदी पर है। पिछले 24 घंटे में आए नए मामलों के साथ अब तक कोरोना के कुल मामले 13,93,867 दर्ज हो गए हैं।

पिछले 24 घंटे में 9706 मरीज बीमारी से ठीक हो चुके हैं। इसके साथ अब तक कुल स्वस्थ मरीजों की तादाद 13,09,578 हो गई है। पिछले 24 घंटों में हुए 62,059 टेस्ट किए गए। अब तक कुल 1,82,88,726 कोविड टेस्ट किए गए हैं।

राजधानी में लगे लॉकडाउन के कारण बंद पड़ी कश्मीरी गेट की दुकानें। फोटो : रंजन डिमरी

फिर बढ़ने लगी गर्मी अधिकतम तापमान 41 डिग्री रहने का अनुमान

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी में रविवार सुबह न्यूनतम तापमान 21.7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जो इस मौसम के औसत तापमान से पांच डिग्री सेल्सियस कम है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने रविवार को बताया कि अधिकतम तापमान 41 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है। उसने बताया कि सापेक्ष आर्द्रता 53 प्रतिशत दर्ज की गई और दिन में आसमान में आंशिक रूप से बादल छाए रह सकते हैं। शहर में वायु गुणवत्ता मध्यम श्रेणी में दर्ज की गई। सीपीसीबी द्वारा सुबह आठ बजकर पांच मिनट पर दर्ज वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 165 था। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई अच्छा, 51 से 100 के बीच एक्यूआई संतोषजनक, 101 से 200 के बीच एक्यूआई मध्यम 201 से 300 के बीच एक्यूआई खराब, 301 से 400 के बीच एक्यूआई बेहद खराब और 401 से 500 के बीच एक्यूआई गंभीर की श्रेणी में आता है।

ऑक्सीजन सिलेंडर दिलाने के नाम पर ठगने वाला गिरफ्तार

आरोपी ने दो सिलेंडर के अग्रिम वसूले थे 50 हजार रुपये

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● पैसे मिलने के बाद पीड़ित का नंबर कर दिया था ब्लॉक

ऑक्सीजन सिलेंडर दिलाने के नाम पर लोगों को कथित तौर पर ठगने के आरोपी 22 वर्षीय एक युवक को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि आरोपी की पहचान जहांगीरपुरी निवासी जय किशन के तौर पर हुई है।

पुलिस ने कहा कि हिमांशु नामक एक व्यक्ति की शिकायत पर मंगलवार को मामला दर्ज किया गया था। शिकायतकर्ता के मुताबिक उसके परिवार के सदस्य कोविड-19 से ग्रसित पाए गए, जिसके बाद 27 अप्रैल को उसे ऑक्सीजन सिलेंडर की जरूरत पड़ी। शिकायतकर्ता के मुताबिक, उसकी नजर व्हाट्सएप पर एक विज्ञापन पर पड़ी जिसमें ऑक्सीजन सिलेंडर की घर पर आपूर्ति करने की बात कही गई थी।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी के मुताबिक हिमांशु ने मोबाइल नंबर पर फोन किया और उससे 20-20 किलोग्राम के दो सिलेंडरों के बदले क्रमशः 20 और 30 हजार रुपये अग्रिम भेजने को कहा। उन्होंने बताया कि शिकायतकर्ता ने रुपये भेज दिये लेकिन उसे सिलेंडर नहीं मिला। पुलिस ने कहा कि हिमांशु ने जब रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने नंबर ब्लॉक कर दिया। जांच के दौरान पुलिस ने संदिग्ध के मोबाइल नंबर और बैंक खाते के विवरण का विश्लेषण किया और उसे गिरफ्तार कर लिया।

सरकार ने दक्षिणी निगम को नहीं दिया पूरा बकाया : मेयर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी की सरकार द्वारा निगमों को जारी 1051 करोड़ रुपये के फंड को लेकर सरकार और दक्षिणी दिल्ली नगर निगम में रार है।

महापौर अनामिका ने रविवार को कहा कि दिल्ली सरकार द्वारा तीनों निगमों को जारी फंड के बारे में कहा कि इसमें से दक्षिणी निगम को केवल 251.59 करोड़ रुपए ही मिलेंगे जिसमे से शिक्षा की मद में 110 करोड़, अनुदान 101 करोड़, स्वास्थ्य की मद में 14.04 करोड़ एवं स्वच्छता की मद में 26.55 करोड़ की राशि का भुगतान होगा। वर्तमान में कोरोना महामारी के चलते निगम का अपना राजस्व शून्य है। ऐसे में उन्होंने दिल्ली सरकार से अनुरोध किया था की पहली तिमाही के अनुदान के रूप में देय राशि का 25फीसदी की बजाय 50 फीसदी हिस्सा दक्षिणी निगम को दिया जाए लेकिन मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ऐसा नहीं करके मात्र 25 फीसदी राशि का ही भुगतान किया।

अनामिका ने कहा कि इसके साथ उच्च न्यायालय ने अपने आदेश में दिल्ली सरकार को वर्ष 2020-2021 की बकाया 285 करोड़ राशि का भुगतान करने के लिए कहा था लेकिन सरकार ने इस मद में एक भी पैसे का भुगतान नहीं किया।

गरीबों की चिंता बिना सीएम बढ़ा रहे लॉकडाउन

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा- सरकार को भूख से जुड़े अप्रिय समाचार का इंतजार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री दिहाड़ी मजदूरों, छोटे व्यापारियों व कम बचत वाले परिवारों की चिंता किए बिना लगातार लॉकडाउन बढ़ाते जा रहे हैं। उनके लिए अभी तक किसी प्रकार का कोई राहत की घोषणा नहीं कर मुख्यमंत्री भूख से जुड़े अप्रिय समाचार का इंतजार कर रहे। यह आरोप दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने दिल्ली सरकार और मुख्यमंत्री केजरीवाल पर लगाया है।

चौधरी अनिल ने कहा कि लोगों को एक तरफ संक्रमण से डर है तो दूसरी तरफ के भूख से मरने का भी डर सता रहा, अब लगभग 5 हफ्ते बाद संक्रमण से गरीबों को कम भूख से मृत्यु का ज्यादा डर सता रहा है, अत: दिल्ली कांग्रेस ने केजरीवाल का बिना राहत प्रदान किए लॉकडाउन बढ़ाने के फैसले का विरोध करने का फैसला लिया है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली कांग्रेस ने पिछले कुछ दिनों के दौरान केजरीवाल से कई बार सभी जरूरतमंदों को मुफ्त राशन व 10 हजार रुपये की तत्कालिक राहत देने का घोषणा करने की माँग रखा लेकिन केजरीवाल अहंकार में चूर हो चुके है। केजरीवाल राशन कार्ड धारकों से भी मुफ्त राशन का वादा कर पलट चुके थे, लेकिन 10 मई को जारी इस आदेश का काँग्रेस पार्टी ने जमकर विरोध किया उसके बाद केजरीवाल को यह आदेश वापिस लेना पड़ा।

चौधरी अनिल कुमार ने छोटे व्यापारियों के लिए बिजली के बिलों को माफ़ करने की मांग की है। चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली काँग्रेस के द्वारा तैयार कंट्रोल केंद्रों पर लोगों के मुश्किलों वाले कॉल की संख्या बढ़ गई है। काँग्रेस से जुड़े कार्यकर्ता व नेता अपने स्तर पर बड़े पैमाने पर काँग्रेस रसोई के माध्यम से राहत कार्य कर रहे।

एनसीआर समाचार

फॉगिंग के लिए तैयार होती गाजियाबाद नगर निगम की टीम।

निगम ने शहर में कराया सैनिटाइजेशन व फॉगिंग

गाजियाबाद। दिल्ली से सटे महानगर गाजियाबाद को कोरोना संक्रमण से मुक्ति दिलाने के लिए गाजियाबाद नगर निगम के कोरोना योद्धा इस समय मैदान पर उतरे हुए हैं। नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम ने रविवार को शहर के पांच जोनों के 322 स्थानों पर सैनिटाइजेशन और 338 स्थानों पर फॉगिंग का कार्य किया। नगर निगम के अपर नगर आयुक्त शिवपूजन यादव ने बताया कि शहर की सभी औद्योगिक इकाइयों व कॉलोनियों में जोनलवार सैनिटाइजेशन और फॉगिंग का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि सैनिटाइजेशन का कार्य दिन में हो रहा है और फॉगिंग का कार्य शाम 6:00 बजे से रात्रि 9:00 बजे तक होता है। इस कार्य के लिए शहर के नागरिकों का उन्हें समर्थन मिल रहा है। जिससे फिल्ड में कार्य कर रही टीमों का हौसला बढ़ रहा है।

घर मे योजना के तहत गेंहू पीसती ग्रामीण महिला।

लॉकडाउन में घर बैठे महिलाओं को मिला रोजगार

गाजियाबाद। नेहरू युवा केंद्र से संचालित होने वाले मुरादनगर के महिला उन्नति प्रशिक्षण संस्थान की तरफ से लॉकडाउन में घर बैठी महिलाओं को रोजगार देने की मुहिम चलाई जा रही है। संस्था की चक्की झूला योजना के अंतर्गत महिलाएं घरों में रहकर हाथ चक्की से गेहूं पिसाई करेंगी। गेहूं का पिसा हुआ आटा शहरों में संस्थान के माध्यम से बिकने के लिए जाएगा जिससे महिलाओं को रोजगार मिलने के साथ ही वह मानसिक तौर पर स्वस्थ भी रहेंगी।

नोएडा में संक्रमण के 377 नए मामले आए सामने

नोएडा। गौतमबुद्ध नगर में रविवार को कुल कोरोना संक्रमण के 377 नए मामले आए हैं। करीब एक महीने बाद जिले में कोरोना संक्रमण की रफ्तार काफी कम हुई है। रविवार को चार लोगों की मौत कोरोना संक्रमण से हुई है। जिले के निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि जिले में रविवार को कोरोना संक्रमण के 377 नए मामले दर्ज किए गए हैं। इसके अलावा इसी समय के दौरान जनपद से 812 कोरोना संक्रमित मरीज ठीक होकर अपने घर लौटे हैं। उन्होंने बताया कि जिले में इस समय कुल 6412 कोरोना संक्रमित मरीजों का इलाज किया जा रहा है। जिले में काफी तेजी के साथ कोरोना संक्रमण से जंग जीती जा रही है। अधिकारियों की मेहनत रंग ला रही है। पूरे जिले में अब तक 52688 लोग कोरोना संक्रमण से ठीक होकर अपने घर लौटे हैं। उन्होंने बताया कि जनपद में रविवार को चार लोगों की मौत कोरोना संक्रमण के कारण हुई है। जिले में अभी तक 385 लोग कोरोना संक्रमण के कारण अपनी जान गवा चुके हैं। वही उत्तर प्रदेश में रविवार को 311 लोगों की मौत कोरोना संक्रमण के कारण हुई है। रिपोर्ट के मुताबिक पूरे यूपी में अब तक 17546 लोगों की जान कोरोना वायरस के कारण जा चुकी है।

सांसद ने अपने लोकसभा क्षेत्र के हर गांव में दिया ऑक्सीजन कंसंट्रेटर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

सांसद प्रवेश वर्मा ने पश्चिमी दिल्ली लोकसभा के हर गांव में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दिया। उन्होंने 42 गांवों में अपनी संस्था राष्ट्रीय स्वाभिमान के द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं की टीम बनाकर हर गांव के लिए जरूरत पड़ने पर उनके घर में ही ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मुहैया कराएंगे।

वर्मा ने कहा कि 8 सेंटर 355 बेड की क्षमता के खोलने के बाद और प्रत्येक वार्ड में 100 कंसंट्रेटर मशीन देने के बाद अब उन्होंने अपने क्षेत्र के गांव में इन मशीनों को पहुंचाया। यह मशीन जो काफी महंगी आती है जिसको एक सामान्य आदमी खरीद नहीं सकता। ऐसे में गांवों तक ऑक्सीजन की कमी पूरा करने के मकसद से यह मशीन पहुंचाई गई है। ताकि ऑक्सीजन के अभाव में किसी मरीज का जान न जाए।

कोरोना से जंग जीतने वालों को सबल देगी भाजपा

खोला परामर्श केंद्र, प्राकृतिक उपचार, योग, एक्यूप्रेशर, होम्योपैथी के बारे में ले सकेंगे सलाह

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा ने कोरोना से ठीक हुए मरीजों के लिए परामर्श सुविधा केंद्र शुरू किया है। इस केंद्र में प्राकृतिक उपचार के साथ योग, रैकी, एक्यूप्रेशर और होम्योपैथी इलाज से संबंधित परामर्श दिया जाएगा। यह परामर्श ऑनलाइन या फिर टेलीफोन से लिया जा सकता है। भाजपा ने दावा किया है कि ठीक हुए मरीजों के लिए यह पहला केंद्र है जहां पर अगर वे किसी भी प्रकार की तकलीफ महसूस करें मसलन तनाव मिटाने से लेकर अन्य किसी तरह की समस्या के लिए परामर्श ले सकते हैं।

भाजपा सांसद हंसराज हंस और प्रदेश भाजपा ने रविवार को इस केंद्र का उद्घाटन किया। इस मौके पर

परामर्श केंद्र के उद्घाटन के अवसर पर सांसद हंसराज हंस, प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता व अन्य।

उन्होंने पूर्व महापौर और प्राणशक्ति संस्था की अध्यक्ष प्रीति अग्रवाल की तारीफ करते हुए कहा कि कोरोना से ठीक होने के बाद लोग डरे सहमे हैं। ऐसे लोगों के लिए डॉक्टरों और प्रशिक्षित सलाहकारों की एक टीम न केवल टेलीफोन पर इनकी मदद करेगी बल्कि केंद्र में आने वाले लोगों की जांच करके उन्हें उचित दवाएं भी मुहैया कराया जाएगा। उन्होंने दावा किया कि कोरोना काल में केवल भाजपा ही एकमात्र ऐसी राजनीतिक पार्टी है जिसके कार्यकर्ता देशभर में कोरोना संक्रमितों और उनके परिवार वालों की मदद कर रहे हैं।

आदेश गुप्ता ने कहा कि दिल्ली में होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे 40 हजार संक्रमितों के साथ-साथ 18 अस्पतालों के बाहर भी कोरोना पीड़ित मरीजों के परिवारों के लिए भी हर दिन भोजन पहुँचाने का काम किया जा रहा है। पार्टी कार्यकर्ताओं ने पिछले महीनों में देशभर में लगभग 25 करोड़ लोगों को भोजन रसोई घर के माध्यम से या निजी स्तर पर पहुँचाने का काम किया है। अपनी जान की प्रवाह न करते हुए भी कार्यकर्ता जनसेवा में जुटे रहे। असल मायनों में पार्टी कार्यकर्ता भी कोरोना वारियर्स हैं जो बड़े पैमाने पर सहायक कार्य कर रहे है।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 17 मई, 2021

कोविड की दूसरी लहर के प्रबंधों के साथ तीसरी लहर से निपटने की भी तैयारी : मनोहर लाल

सीएम ने गुरुग्राम में रविवार को 400 बेड के अस्थाई अस्पतालों का किया उद्घाटन

केंद्रीय मंत्री राव इंद्रजीत सिंह भी कार्यक्रम के दौरान रहे मौजूद

गुरुग्राम के सेक्टर-67 में कोविड सेंटर का उद्घाटन करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल, साथ में विधायक सुधीर सिंगला।

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रविवार को कहा कि हरियाणा में कोरोना की दूसरी लहर के प्रबंधों के साथ-साथ तीसरी लहर से निपटने के लिए भी तैयारी की जा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार महामारी की तीसरी लहर भी आ सकती है। ये बातें उन्होंने यहां सेक्टर-38 स्थित ताऊ देवीलाल स्टेडियम में 100 बेड के कोविड सेंटर का उद्घाटन करने के दौरान मीडिया से बातचीत में कही।

मुख्यमंत्री ने रविवार को गुरुग्राम में 100 बेड क्षमता का वेदांता ग्रुप, गिव इंडिया तथा डॉक्टर्स फॉर यू एनजीओ के सहयोग से ताऊ देवीलाल स्टेडियम में बनाए गए अस्थाई फील्ड अस्पताल के अलावा सेक्टर-67 में एम3एम, सीआईआई, इंडियन एयरफोर्स के सहयोग से बनाए गए 300 बेड क्षमता के कोविड केयर सेंटर का भी उद्घाटन किया। इस दौरान केन्द्रीय मंत्री राव इन्द्रजीत सिंह, विधायक सुधीर सिंगला भी उनके साथ थे।

सीएम मनोहर लाल ने अंग्रेजी की कहावत-होप फॉर बेस्ट एंड बी प्रिपेयर्ड फॉर वर्स्ट का उल्लेख करते हुए कहा कि अच्छे के बारे में सोचें, लेकिन बुरी परिस्थितियों की तैयारी भी रखें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना महामारी मानवता के खिलाफ लड़ाई है। यह सभी की सामूहिक लड़ाई है, जिसमें पक्ष, विपक्ष, मीडिया, आम जनता आदि सभी योगदान दें। सभी सकारात्मक सोच के साथ काम करें। जो हो रहा है उसमें अपना योगदान दें और जो किया जा सकता है उसके लिए अपने सुझाव दें। हम उन सुझावों पर काम करेंगे।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रदेश में कोरोना के मरीजों के लिए 19 हजार बेड की व्यवस्था हो गई है। मुख्यमंत्री ने सहयोग देने वाली संस्थाओं का आभार भी जताया। मुख्यमंत्री ने बताया कि कोरोना के मरीजों के इलाज के लिए इंफ्रास्ट्रक्चर बढ़ाने में संस्थाएं और एनजीओ आगे आ रही हैं। कई स्थानों से संस्थाओं की ओर से सरकार को कोविड केयर सेंटर तथा अन्य सहयोग के लिए ऑफर आ रही हैं। उन्होंने कहा कि ये सभी संस्थाएं समर्पण भाव से काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोविड मरीजों के लिए विभिन्न अस्पतालों में ऑक्सीजन, वेटिलेटर और आईसीयू सहित 17500 बेड की व्यवस्था थी, जिसमें रविवार को हिसार, पानीपत तथा गुरुग्राम के कोविड केयर सेंटरों को मिलाकर 1500 अतिरिक्त बेड जुड़ गए हैं।

एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में भी कोरोना फैलना शुरू हो गया है जिसके लिए गांवो में घर-घर जांच के लिए टीमें गठित की गई हैं। ये कार्य कल से शुरू हो चुका है। ये टीमें प्रारंभिक जांच करेंगी और कम लक्षणों वाले मरीजों को घर में या आइसोलेशन सेंटर में रखा जाएगा। मॉडरेट अर्थात मध्यम दर्जे के मरीजों का सीएचसी, डिस्पेंसरी और पीएचसी में ईलाज किया जाएगा। गंभीर रूप से बीमार व्यक्तियों को बड़े अस्पतालों में भेजा जाएगा। उन्होंने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में एक हजार आइसोलेशन सेंटर बनाए गए हैं। इस प्रकार के 8 हजार टीमें बनाने की योजना है।

ब्लैक फंगस के इलाज को चार मेडिकल कॉलेजों में व्यवस्था

मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में पिछले तीन-चार दिन से ब्लैक फंगस नामक बीमारी के केस सामने आए हैं। अब तक इसके 70 केस रिपोर्ट हो चुके हैं और इनके ईलाज के लिए प्रदेश के चार मेडिकल कॉलेजों में व्यवस्था की गई है। ये कॉलेज हैं एसजीटी मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल बुढ़ेड़ा (गुरुग्राम), महाराजा अग्रसेन मेडिकल कॉलेज अग्रोहा (हिसार), पंडित भगवत दयाल पीजीआईएमएस रोहतक और करनाल का कल्पना चावला मेडिकल कॉलेज। मुख्यमंत्री ने बताया कि केन्द्र सरकार से इस बीमारी के उपचार के बारे में बात की गई है। इसके लिए भी बोर्ड बनेगा और दवा दी जाएगी। तीसरी लहर में बच्चों के ज्यादा प्रभावित होने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि विशेषज्ञों ने बच्चों वाले वैक्सीन का ट्रायल शुरू कर दिया है। उन्होंने कहा कि चरणबद्ध तरीके से सभी को टीके लगाए जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

गांव मंडावर गुरुग्राम में विराजे भगवान परशुराम

गुरुग्राम। गांव मंडावर जिला गुरूग्राम के मंदिर में भगवान परशुरामजी व भगवान दत्तात्रेय की प्राण प्रतिष्ठा कर स्थापित किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करने पहुंचे पं सुरेन्द्र शर्मा बबली राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिल भारतीय ब्राह्मण सभा वहां पहुंचने पर ग्रामीणों ने पंडित सुरेन्द्र शर्मा बबली का भव्य स्वागत किया। इस अवसर पर पं सुरेन्द्र शर्मा बबली ने कहा मेरा परम सौभाग्य है, जो दो-दो भगवानों को वन्दन करने का मौका मिला। पं सुरेन्द्र शर्मा बबली ने कहा बड़े गर्व की बात है। इन करकमलों द्वारा 53 वां भगवान परशुरामजी का मंदिर है। आज बड़ी खुशी का दिन भगवान परशुराम जी के जयकारे पूरे देश व विदेश में लग रहे हैं। भगवान परशुराम चिरंजीवी अवतार है। इस अवसर उनके साथ वरिष्ठ पत्रकार पं. किशोर शर्मा, पं. अमीचंद, पं नवीन शर्मा, महन्त सोमाराम, पं नरेश नम्बरदार, पं देवेन्द्र शर्मा, पं धर्मेंद्र शर्मा, पं नरेश एडवोकेट सहित ग्रामीण उपस्थित रहे।

रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हुई बालिग लड़की

पलवल। गदपुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत से एक बालिग लड़की रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हो गई। पुलिस ने लड़की के पीड़ित पिता की शिकायत पर गुमशुदी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी रविंद्र के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी 20 वर्षीय बेटी 14 मई को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। जिसको काफी तलाश किया गया लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कृषि कानूनों से बर्बाद होगी सार्वजनिक वितरण प्रणाली: संतोख सिंह

गुरुग्राम। संयुक्त किसान मोर्चा गुरुग्राम के अध्यक्ष संतोख सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान योजना की 8वीं किश्त जारी करते हुए कहा कि भारत मे दुनिया की सबसे बड़ी सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत अनाज दिया जा रहा है। परन्तु सच यह है कि तीन कृषि कानूनों के लागू होने के बाद यह प्रणाली खतरे में पड़ जाएगी। संतोख सिंह का कहना है कि खेती सेक्टर में कॉरपोरेट के प्रवेश होने व आवश्यक वस्तुओं पर स्टॉक लिमिट हटाने के बाद पीडीएस सिस्टम भी बर्बाद हो जाएगा। देश की अधिकांश गरीब जनता भुखमरी का शिकार हो जायेगी। सरकार ने भारतीय खाद्य निगम का बजट पहले ही कम कर दिया है तथा सरकारी खरीद केंन्द्रों की संख्या भी कम कर दी है। तीन काले कानून लागू होने से सरकारी मंडिया बर्बाद हो जाएंगी तथा प्राइवेट मंडियों का देश में कब्जा हो जाएगा। आवश्यक वस्तु अधिनियम में संशोधन से स्टॉक लिमिट हटाने से बड़े पूंजीपति खाद्य पदार्थों की जमाखोरी करेंगे तथा मार्केट को अपने हिसाब से चलाएंगे। सरकारी खरीद न होने से किसान की एमएसपी अपने आप खत्म हो जाएगी तथा सार्वजनिक वितरण प्रणाली सिस्टम अपने आप ध्वस्त हो जाएगा। सार्वजनिक वितरण प्रणाली ध्वस्त होने से गरीब आदमी की आटा दाल स्कीम भी बंद हो जाएगी।

किसान सम्मान निधि योजना ऊंट के मुंह में जीरा जैसी: गोराया

निगदू। मोदी सरकार की किसान सम्मान निधि योजना मात्र एक राजनैतिक स्टंट है। जिसका प्रचार ज्यादा और लाभ ना के बराबर है। यह योजना किसानों का सम्मान नहीं अपमान है। ये कहना है तीन कृषि कानूनों के विरोध में जजपा जिलाध्यक्ष पद से इस्तीफा देने वाले इंद्रजीत सिंह गोराया का। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार लगातार किसान विरोधी फैसले कर रही है। जब देश का किसान अपनी फसल के रेट व पूंजीपतियों के शिकंजे से बचने के लिए एक लंबे आंदोलन के रूप में सड़कों पर बैठा है। ठीक इसी समय केन्द्र सरकार ने खाद के रेट 58 प्रतिशत तक बढ़ा कर किसानों को बहुत बड़ा झटका दे दिया है। इसी तरह डीजल, दवाइयां व कृषि उपयोग में आने वाली हर वस्तु का रेट लगातार बढ़ाए जा रहे हैं। जिस कारण किसान की लागत प्रति एकड़ 4 से 5 हजार बढ़ गई है, परंतु सरकार न्यूनतम समर्थन मूल्य को बढ़ाने की बजाए सिर्फ़ 500 रुपये की यह बेमानी योजना से किसानों का अपमान कर रही है। गोराया ने कहा कि अगर पांच एकड़ के किसान की बात करें तो बढ़े हुए रेटों के कारण उसकी लागत में 25 हज़ार रुपये की वृद्धि हुई है। सरकार उसे मात्र 6 हजार सलाना देकर किसान हितैषी होने का ढिंढोरा पीट रही है। उन्होंने पूछा कि यह कैसी किसान हितैषी सरकार है, जो किसान की जेब से 25 हजार जबरन निकाले जा रही है। उसका कहीं जिक्र तक नहीं करते। सरकार मेरी फसल मेरा ब्यौरा व ई ट्रेडिंग जैसी योजनाएं थोपकर किसानों को परेशान करने का काम कर रही है। जिससे आढ़ती व किसान का रिश्ता भी ख़राब हो रहा है। यह सरकार चंद पूंजीपतियों के हित साधने के लिए एक कठपुतली की तरह काम कर रही है। जिसका उदाहरण तीन काले कृषि कानून हैं। जिन्हें रद् करवाने को ले कर किसान पिछले छह माह से घरों से बेघर होकर दिल्ली के बॉर्डरों पर आंदोलन कर रहे हैं। मगर सरकार कुम्भकर्णी नींद में सो रही है। गोराया ने कहा प्रधानमंत्री टेलीविजन पर बैठ कर किसान सम्मान निधि योजना से किसानों से मजाक व देशवासियों को गुमराह कर मात्र राजनीति हित साधने में लगे हैं।

विधायक दीपक मंगला के अनुभव से संगठन होगा मजबूत: नवीन गोयल

दीपक मंगला। गार्गी कक्कड़। नवीन गोयल।

गुरुग्राम के प्रभारी बनाए गए हैं पलवल के विधायक दीपक मंगला

जिला अध्यक्षा गार्गी कक्कड़ ने भी जिला को किया मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

भारतीय जनता पार्टी हरियाणा की ओर से पलवल के विधायक दीपक मंगला को गुरुग्राम जिला प्रभारी बनाए जाने पर भाजपा युवा नेता नवीन गोयल ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि उनकी इस नियुक्ति से संगठन और मजबूत होगा। सक्रिय राजनीति में उनका काफी अनुभव भी है। वहीं जिला अध्यक्षा गार्गी कक्कड़ द्वारा भी संगठन को बेहतरी से चलाया जा रहा है। नवीन गोयल ने कहा कि विधायक दीपक मंगला मुख्यमंत्री मनोहर लाल के राजनीतिक सलाहकार रहे चुके हैं। फिलहाल प्रदेश कोषाध्यक्ष भी हैं। विधायक दीपक मंगला की संगठन के प्रति गहरी सोच और सकारात्मक कार्यों को देखते हुए अब पार्टी ने उन्हें गुरुग्राम के प्रभारी बनाकर उनका कद बढ़ाया है।

गुरुग्राम हर तरह से प्रदेश ही नहीं देश का महत्वपूर्ण जिला है। यहां पर उनकी नियुक्ति राजनीतिक रूप से संगठन को मजबूती देगी, वहीं अन्य कार्यों में भी उनका मार्गदर्शन मिलेगा। नवीन गोयल ने कहा कि वैसे तो संगठन कोरोना महामारी काल में पार्टी की जिला अध्यक्षा गार्गी कक्कड़ के मार्गदर्शन में लगातार जमीनी स्तर पर काम कर ही रहा है। वे कार्यकर्ताओं के साथ इस महामारी में निरंतर जनसेवा में लगी हैं। चाहे रक्तदान हो या प्लाज्मा दान, कोरोना के मरीजों को बेड दिलवाना आदि कार्य करते हुए संगठन के कार्यकर्ता दिन-रात लोगों की सेवा में जुटे हैं। संगठन की ओर से कोविड रसोई के माध्यम से अस्पतालों में भर्ती कोरोना मरीजों को मुफ्त खाना देने की पहल भी की गई है। अपने आप में यह सकारात्मक पहल है। इस कार्य में पार्टी का हर कार्यकर्ता मिलकर मरीजों की सेवा में जुट गया है।

आठ बेड के कोविड सेंटर का डीसी ने किया उद्घाटन

मैप्सको कासा बेला सोसायटी की पहल पर शुरू हुआ सेंटर

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम के सेक्टर-82 स्थित मैप्सको कासा बेला सोसायटी में कोविड सेंटर का उद्घाटन करते जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग।

सेक्टर-82 स्थित मैप्सको के कासा बेला कॉन्डोमिनियम एसोसिएशन की पहल से तैयार किए गए आठ बेड के कोविड सेंटर का रविवार को जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग ने उद्घाटन किया। इस अवसर पर सीबीसीए (कासा बेला कॉन्डोमिनियम एसोसिएशन) के सदस्य, कासा बेला कॉन्डोमिनियम एसोसिएशन के प्रेसिडेंट कमांडर सत्यवीर सिंह, मैप्सको स्टाफ और रेजिडेंट्स उपस्थित रहे।

मैप्सको कासा बेला के क्लब हाउस को अन्य सुविधाओं के साथ वाई-फाई, ब्रॉडबैंड, भोजन, जूस आदि सुविधाओं से पूरी तरह सुसज्जित करके 8 बेड वाले कोविड केयर सेंटर में बदला गया है। सेंटर में एक नर्स,एक अटेंडेंट और हाउसकीपिंग एक्जीक्यूटिव की तैनाती सहित थ्री लेयर मास्क, ऑक्सीजन, डॉक्टर कंसल्टेशन की सुविधाएं भी दी जा रही हैं। इसके अलावा सेंटर में अलग-अलग रेड जोन और ग्रीन जोन, डोनिंग और डफिंग एरिया और 24 घंटे/ 48 घंटे वेस्ट मैनेजमेंट सिस्टम मौजूद है। मैप्सको ग्रुप के डायरेक्टर राहुल सिंगला ने कहा कि यह पहल समाज को वापस देने और कोरोना वायरस रोगियों की कठिनाइयों को कम करने की हमारी प्रतिबद्धता के अनुरूप है।

एक नाबालिग समेत दो लड़कियों को अगवा के आरोप में चार नामजद

पलवल। अलग-अलग थाना क्षेत्र से एक बालिग व एक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने के मामले प्रकाश में आए हैं। पुलिस ने पीड़ित परिजनों की शिकायतों पर चार नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता संजय कादयान के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि उसकी 23 वर्षीय बेटी को गांव बहबलपुर (फरीदाबाद) निवासी यशपाल 30 अप्रैल को शादी का झांसा देकर अपने साथ भगा ले गया। इसी प्रकार एक पीड़ित ने सदर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि 16 वर्षीय बेटी को गांव फजलपुर निवासी युधिष्ठिर, मोहित व राजू ने मिलकर 14 मई को गांव से अगवा कर लिया। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सैनेटाइज अभियान से कोरोना संक्रमितों की संख्या में आई कमी

शहरी क्षेत्र में दो मशीनों से चलाया हुआ है सैनेटाइज अभियान

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

नगर परिषद के कर्मचारी वार्ड-13 की पहाड़ कॉलोनी में सैनेटाइज करते हुए।

नगर परिषद ने शहरी क्षेत्र में सैनेटाइज कराने की गति पहले से हुई तेज किया है। शहरी क्षेत्र में दो मशीनों से सैनेटाइज अभियान चलाया हुआ है। नगर परिषद विभाग ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में सेनेटाइज करने के अभियान में और ताकत झोंक दी है। परिषद की तरफ से एक दिन में तीन अलग-अलग टीमें सैनेटाइज का कार्य कर रही है। परिषद की टीम एक दिन में 5 से 6 कॉलोनियों को सैनेटाइज कर रही है। शनिवार को शहरी क्षेत्र के वार्ड-13, वार्ड-11 और अनाज मंडी व सब्जी मंडी परिसर को सेनेटाइज किया गया। जबकि रविवार को वार्ड-6 की हरीनगर कॉलोनी से सेनेटाइज करने के अभियान की शुरुआत की गई।

सैनेटाइज से संक्रमण का असर कम

नगर परिषद द्वारा सैनेटाइज करने के अभियान में जब से तेजी लाई गई है। परिषद की टीमें एक दिन में 5 से 6 कॉलोनियों को समेत सरकारी कार्यालय व नागरिक अस्पताल परिसर को सैनेटाइज किया जा रहा है। जिससे शहर में कोरोना का संक्रमण कम हुआ है। शनिवार को शहरी क्षेत्र में कोरोना संक्रमण का एक भी मामला नहीं आया है।

ऐसा कहते हैं अधिकारी

नगर परिषद के कार्यकारी अधिकारी संदीप मलिक ने बताया कि सैनेटाइज को प्राथमिकता के आधार पर चलाया हुआ है। जिसको लेकर तीन टीम एक दिन में सैनेटाइज करने का कार्य कर रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्र में बराबर सैनेटाइजेशन का कार्य चलता रहेगा।

बिना अवकाश कर रहे हैं काम

परिषद के सचिव सुमित कुमार ने बताया कि पिछले एक माह से नगर परिषद के कर्मचारी बिना अवकाश कार्य कर रहे हैं। चाहे वह सैनेटाइज करने का कार्य हो, कोरोना संक्रमितों की हुई मौत के बाद शव का अंतिम संस्कार का कार्य हो।

उपचाराधीन कोरोना संक्रमितों को मिलेगा सेवा रसोई से खाना: संजय सिंह

सोहना के नागरिक अस्पताल में विधायक संजय सिंह ने खाना वितरण कर की शुरुआत

पायनियर समाचार सेवा। सोहना

सोहना विधायक संजय सिंह नागरिक अस्पताल में दाखिल कोविड रोगियों को भाजपा की सेवा रसोई योजना के तहत दोपहर का भोजन वितरण करते हुए।

नागरिक अस्पताल के कोविड वार्ड में रोगियों का भाजपा सरकार की सेवा रसोई योजना के तहत खाना वितरण किया जाएगा। जिसकी शुरुआत सोहना विधायक ने रविवार को स्वयं दोपहर का खाना वितरण करके की।

प्रदेश के सभी नागरिक अस्पतालों में कोरोना संक्रमित का उपचार कराने वाले रोगियों को भोजन केन्द्र सरकार की सेवा रसोई योजना के तत्वावधान में मिलेगा। केन्द्र व राज्य की भाजपा सरकारों ने रविवार को सेवा रसोई योजना की शुरुआत की। सोहना के नागरिक अस्पताल में विधायक संजय सिंह ने कोविड वार्ड में दाखिल रोगियों को अपने हाथों से दोपहर का खाना वितरण करके शुरुआत की।

इस अवसर पर विधायक संजय सिंह ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भापजा पार्टी की तरफसे देश में कोरोना संक्रमित रोगियों के लिए खानपान की व्यवस्था की है। नागरिक अस्पतालों में कोरोना का उपचार कराने वालों को अब खाने की परेशानी नहीं आने दी जाएगी।

निजी कोष से विमला राघव ने मरीजों की दी चाय और खाना : विधायक ने बताया कि नागरिक अस्पताल में 23 अप्रैल से पार्टी की नेत्री बिमला राघव अपने निजी कोष से कोविड वार्ड में दाखिल रोगियों को दो वक्त की चाय व तीन समय का खाना पहुंचा रही थी। ऐसी पार्टी कार्यकर्ताओं ने मानवा सेवा में बिना किसी संकोच के सेवा की। विमला राघव ने मानवता का परिचय देते हुए पार्टी की गरिमा को सम्मान देने का काम किया है।

कोरोना संक्रमण में आई गिरावट : संजय सिंह ने कहा कोरोना संक्रमण में काफी गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा कि स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारियों लेकर डॉक्टरों ने इस महामारी काल में जिस दिलेरी से कार्य किया है। वह कार्य मानवता के साथ-साथ काबिले तारीफ है।

नागरिक अस्पताल में मिल रहा सबसे उत्तम उपचार : पिछले 15 दिन से सोहना के नागरिक अस्पताल में जिले के अंदर सबसे उत्तम उपचार कोविड रोगियों को मिल रहा है। डॉक्टरों से लेकर कर्मचारी भी कोरोना संक्रमित हुए हैं। जिसके चलते डॉक्टर और कर्मचारियों की कमी हुई थी।

गन प्वाइंट पर एक लड़की के साथ दुष्कर्म और दूसरी के साथ किया प्रयास

शिकायतों के आधार पर तीन नामजद और दो अन्य आरोपियों पर केस दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

अलग-अलग थाना क्षेत्र के अंतर्गत दो नाबालिग लड़कियों के साथ दरिंदगी के मामले प्रकाश में आए हैं। एक लड़की के साथ गन प्वाइंट पर दुष्कर्म किया, जबकि दूसरी लड़की के साथ दुष्कर्म का प्रयास किया गया। पुलिस ने दोनों ही मामलों में पीड़ितों की शिकायतों तीन नामजद व दो अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस प्रवक्ता संजय कादयान के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने चांदहट थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि 16 वर्षीय बेटी 14 मई की रात को घर से प्लाट पर खाना देने के लिए आई थी। खाना देकर वापस घर जाते समय गांव भूड़ निवासी खेमचंद उर्फ खेमी व उसके दो अन्य साथी उसे (बेटी को) गन का भय दिखाकर अपने घर ले गया। जहां पर खेमचंद ने पीड़ित की बेटी के साथ मारपीट कर दुष्कर्म किया। काफी देर तक पीड़ित की बेटी घर नहीं पहुंची तो खोजबीन शुरू की गई और पता चला कि उसे खेमचंद रास्ते से अपने घर ले गया है। पीड़िता पुत्र व भाई खेमचंद के घर पहुंचे तो वह अपने साथियों के साथ मौके से फरार हो गया। इसी प्रकार एक पीड़ित व्यक्ति ने शहर थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि 15 मई की सुबह वह अपनी पत्नी के साथ घर से मेहनत मजदूरी पर चला गया। घर पर पीड़ित की 12 वर्षीय बेटी व बुजुर्ग मां मौजूद थी।

उसी दौरान पड़ोस में रहने वाले नकुल व कपिल घर में घुस आए और पीड़ित की बेटी के गले पर चाकू रख दुष्कर्म करने का प्रयास किया। आरोपियों ने किसी को कुछ बताने पर पीड़ित की बेटी को जान से मारने की धमकी दी। बच्ची द्वारा शोर मचाने पर दोनों आरोपी उसे छोड़ मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

कोरोना काल में सुरक्षा समेत कई तरह से ड्यूटी दे रही गुरुग्राम पुलिस

निर्धारित ड्यूटी समय से अतिरिक्त ड्यूटी 24 घंटे सात दिन काम कर रही पुलिस

हेल्पडेस्क नंबर 9999999953 से कोई भी जन पा सकता है तुरंत सहायता

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

गुरुग्राम में बीच सड़क पर मजदूरों को खाना आवंटित करते पुलिसकर्मी।

कोरोना को लेकर गुरुग्राम पुलिस ने सक्रियता बढ़ा दी है। यहां पुलिस सुरक्षा के साथ-साथ खाना, ऑक्सीजन आदि आवंटित करने का भी काम कर रही है। नियमित रूप से डेली रूटीन की ड्यूटियों सहित अतिरिक्त विशेष ड्यूटियां व नाके लगाए गए तथा सभी ड्यूटी स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल की भी तैनाती की गई।

गुरुग्राम पुलिस द्वारा लगाई गई ड्यूटियों पर तैनात रहकर अपनी ड्यूटी करने वाले गुरुग्राम पुलिस के करीब 250 पुलिसकर्मी वर्तमान में कोरोना संक्रमित भी हो चुके हैं। उसके बाद भी वे गुरुग्राम पुलिस अपनी जिम्मेदारी को मुस्तैदी से निभा रही है। पुलिस कर्मचारी कोरोना को हराकर फिर से अपनी ड्यूटी पर वापस आकर पूरी ईमानदारी से ड्यूटियां कर रहे है। इन विकट परिस्थितियों में गुरुग्राम अपनी ड्यूटी के साथ निम्नलिखित प्रकार से अपने पास उपलब्ध संसाधनों का प्रयोग करते हुए आमजन व कोरोना संक्रमितों की सेवा तथा सहायता के लिए पुलिस 20 पीसीआर वाहनों को पुलिस एम्बुलेंस में तबदील किया गया। इन पुलिस एम्बुलेंस द्वारा आमजन/पीड़ित को नि:शुल्क एम्बुलेंस सेवा प्रदान कराई जा रही है। एक विशेष हेल्पलाइन/हेल्पडेस्क नंबर 9999999953 जारी किया गया। इस हेल्पडेस्क/हैल्पलाइन नंबर पर फोनकॉल, मैसेज, वाट्सएप मैसेज इत्यादि के माध्यम से कोई भी जन तुरंत सहायता या जानकारी प्राप्त कर सकता है। पुलिस द्वारा पीसीआर गाड़ियों में ऑक्सीजन की भी होम डिलीवरी की जा रही है।

मजदूरों को खिला रहे हैं खाना : लॉकडाउन के चलते दैनिक रूप से दिहाड़ी/मजदूरी करने वाले व कम्पनियों में मजदूरी करने वाले कर्मचारियों को रोजगार ना मिलने के कारण उन्हें रोजमर्रा के संसाधनों को जुटाने में बहुत परेशानियां हो रही है। गुरुग्राम पुलिस द्वारा जरूरतमंद लोगों की समस्याओं को मध्यनजर रखते हुए विभिन्न टीमों द्वारा भोजन की व्यवस्था करके भोजन उपलब्ध कराया गया व यह सहायता नियमित रूप से गुरुग्राम पुलिस की विभिन्न टीमों द्वारा दी जा रही है।

कोरोना महामारी : 15 दिन में 612 मौतें, आंकड़े में मात्र 120 मौत

कविता। फरीदाबाद

जिले में कोरोना के मामलों में रोजाना कमी दशाई जा रही है। वहीं राहत की बात यह बताई जा रही है कि जिले में कोरोना के रोगियों की संख्या घटनी शुरू हो गई है। पिछले नौ-दस दिनों से तेजी से मरीज ठीक हो रहे है। लेकिन वहीं दूसरी तरफ जिले में पिछले 15 दिनों में 612 मृतकों का अंतिम संस्कार नगर निगम द्वारा शहर के विभिन्न श्मशानघाटों में किया गया है। वहीं आंकड़ों में 15 दिनों में मात्र 120 मृतकों का ही आंकड़ा दर्शाया गया है। इससे साफ है कि जिले में कोरोना का कहर अभी भी जारी है,

अब तक आंकड़े के मुताबिक मात्र जिले में 628 मौतें

लेकिन आंकड़ों को छिपाया जा रहा है। जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से पूरे जिले में वर्ष 2020 से 15 मई 2021 तक मात्र 628 मृतक ही दर्शाए गए है। जबकि पिछले 15 दिनों में ही 612 पॉजिटिव मृतकों का अंतिम संस्कार किया गया है।

सीएम के आदेश की अवहेलना

पिछले दिनों सीएम मनोहर लाल खट्टर ने फरीदाबाद जिले के छायंसा

में स्थित श्री अटल बिहारी वाजपेयी मेडिकल कॉलेज में 100 बिस्तर का अस्पताल शुरू करने की घोषणा के दौरान भी सरकारी अधिकारियों को जिले में मरने वालों की संख्या स्पष्ट करने के आदेश जारी किए थे। लेकिन इसके बाद भी जिला स्वास्थ्य विभाग की तरफ से लगातार आंकड़ों को कम दर्शाया जा रहा है।

जब स्वास्थ्य अधिकारी आंकड़ों में ही छेड़छाड़ कर रहे हैं तो कैसे माना जाए कि जिले में ठीक होने वालों और पॉजिटिव का आंकड़ा भी ठीक होगा। समाजसेवी संस्थाओं का कहना है कि लोग कोरोना के कारण घरों में ठीक नहीं हो पा रहे है और अधिकारी पूर्ण व्यवस्था होने की बात कह रहे है। यह तो सीएम के आदेशों की भी अह्वेलना मृतकों के आंकड़े कम करके कर रहे है।

ये हैं वास्तविक आंकड़े

माह	मौत	विभागीय आंकड़े	माह	मौत	विभागीय आंकड़े
1 मई	50	5	9 मई	40	8
2 मई	50	7	10 मई	50	8
3 मई	44	4	11 मई	36	9
4 मई	52	9	12 मई	29	10
5 मई	42	8	13 मई	32	8
6 मई	50	9	14 मई	27	8
7 मई	39	8	15 मई	24	9
8 मई	47	10			

संक्षिप्त समाचार

गांव-गांव जाकर कोरोना के संबंध में जागरूक कर रही पुलिस

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह वैश्विक महामारी के दौर में लोगों को महामारी से बचाने के लिए फरीदाबाद पुलिस को रोजाना दिशा निर्देश जारी कर रहे हैं। हाल ही में उन्होंने फरीदाबाद पुलिस कर्मियों को दिशा-निर्देश जारी किए हैं कि गांव में जाकर गांव के लोगों को महामारी से बचाने के लिए जागरूक किया जाए क्योंकि गांव में अब भी कई घर ऐसे हैं। जिनमें ना तो टेलीविजन है इसके अलावा कुछ लोग पढ़े लिखे ना होने के कारण अखबार भी नहीं पढ़ सकते हैं। अक्सर ऐसा होता है कि लोगों को यह तो पता चल जाता है कि महामारी चल रही है लेकिन इससे कैसे बचा जाए इससे अनभिज्ञ रह जाते हैं। जिसके चलते फरीदाबाद पुलिस फरीदाबाद जिले के गांव-गांव जाकर लोगों को महामारी के प्रति जागरूक कर रही है। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह ने कहा कि गांव में नुक्कड़ चौराहे पर लोग इकट्ठा होकर आपस में बातचीत करते हैं कुछ दिनों के लिए लोगों को सामाजिक दूरी बनानी चाहिए और अपने घरों में रहना चाहिए। अक्सर देखा जाता है गांव में बैठक में बैठकर लोग इकट्ठा होकर हुक्का पीते हैं। वैश्विक महामारी के दौर में एक साथ हुक्का पीने से संक्रमण का खतरा रहता है। इसके चलते सभी लोगों को इस संबंध में जागरूक किया जा रहा है। सिंह ने कहा कि ग्राम वासियों को समझाया जा रहा है कि कुछ ही दिनों की बात है फिर सब कुछ पहले जैसा हो जाएगा। सकारात्मक ऊर्जा और आत्मविश्वास रखें। ऐसा भी सुनने को मिला है कि कुछ लोग गांव में मास्क लगाने में अपनी बेइज्जती महसूस करते हैं। जो मास्क नहीं लगाते हैं। वह अपने आप को बड़प्पन दिखाते हैं। महामारी के दौर को समझे मास्क का इस्तेमाल करें सामाजिक दूरी का पालन करें। साबुन से हाथ धोते रहें, घरों में साफ सफाई रखें।

गांवों के सरकारी स्कूलों में लगा दिए बिस्तर

फरीदाबाद। गांव कावरा कलां और गांव लहंडौला के प्राइमरी स्कूल में पांच-पांच बेड डाले गए हैं। ऑक्सीजन की भी सुविधा शुरू की गई है। गांव लहंडौला के सरपंच अजीत और समाजसेवी सुरजीत अधाना ने बताया कि कुछ दिन पहले गांव में कई लोगों की मौत हो गई थी। इसके चलते हमने प्रशासन को मेल करके बेड की व्यवस्था शुरू करने की मांग की थी, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत मरीजों का इलाज शुरू किया जा सके। प्रशासन ने मांग को पूरा करते हुए पांच बेड डाल दिए हैं। ऐसे ही गांव कावरा कलां के स्कूल में भी पांच बेड लगाए गए हैं। गांव में रविवार को एक कोरोना संक्रमित को यहां भर्ती किया गया। सरपंच केशव भारद्वाज ने बताया कि गांव में कोरोना टेस्ट शिविर का आयोजन किया गया। 173 लोगों की जांच हुई। इनमें एक व्यक्ति संक्रमित मिला, जिसे बेड देकर इलाज शुरू कर दिया गया है। केशव के मुताबिक प्रशासन गांवों की तरफ विशेष ध्यान दे रहा है। पुलिस गांवें में जाकर ग्रामीणों को समझा रही है और गांवों में बाहर से आने वाले लोगों को रोकने के लिए पहरा भी शुरू किया गया है।

लॉकडाउन के नियम तोड़ने पर 391 लोगों को किया गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा-निर्देश पर कार्रवाई करते हुए फरीदाबाद पुलिस ने लॉकडाउन, महामारी अलर्ट का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई कर रही है। फरीदाबाद पुलिस ने हरियाणा सरकार के द्वारा लगाए गए लॉकडाउन, महामारी अलर्ट के दौरान उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कार्रवाई करते हुए अब तक 315 मुकदमे दर्ज किए हैं। पुलिस ने 391 को गिरफ्तार भी किया है। इनमें से सात मुकदमे दर्ज कर 10 लोगों को दवाई से संबंधित कालाबाजारी करने पर गिरफ्तार किया गया है। चार मुकदमे दर्ज कर चार लोगों को ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने पर गिरफ्तार किया गया है। फरीदाबाद पुलिस की जिला वासियों से अपील है कि बेवजह घर से बाहर ना निकले, घर से बाहर निकलने पर आप अपनी व अपने परिवार वालों की जान के लिए खतरा बन सकते हैं। कोरोनावायरस से संबंधित सरकार के द्वारा जारी किए गए नियमों की पालना करें, घरों में रहकर कोरोनावायरस के खतरे को कम करने में सरकार व पुलिस प्रशासन की मदद करें।

भाजपा की वर्चुअल बैठक में की जन सेवा के कार्यों की समीक्षा

फरीदाबाद। भारतीय जनता पार्टी जिला फरीदाबाद के अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने में जिला पदाधिकारियों, मंडल अध्यक्षों के साथ-साथ सभी विधायक और मेयर की एक वर्चुअल बैठक की। इस बैठक में बडखल विधायक सीमा त्रिखा, फरीदाबाद विधायक नरेंद्र गुप्ता, तिगांव विधायक राजेश नागर और बल्लभगढ़ से मंत्री मूलचन्द शर्मा के भाई टिपरचन्द शर्मा, वरिष्ठ भाजपा नेता सोहनपाल सिंह व फरीदाबाद नगर निगम महापौर सुमन बाला, वरिष्ठ उप महापौर मनमोहन गर्ग मुख्य रूप से उपस्थित रहे। बैठक के दौरान ज़िला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने फरीदाबाद जिले में कोरोना महामारी की रोकथाम के लिए किये जा रहे संगठन और प्रसाशनिक स्तर पर किये जा रहे कार्यों की समीक्षा की। गोपाल शर्मा ने सेवा में लगे भाजपा कार्यकर्ताओं से उनके द्वारा किए जा रहे जन सेवा के कार्यों की विस्तृत जानकारी ली और कार्यकर्ताओं को और अधिक उत्साह के साथ जनसेवा के अभियान में जुड़कर कार्य करने के लिए प्रेरित किया। ज़िला अध्यक्ष ने कहा की हमारे मंत्रियों, विधायकों और वरिष्ठ नेताओं के मार्गदर्शन में भारतीय जनता पार्टी के पार्षद, पदाधिकारी व कार्यकर्ता जन सेवा के कार्यों में जुटे हुए हैं और आपदा के इस कठिन दौर में जरूरतमंद लोगों को हरसंभव मदद पहुंचा रहे हैं। ज़िला अध्यक्ष गोपाल शर्मा ने बताया कि जनसेवा के कार्यों के लिए ज़िला और मंडल स्तर पर अलग अलग व्यवस्थाओं के लिए कार्यकर्ताओं को नियुक्त किया गया है। भोजन रसोई सेवा के लिए ज़िला उपाध्यक्ष पंकज रामपाल को जिला संयोजक नियुक्त किया गया है।

वैक्सीनेशन सेंटर में खाली बैठे कर्मचारी

वैक्सीन के लिए लोग धूप में घंटों इधर उधर घूमते आए नजर

कविता। फरीदाबाद

शेड्यूल मिलने पर पहुंचे युवा बंद वैक्सीनेशन सेंटर के बाहर खड़े।

बीके अस्पताल में खाली बैठे रहे कर्मी।

जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा केन्द्र सरकार के आदेशों की अवहेलना करते हुए दूसरी डोज 12 से 16 सप्ताह बाद लगाने के आदेश जिला स्वास्थ्य विभाग ने बीके अस्पताल में लागू कर दिया। जिससे स्वास्थ्य कर्मी पूरे दिन खाली बैठे नजर आए। उनका कहना था कि जिले में 12 से 16 सप्ताह वाले व्यक्तियों की संख्या न के बराबर है, ऐसे में यदि एक व्यक्ति भी वैक्सीन लगवाने आएगा, तो अकेले के लिए वह डोज नहीं खोल सकते है, जिस कारण वैक्सीन केन्द्र में वैक्सीन ही नहीं लगाई गई। वहीं दूसरी तरफ दोपहर बाद पोर्टल पर समय लेने के बाद 18 प्लस कई लोग डिस्पेंसरी पहुंचे तो वहां ताला लगा मिला।

पहली डोज नहीं

जहां पहले 100 व्यक्तियों को रोजाना पहली डोज लगाई जा रही थी। अब 45 प्लस वालों को पहली डोज लगानी भी बीके सिविल अस्पताल में बंद कर दी गई है। केन्द्र सरकार ने 12 मई के बाद पहली डोज लगाने वालों के लिए दूसरी डोज 12 से 16 सप्ताह के बीच लगाने के आदेश दिये थे, लेकिन जिला स्वास्थ्य विभाग ने यह नियम पहले डोज ले चुके लोगों पर भी लागू कर दिया है। स्वास्थ्य विभाग के इस तुगलकी फरमान से लोगों को लौटना पड़ रहा है।

प्रथम तो लगाएं

समाजसेवी जगजीत कौर पन्नू ने कहा कि सैकेंड डोज का समय तो 12 से 16 सप्ताह का है लेकिन स्वास्थ्य विभाग को पहली डोज तो लोगों को लगानी चाहिए। वेक्सीनेशन में जुटे कर्मचारियों को खाली बैठाने से बेहतर है, उन्हें पहली डोज लगवाने का काम दिया जाए।

वैक्सीनेशन सेंटर मिला बंद

नहरपार निवासी 18 प्लस दो युवाओं ने बताया कि उन्होंने पोर्टल पर बुकिंग कराने पर उन्हें एनएच-एक स्थित ईएसआई की डिस्पेंसरी नम्बर चार का समय मिला। डिस्पेंसरी पहुंचाने पर वहां ताला लटका हुआ मिला। डिस्पेंसरी के बाहर आवारा पशुओं का जमावड़ा था। पीड़ितों ने इसकी सूचना पायनियर को दी। पायनियर ने डिस्पेंसरी इंचार्ज डॉ. अनीता वर्मा से बात की तो उन्होंने बताया कि आज अवकाश है। वेक्सीन के लिए भटक रहे युवाओं के बारे में बताने पर उन्होंने बताया कि उन्हें कोई सूचना नहीं दी गई है, अब उन्हें दौबारा समय लेना पड़ेगा। परेशान युवाओं ने मंत्री और डीसी को ट्यूटर के माध्यम से शिकायत देने का निर्णय लिया है।

केंद्रीय मंत्री ने कोरोना में जनता की सुविधा के लिए लांच की वेबसाइट

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

केंद्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि कोरोना आज हमारे सामने सबसे बड़ी आपदा बन के खड़ी है। आपदा की इस घड़ी में लोगों को तुरंत सहायता कैसे मुहैया कराएं इसके लिए सरकार व जिला प्रशासन दिन-रात कार्य कर रहा है।

लोगों की मदद के लिए ही जिला प्रशासन द्वारा (कोविडफरीदाबादडॉटकॉम) वेबसाइट में मोबाईल ऐप लॉन्च किया गया है। उन्होंने कहा कि इस वेबसाइट व मोबाइल ऐप पर फरीदाबाद की जनता को कोविड-19 से संबंधित प्रत्येक सूचना उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि कोविड-19 आपदा की दूसरी लहर में जिला प्रशासन ने लगातार कार्य किया है। इसमें लोगों को चिकित्सा सुविधा टेस्टिंग ,ऑक्सीजन सिलेंडर डॉक्टरी सलाह सहित अनेकों ऐसी व्यवस्थाएं हैं जिनके लिए दिक्कत का सामना करना पड़ता था। उन्होंने कहा कि अब जिला प्रशासन ने यह वेबसाइट लॉन्च की है इसके माध्यम से कोई भी व्यक्ति कोविड-19 आपदा के दौरान होने वाली किसी भी परेशानी व सहायता के लिए लॉगईन कर सकता है।

उन्होंने कहा कि इसका एक मोबाइल ऐप भी लॉन्च किया गया है जिसे प्रत्येक व्यक्ति अपने मोबाइल में अपलोड कर इन सुविधाओं का प्राप्त कर सकता है। इस दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने बटन दबा कर किया पहचान एनजीओ द्वारा जिला प्रशासन के सहयोग से बनाई गई कोविडफरीदाबादडॉटकॉम वेबसाइट और एप को लांच किया ।

उपायुक्त ने आवश्यक वस्तुओं के रेट किए निर्धारित

फरीदाबाद। जिलाधीश यशपाल ने जिले में कोविड-19 के कारण लॉकडाउन अवधि के दौरान आवश्यक वस्तुओं की कालाबाजारी को रोकने के लिए आवश्यक खाद्य पदार्थों के रेट निर्धारित करने के आदेश जारी किए हैं । उपायुक्त यशपाल के निर्देशानुसार जिला खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले नियंत्रक के माध्यम से जारी की गई रेट लिस्ट के अनुसार थोक में क्विंटल तथा फुटकर में किलोग्राम व लीटर के अनुसार दाम तय किए गए है।

जिनमें थोक में चावल परमल 2900 रुपए क्विंटल व 34 रुपए किलो ,गेहूं पीबीडब्ल्यू-343 किस्म 1850 रुपए क्विंटल व फुटकर में 20 रुपए किलो, गेहूं का आटा खुला हुआ 2200 रुपये क्विंटल व फुटकर में 24 रुपए किलो, चने की दाल 7200 रुपए क्विंटल व फुटकर में 80 रुपए किलो, मूंग साबुत 10700 व 110, उर्द की दाल 501/ 44 ब्रांड 9600 रुपए क्विंटल व 110 रुपए किलो, अरहर की दाल किंग ब्रांड 10000 रुपए क्विंटल व 115 रुपए किलो , मसूर साबुत खजाना 8200 रुपए क्विंटल व 85 रुपए किलो, चीनी एम-30 किस्म 3750 रुपए क्विंटल व 40 रुपए किलो, मूंगफली तेल गिनी 15 लीटर 2750 रुपए व 1 लीटर 185 रुपए, सोयाबीन तेल गिनी 15 लीटर 2300 रुपए व 1 लीटर 160 रुपए, सरसों का तेल शहनाई 15 लीटर 2280 रुपए व एक लीटर 166 रुपए,सूरजमुखी का तेल फॉर्चून 15 लीटर 2700 रुपए व 1 लीटर 185 रुपए , वनस्पति घी गगन 15 लीटर 2000 रुपए व 1 लीटर 135 रुपए , पाम आयल गिनी 15 किलोग्राम 2000 रुपए व 1 लीटर 135, चाय की पत्ती खुली 2000 व 250, आलू लोकल 800 रुपए क्विंटल व 15 रुपए प्रति किलोग्राम, टमाटर देसी 800 व 15, प्याज लोकल 1600 व 20, नमक आयोडीनयुक्त टाटा 1800 व 20, गुड देसी 3300 व 40 तथा दूध वीटा 5600 व 57 की दर से तय किया गया है। यदि कोई दुकानदार उक्त आदेशों की अवहेलना करता हुआ पाया जाता है तो उसके विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम-1955 के तहत कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।यदि कोई दुकानदार उपभोक्ता से उपरोक्त दरों से अधिक रेट लेता है तो इस संबंध में श्री भारत भूषण सहायक खाद्य एवं पूर्ति अधिकारी फरीदाबाद मोबाइल नंबर 79 88 36 2882 को तथा वजन कम या ज्यादा लेने वाले निरीक्षक श्री राजवीर विधिक माप विज्ञान फरीदाबाद मोबाइल नंबर 98122 70124 पर संपर्क करके अपनी शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है।

अब घर के निकट मिलेंगे ऑक्सीजन वाले बिस्तर :डीसी

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

उपायुक्त यशपाल ने कहा कि जिला में जिस व्यक्ति को ऑक्सीजन बैड की जरूरत हो वह अपने नजदीकी स्वास्थ्य चिकित्सा केंद्र के चिकित्सा अधिकारी से संपर्क करके सेक्टर -3 के कम्युनिटी सेंटर, खेड़ी कलां सीएचसी, कुराली सीएचसी,पाली सीएचसी, तिगांव सीएचसी व कोमिनीटी सेंटर संजय कॉलोनी में जरूरत के अनुसार ऑक्सीजन के लिए बेड ले सकता है।

उपायुक्त यशपाल ने बताया कि वैश्विक महामारी कोविड-19 के कोराना सक्रमण के बचाव के लिए वैक्सीन लगाने का कार्य भी 49 सरकारी अस्पतालों में निरन्तर चल रहा है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि जिन लोगों ने कोराना बचाव का वैक्सीन नहीं लगवाया है वे अपने नजदीक सरकारी अस्पताल में जाकर यह वैक्सीन अवश्य लगवाए। यह वैक्सीन कोराना के संक्रमण के बचाव में कारगर साबित हो रही है। कोविड टीकाकरण के लिए सरकार द्वारा एसओपी जारी किए गए हैं। उन्होंने बताया कि जिला में 18 से 44 वर्ष की आयु के लाभार्थियों को कोविड -19 के संक्रमण के बचाव के लिए टीकाकरण केंद्र पर नियुक्ति संदेश प्राप्त करने के बाद मोबाइल नंबर पर लाभार्थी को कोविड -19 टीकाकरण जानकारी मिलेगी। कोविड वैक्सीन केंद्र पर आनलाइन जानकारी दिखाने के बाद वैक्सीन लगाया जाएगा। उन्होंने बताया कि 18 से 45 वर्ष से अधिक आयु के लाभार्थी किसी भी सरकारी स्वास्थ्य पर कोविड-19 का वैक्सीनेशन करवा सकते हैं।

आईडी प्रूफ दिखाने के बाद स्पॉट रजिस्ट्रेशन वाली संस्था आधार कार्ड / पैनकार्ड / ड्राइविंग लाइसेंस / पासपोर्ट आदि मे से कोई एक आईडी वैक्सीन लगवाने वाले लाभार्थी को देनी होगी। सीएमओ डा. रणदीप पुनिया ने जानकारी देते हुए बताया कि जिन लोगों को पहली कोविड-19 के बचाव के लिए वैक्सीन लग चुकी है वह दूसरे डोज की वैक्सीन बीके जिला नागरिक अस्पताल, ई.एस.आई. मेडिकल कॉलेज एनएच -3 फरीदाबाद और पीपीसी ईएसआई मेडिकल कॉलेज एनएच -3 फरीदाबाद मे प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक लगाए जा रहे हैं। इसी प्रकार एसडीएच बल्लभगढ़, सीएचसी कुराली, सीएचसी खेड़ी कलां, पीएचसी पनेहरा खुर्द, पीएचसी मोहना, पीएचसी दयालपुर, पीएचसी छांयसा, पीएचसी अनंगपुर, पीएचसी पल्ला, पीएचसी पाली, पीएचसी धौज, पीएचसी फतेहपुर बिलोच, पीएचसी सीकरी, एफआरयू-1सैक्टर-30 फरीदाबाद, एफआरयू -2 सैक्टर-3 बल्लभगढ़, यूएचसी एसजीएम नगर , यूएचसी मुजेसर , यूएचसी संजय कॉलोनी,यूएचसी सेहतपुर, यूपीएचसी एसी नगर, यूपीएचसी आदर्श नगर, यूपीएचसी एत्मादपुर, यूपीएचसी भारत कॉलोनी, यूपीएचसी भीम बस्ती, यूपीएचसी डबुआ कॉलोनी, यूपीएचसी हरि विहार, यूपीएचसी मेवाला महाराजपुर, यूपीएचसी नंगला एनक्लेव, यूपीएचसी प्रतापगढ़, यूपीएचसी राजीव कॉलोनी, यूपीएचसी सुभाष कॉलोनी, सीडी सूरजकुंड, ईएसआई - 1 सेक्टर -27 बी फरीदाबाद , ईएसआई -2 सेक्टर -19 फरीदाबाद, ईएसआई -3, एनआईटी -5 फरीदाबाद, ईएसआई -4 एनआईटी - 1, ईएसआई -5 एनआईटी -2, ईएसआई -6 में कोविड-19 वैश्विक महामारी कोराना के बचाव के लिए वैक्सीन प्रात: 10 बजे से सायं 4 बजे तक लगाए जा रहे हैं। जिला फरीदाबाद में 18 से 44 साल की आयु के लोगों को कोविड-19 के संक्रमण से बचाव के लिए वैक्सीनेशन के लिए कोविन ऐप पर अपना रजिस्ट्रेशन कराने के साथ-साथ बुकिंग भी करवानी होगी।

खाम्बी में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र की आवश्यकता

पलवल। जिले के प्रमुख गांव खाम्बी में वर्षों पूर्व बनाया गया औषधालय ठप पड़ा हुआ है। यहां पर नियमित रूप से ना कोई डॉक्टर आता है और ना ही कोई दवाइयां मिलती हैं। खाम्बी में स्थापित बीवीएन सीनियर सेकेंडरी स्कूल के चेयरमेन मोहनश्याम शर्मा के अनुसार खाम्बी में सरकार द्वारा संचालित चिकित्सा सेवाएं नगण्य हैं यह सरकार की बेरुखी को दर्शाता है।

खाम्बी की सरपंच हेमलता शर्मा के पति हरिदत्त शर्मा ने बताया कि कुछ समय पहले हरियाणा सरकार द्वारा गांवों में प्राथमिक चिकित्सा केंद्र बनाने के वायदे किए गए थे, किंतु धरातल पर अभी कुछ सुविधा प्रदान नहीं की गई है। प्राथमिक चिकित्सा केंद्र बनाने के लिए वैकल्पिक तौर पंचायत ने किराए का भवन भी चिन्हित किया हुआ है। किंतु जिला पलवल स्वास्थ्य विभाग की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है। खाम्बी के प्रमुख समाजसेवी युगल किशोर शर्मा, रामेश्वर दयाल शर्मा (स्वास्थ्य निरीक्षक, दिल्ली नगर निगम), टेकचंद शर्मा एडवोकेट (बंगाली मोहल्ला), रमन देव शर्मा, गिरीश शर्मा, चंद्रभान शर्मा आदि ने जिला प्रशासन से मांग की है कि ग्रामीण अंचलों में कोरोना वायरस के बढ़ते केसों के मद्देनजर प्राथमिक चिकित्सा केंद्र यथाशीघ्र चालू किया जाना अति आवश्यक है।

गर्भाशय में भ्रूण की जान बचाई, जिले में पहला इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

गर्भस्थ शिशु को मां के पेट से खून चढ़ाकर नई जिन्दगी देने की सफल चिकित्सा सेक्टर-16 स्थित क्यू.आर.जी हेल्थ सिटी अस्पताल में की गई है। डॉ. श्रेयसी शर्मा, फीटल मेडिसिन स्पेशलिस्ट, क्यूआरजी हेल्थ सिटी अस्पताल ने बताया कि हाल ही में हमारे पास गुड़गांव से नेहा (बदला हुआ नाम) की 32 वर्षीय एक गर्भवती महिला को भ्रूण की जांच के लिए लाया गया। अल्ट्रासाउंड जांच करने पर पता चला कि यह महिला 28 हफ्ते की गर्भवती है और उसके गर्भ में पल रहा बच्चा एनीमिया नामक गंभीर समस्या से जूझ रहा है और खून की कमी के कारण बच्चे की जान को लगातार खतरा बढ़ रहा है।

इस स्थिति को देखते हुए इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन प्रोसीजर किया गया जिसमें अल्ट्रासाउंड की मदद से सूई के जरिये गर्भाशय में ही भ्रूण को गर्भनाल के माध्यम से रक्त चढ़ाया गया। इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन के बाद महिला और उसका गर्भस्थ बच्चा दोनों स्वस्थ हैं। फरीदाबाद शहर में पहली बार इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन प्रोसीजर किया गया है।

डॉ. श्रेयसी शर्मा ने आगे बताया कि यह केस काफी चुनौतीपूर्ण था क्योंकि पहले तो पेट के अन्दर जाना और फिर बेबी की सही स्थिति के अनुसार गर्भनाल में सुई डालना और फिर वहां पर ब्लड ट्रांसफ्यूजन करना होता है। पूरा हिसाब लगाया जाता है कि कितना ब्लड देना है क्योंकि बेबी बहुत ही छोटा है। अगर कम ब्लड दे दिया तो भी परेशानी होती है और अगर ज्यादा खून दे दिया तो बेबी उसे सहन नहीं कर पाता है। बेबी पेट के अन्दर हलचल करता रहता है जिससे इस प्रक्रिया को करने में बहुत ज्यादा कठिनाई आती है। इस केस में इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन प्रोसीजर सफल रहा।

डॉ. श्रेयसी ने बताया कि गर्भावस्था में एक ऐसी स्थिति होती है कि अगर मां का ब्लड ग्रुप नेगेटिव होता है और बेबी का ब्लड

डॉ. श्रेयसी शर्मा।

ग्रुप पॉजिटिव होता है तो ऐसे में मां के ब्लड सेल्स उसे अपना नहीं समझते हैं। बच्चे के ब्लड सेल्स के विरुद्ध मां के अन्दर एंटी बॉडी बन जाते हैं तो फिर वो जाकर बेबी के ब्लड सेल्स को नुकसान पहुंचाते हैं जिससे बच्चे में एनीमिया (खून की कमी) हो जाता है।

यह एनीमिया अल्ट्रासाउंड में ब्लड की गति (वेलोसिटी) से देखा जाता है। खून पतला होता है तो वह बहुत तेजी से बहता है। 28 सप्ताह की गर्भावस्था में एनीमिया होने के कारण बेबी के सर्वाइवल को लेकर चिंता बनी रहती है। इस स्थिति में अगर बेबी को ब्लड न चढ़ाया जाए तो पेट के अन्दर ही बेबी की जान जाने का खतरा बढ़ जाता है। अगर ऐसा नही किया जाता है तो भविष्य में होने वाले भ्रूण में ऐसी समस्या बहुत ही जल्दी समय से शुरू हो जाती हैं।

ऐसे में बच्चे को गर्भ के अन्दर ही ब्लड चढ़ाना होता है। भ्रूण में एनीमिया से सम्बंधित यह समस्या आमतौर पर दूसरी डिलीवरी के दौरान आती है। इस समस्या को आरएच-आइसो इम्युनाइज्ड कहते हैं। इसके उपचार के लिए इंट्रायूट्रिन ट्रांसफ्यूजन प्रोसीजर किया जाता है। गर्भवस्थ बच्चे का डिलीवरी होने तक नियमित रूप से फॉलोअप किया जाएगा। जरूरत पड़ी तो फिर से ब्लड ट्रांसफ्यूजन किया जाएगा। अब बेबी जब 34 या 37 सप्ताह से ऊपर का हो जाएगा तो फिर डिलीवरी की जाएगी तो परिणाम अच्छे आने की संभावना ज्यादा होगी।

लापरवाही: जिले में 1299 बच्चे मिड डे मील से वंचित

फरीदाबाद। 1299 बच्चों को जिला परियोजना समन्वयक समग्र शिक्षा डीपीसी के अधीन चल रहे आउट स्टेशन सेंटरों के कारण राशन न मिलने का मामला सामने आया है। इस बारे में सुप्रीम कोर्ट में हरियाणा सरकार को जानकारी देनी है।

शिक्षा विभाग में इस बात की चर्चा बनी हुई है। जानकारी के मुताबिक हरेक जिले में डीपीसी हरियाणा स्कूल शिक्षा परियोजना परिषद के तहत काम करते हैं। इनका काम 6 से 14 साल तक के उन बच्चों को शिक्षा के दायरे में लाना होता है, जिन्होंने कभी शिक्षा नहीं ली। इस काम के लिए हुमाना एंजीओ से सरकार ने अनुबंद किया हुआ है। यह संस्था सर्वे कर डीपीसी को रिपोर्ट देती है। इन बच्चों को पढ़ाने के लिए एजुकेशन वालंटियर नौ हजार रुपये प्रतिमाह वेतन पर रखे जाते हैं। सरकार इन बच्चों के लिए अच्छा खासा बजट देने के साथ-साथ जरूरी संसाधन भी उपलब्ध कराती है।

मकान मालिक ने बिना कोरोना जांच के नहीं रखने दिया सामान

जिले में रविवार को 23 का अंतिम संस्कार आंकड़े में 8 मौत

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिले में जहां एक तरफ कोरोना संक्रमित मरीजों की संख्या में कमी आ रही है। वहीं दूसरी तरफ तेजी से मरीजों के ठीक होने की बात प्रशासन द्वारा कही जा रही है। लेकिन आज भी लोग परेशान है। ऐसा ही बीके अस्पताल की प्रयोगशाला में रविवार को देखने को मिला।

जहां एक परिवार परेशान होकर जांच करवाने पहुंचा। पीड़ित गोपाल के परिजनों ने बताया कि उन्होंने कमरा किराये पर डबुआ में लिया है। सामान लेकर पहुंचे तो मकान मालिक ने अचानक कहा कि शिफ्ट होने से पहले कोरोना की जांच रिपोर्ट लेकर आओ। जबकि उनके परिवार के किसी को

कोई सिमट्म्स नहीं है। ऐसे में वह परेशान होकर बीके पहुंचे है और यहां से जांच करवाई है। परिजनों की सभी रिपोर्ट नेगेटिव आई है। इस परेशानी को देखते हुए प्रयोगशाला में तैनात कर्मचारियों ने पीड़ित परिजनों को तुरंत जांच करके रिपोर्ट दे दी। प्रयोगशाला के इंचार्ज सुनील ने कहा कि यह गलत तरीका है। मकान मालिक पहले ही जांच को बोलना चाहिए था।

रविवार की स्थिति

जिले में रविवार को 702 कोरोना संक्रमित नए मरीज सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 95422 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ जिले में 8 लोगों ने दम तोड़ दिया। जिससे जिले में मृतकों की संख्या का आंकड़ा विभाग की तरफ से कुल 636 दर्शाया गया। राहत की बात यह रही कि जिले में 1432 रोगियों ने कोरोना की जंग जीत ली। जिससे जिले का रिकवरी रेट 91 प्रतिशत पर पहुंच गया।

वही जिले में फिलहाल एक्टिव मामले 7932 बचे है। जिसमें होम हाईसोलेट 6205 और अस्पतालों में 1727 मरीज भर्ती है। वहीं जिले में 23 मृतकों का अंतिम संस्कार निगम की टीमों ने शहर के विभिन्न श्मशानघाटों में किया। जिसमें 15 जिले के और शेष 8 अन्य शहरों के मृतक शामिल रहे।

ये हैं आंकड़े

अब तक कुल जांचे	: 770623
अब तक पॉजिटिव	: 95422
अब तक नेगेटिव	: 674476
रिपोर्ट आनी शेष	: 725
आक्सीजन पर है	: 857
वेन्टीलेटर पर है	: 86
जिले में एक्टिव	: 7932

टीकाकरण अभियान

सुधार की आवश्यकता

कोरोनावायरस संक्रमण से जनता को बचाने के लिए हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करना महत्वपूर्ण है, पर अभी इसमें काफी समय लगेगा और इसके पहले भारत को अपनी जनता की महामारी से सुरक्षा के लिए बहुत कुछ करना होगा। भारत में कोविड-19 टीकाकरण एक प्रकार से हवा में तैर रहा है। हालांकि, वायरस की तीसरी लहर से बचने के लिए लगभग एक अरब जनता का टीकाकरण कभी आसान काम नहीं है, पर टीकाकरण कार्यक्रम उस दिशा में तेजी से आगे नहीं बढ़ पा रहा है। निश्चित नहीं है कि यह कार्यक्रम टीकाकरण की व्यापक प्रकृति की दिशा में है अथवा टीकाकरण प्रबंधन योअना में बिखराव प्रदर्शित कर रहा है। तथ्य यह है कि वैश्विक महामारी को ज्यादा से ज्यादा इस साल के अंत तक नियंत्रित करना है। वैज्ञानिकों का विश्वास है कि भारत में हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करने के लिए जनसंख्या के कम से कम 70 प्रतिशत का टीकाकरण होना चाहिए। इसका अर्थ है कि यदि लगभग 94 करोड़ लोग वैक्सीन की दोनों खूराकें प्राप्त करें तो हर्ड इम्युनिटी मिल सकती है। इतने लोगों को दो खूराकें देने के लिए 188 करोड़ खूराकें चाहिए। यह बहुत कठिन काम है। यदि इस अनुमान से टीकाकरण को केवल एक खूराक तक सीमित कर दिया जाए कि कुछ लोगों को पूर्ण सुरक्षा न दे पाने के बजाय सबको आधी सुरक्षा देना बेहतर होगा तो भी 100 करोड़ खूराकों की जरूरत होगी। इस बारे में अनेक सवाल स्वाभाविक रूप से पैदा होते हैं। टीकों की इतनी खुराकें कहां से आएंगी? इनको प्राप्त करने में कितना

समय लगेगा? टीकाकरण प्रक्रिया पूरा करने में कितना समय लगेगा? आखिरकार यदि केवल एक खूराक दी जाती है तो देश के सामने दूसरी खूराक देने का सवाल बना रहेगा।

ध्यान रखें कि यह सब केवल 70 प्रतिशत जनसंख्या के टीकाकरण के लिए है। इसका अर्थ है कि लगभग एक तिहाई जनसंख्या बिना टीकों के रह जाएगी जिसमें ज्यादातर बच्चे होंगे जिनको अभी टीकाकरण के दायरे में लाया जाना है। सीरम इंस्टीट्यूट आफइंडिया ने कहा है कि वह जुलाई के बाद हर महीने 10 करोड़ खूराकें तैयार करने की स्थिति में होगा। अनुमान लगाया जा सकता है कि भारत बायोटेक भी जुलाई के बाद प्रति माह पांच से छ: करोड़ खूराकें तैयार कर सकेगा। जाइडस कैडिला व डा. रेड्डीज़ लैब प्रति माह तीन करोड़ खूराकें तैयार कर लेंगे। इससे प्रति माह खूराकों का कुल आंकड़ा अगस्त, 2021 तक 20 करोड़ प्रति माह तक पहुंच जाएगा। इस प्रकार दिसंबर तक टीकाकरण का काम पूरा करने के लिए लगभग 100 करोड़ खूराकों की अतिरिक्त जरूरत होगी। हालांकि, कुछ आधी अधूरी खबरों के अनुसार वास्तव में टीकाकरण का यह काम पूरा करने में दो से तीन साल का समय लगेगा। यदि यह मान लिया जाए कि यह लक्ष्य दिसंबर तक पूरा हो जाएगा तो 94 करोड़ जनसंख्या को एक प्रभावी खूराक या उनमें से आधे लोगों को दो खूराकें मिल जाएंगी। इसका नतीजा सबके सामने होगा। कुल मिला कर देखें तो इस प्रकार 2021 के अंत तक हर्ड इम्युनिटी प्राप्त करना लगभग असंभव होगा क्योंकि इसके लिए 188 करोड़ खूराकों की और जरूरत होगी। पांच महीनों में टीकाकरण की इस प्रक्रिया को पूरा करने के लिए राष्ट्रीय अभियान को अभूतपूर्व, संगठित व सुव्यवस्थित बनाना होगा। लेकिन सवाल है कि क्या केन्द्र इस दिशा में आगे बढ़ रहा है और इसकी योजना कहां है?

इस्राइल-हमास युद्ध की विभीषिका

पूर्वी यरुशलम से अवैध फिलीस्तीनियों को निकालने के लिए तेल अवीव के ठोस प्रयास और हमास के इजरायल और यहूदियों को नष्ट करने के निरंतर प्रयास शांतिपूर्ण समाधान पर पहुंचने में सबसे बड़ी बाधा हैं।

माखन सैकिया
(लेखक अंतराष्ट्रीय मामलों के विशेषज्ञ हैं)

गाजा एक बार फिर सुर्खियों में है। पूर्वी यरुशलम में, खून से सने सड़कें और सुलगते टायर इजरायली सुरक्षा बलों और हमास के बीच एक भीषण लड़ाई के संकेत हैं। 2014 में हुए 50-दिवसीय युद्ध के बाद से इस क्षेत्र में सबसे खराब हिंसा देखी जा रही है। आज, इज़राइल के लिए कड़वा सच यह है कि हमास, एक इस्लामी आतंकवादी समूह, संवेदनशील गाजा क्षेत्र को नियंत्रित करता है।

फ़िलिस्तीनी इज़रायली उपनिवेशवाद के अधीन रहते हैं। उनका डर यातना के अनुभव, अपमान की दैनिक लड़ाई, बुनियादी स्वतंत्रता से लगातार इनकार, जीवन की गरिमा की अनुपस्थिति, जीवन और श्रम, कारावास और अंत में अपंग और हत्या पर आधारित है। इसलिए यह बहुत स्वाभाविक है कि वहां पैदा होने वाले प्रत्येक फिलीस्तीनी में इजरायल के कब्जे के खिलाफ लड़ने की मूल प्रवृत्ति होगी। इजरायल और उसके सुरक्षा बलों के प्रति नफरत बढ़ रही है। और अगर आगे भी ऐसा ही चलता रहा तो युद्ध जैसी स्थिति रोज हो जाएगी।

महत्वपूर्ण मुद्दा यह है कि इजरायल क्या चाहता है? इस्राइल पूर्वी यरुशलम पर पूर्ण नियंत्रण चाहता है। वर्तमान संघर्ष शेख जर्राह के कब्जे वाले पूर्वी यरुशलम इलाके से फिलिस्तीनी परिवारों के जबरन निष्कासन के कारण उभरा है। कुछ सूत्रों का कहना है कि इन परिवारों के कब्जे वाली भूमि मूल रूप से यहूदी स्वामित्व में थी। लेकिन फिलीस्तीनी इसे यरुशलम से ज्यादा से ज्यादा फिलीस्तीनियों को विस्थापित करने की इजरायल की नीति के विस्तार के रूप में देखते हैं। अंतिम उद्देश्य शहर में बहुसंख्यक यहूदी पहचान को पुन: प्राप्त करना और बनाए रखना है। क्या फ़िलिस्तीन को कभी मनचाही आज़ाद ज़मीन मिलेगी? नहीं, कम से कम निकट भविष्य के लिए। यहां यह कहना होगा कि फिलिस्तीन के लिए संघर्ष और जेहाद जारी रहेगा। हमास जैसे इस्लामी प्रतिरोध आंदोलन, जिसका अर्थ है ताकत, इजरायल राज्य की पहचान को चुनौती देते रहेंगे। वास्तव में, हमास की वाचा जिसमें 36 लेख हैं, स्पष्ट रूप से इस बात पर प्रकाश डालता है कि समूह इस्लामी आंदोलन को कैसे आगे ले जाएगा। वाचा का अनुच्छेद 15 कहता है कि फिलिस्तीन की मुक्ति के लिए जेहाद एक व्यक्तिगत कर्तव्य है। इसमें कहा गया है, ''जिस दिन दुश्मन मुस्लिम भूमि का हिस्सा हड़प लेते हैं, जेहाद हर मुसलमान का व्यक्तिगत कर्तव्य बन जाता है। यहूदियों द्वारा फ़िलिस्तीन को हड़पने के विरोध में, यह अनिवार्य है कि जेहाद का झंडा फहराया जाए।'' ऐसा करने के लिए क्षेत्रीय, अरब और इस्लामी दोनों स्तरों पर जनता के बीच इस्लामी चेतना के प्रसार की आवश्यकता है। देश के दिल में जेहाद की भावना पैदा करना जरूरी है ताकि वे दुश्मनों का सामना कर सकें और लड़ाकों की कतार में शामिल हो सकें।

फिलिस्तीनियों ने दशकों से इजरायल के कब्जे और उपनिवेश का विरोध किया है। फिलीस्तीनी सड़क पर गुस्सा बढ़ गया है। लोग इस्राइल के खिलाफ विरोध का झंडा फहरा रहे हैं। उनका दावा है कि इजरायल जमीन से फिलिस्तीनी पहचान को मिटाने के लिए ठोस प्रयास कर रहा है।

अभी के लिए, तेल अवीव ने युद्धविराम के लिए किसी भी चर्चा को खारिज कर दिया है। यह आक्रामक जारी रखने की कसम खाता है। इज़राइल के प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू अपने गाजा हमलों को आगे बढ़ाने के पक्ष में हैं। उन्होंने कहा, ''एक स्थितिजन्य आकलन के निष्कर्ष पर, यह निर्णय लिया गया कि हमलों की ताकत और हमलों की आवृत्ति दोनों को बढ़ाया जाएगा।''

उन्होंने यह भी टिप्पणी की कि ''हमास और इस्लामिक जेहाद ने भुगतान किया ... और उनके जुझारूपन के लिए बहुत भारी कीमत चुकानी होगी ... उनका खून ज़ब्त है''। यह इंगित करता है कि इजरायल अपना आक्रमण जारी रखेगा। ऐसी संभावना है कि यह पश्चिम एशियाई क्षेत्र में दशक के लंबे संकट के दौरान आग में घी का काम करेगा।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतारेस के प्रवक्ता ने कहा कि वह गाजा में इस्राइली हवाई हमले और गाजा से दागे गए रॉकेटों से इस्राइली मारे जाने से बच्चों सहित बड़ी संख्या में हताहत होने से दुखी हैं। उन्होंने इजरायली सुरक्षा बलों द्वारा अधिकतम संयम बरतने का आह्वान किया। संयुक्त राष्ट्र ने चेतावनी दी है कि इस्राइल द्वारा पूर्वी यरुशलम से फिलीस्तीनी परिवारों का नियोजित निष्कासन युद्ध अपराध हो सकता है। लेकिन इसने इजरायली आबादी केंद्रों की ओर रॉकेट और मोर्टार के अंधाधुंध प्रक्षेपण के लिए हमास पर भी हमला किया।

इस बीच, अमेरिका ने इस्राइल और हमास के बीच जारी तनातनी पर संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की बैठक अगले सप्ताह के लिए स्थगित कर दी। चर्चा इस सप्ताह होनी थी, लेकिन अमेरिका कूटनीति के लिए जगह बनाने की कोशिश कर रहा है ताकि विवादित गाजा क्षेत्र में सबसे खराब स्थिति को टाला जा सके। इजरायल के प्रमुख सहयोगी अमेरिका ने कई मौकों पर पुष्टि की है कि इजरायल को अपनी रक्षा करने का पूरा अधिकार है क्योंकि गाजा के आतंकवादी समूहों ने उसके क्षेत्र में लगभग 1,750 रॉकेट दागे हैं। हालांकि, अमेरिकी विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने सभी अटकलों को खारिज कर दिया है कि वाशिंगटन महत्वपूर्ण वार्ता को पूरी तरह से टारपीडो करने की कोशिश कर रहा है। राष्ट्रपति जो बिडेन ने कहा, ''मैंने अब तक जो कुछ देखा है, उनमें से एक यह है कि कोई महत्वपूर्ण अतिरंजना नहीं हुई है।''

लगभग उसी समय, इजरायल गाजा में हवाई हमले कर रहा है, इमारतों को समतल कर रहा है जिससे दर्जनों लोग मारे गए हैं। बिडेन पहले ही हमास के रॉकेट हमलों के बीच इजरायल के आत्मरक्षा के अधिकार के बारे में बात कर चुके हैं, जिसमें दर्जनों लोग मारे गए हैं। इस प्रकार व्हाइट हाउस ने स्पष्ट किया कि यरूशलेम सह-अस्तित्व का स्थान होना चाहिए।

27 राष्ट्रों के एक समूह यूरोपीय संघ ने भी युद्ध के लिए हमास की आलोचना करते हुए कहा कि इजरायल पर फिलिस्तीनी रॉकेट हमले पूरी तरह से अस्वीकार्य थे। और यूरोपीय संघ ने सभी पक्षों से डी-एस्केलेशन का लक्ष्य रखने और अधिक नागरिक हताहतों को रोकने का आह्वान किया। उसी समय, यूरोपीय संघ की विदेश नीति के प्रमुख जोसेफ बोरेल ने पूर्वी यरुशलम में फिलिस्तीनी परिवारों को बेदखल करने की निंदा की। उन्होंने निष्कासन को अवैध बताते हुए कहा कि यह केवल तनाव को बढ़ाने का काम करता है। ब्रिटिश प्रधान मंत्री बोरिस जॉनसन ने अपने विचार को प्रसारित किया कि ''ब्रिटेन बढ़ती हिंसा और नागरिक हताहतों से बहुत चिंतित है और हम तनाव में तत्काल कमी देखना चाहते हैं।'' अरब लीग के प्रमुख अहमद अबुल घीत ने इजरायल के हवाई हमलों को अंधाधुंध और गैर जिम्मेदाराना बताया।

हालांकि, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई, जो कि इजरायल राज्य के एक प्रसिद्ध समर्थक हैं, ने कहा, ''ज़ायोनी बल की भाषा के अलावा कुछ भी नहीं समझते हैं, इसलिए फिलिस्तीनियों को अपनी शक्ति और प्रतिरोध बढ़ाना चाहिए ताकि अपराधियों को आत्मसमर्पण करने और उनके क्रूर कृत्यों को रोकने के लिए मजबूर किया जा सके।'' इस बीच इस्लामिक सहयोग संगठन के 57 सदस्यीय समूह ने पूर्वी यरुशलम में बिगड़ते सुरक्षा परिदृश्य पर चिंता व्यक्त की।

अब, जैसा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर संयम बरतने का आह्वान किया गया है, हमास और इज़राइल दोनों को यह समझना चाहिए कि वे केवल निर्दोष नागरिकों की हत्या कर रहे हैं। युद्ध भूमि की समस्या का समाधान नहीं है। मौजूदा संकट दोनों पक्षों के कट्टरपंथी तत्वों को अपने एजेंडे को आगे बढ़ाने का मौका दे रहा है।

सीमा पर नेतन्याहू सरकार द्वारा जमीनी सैनिकों की भारी तैनाती आने वाले दिनों में व्यापक हमले का संकेत देती है। गाजा के पास सशस्त्र बलों को ले जाने से आक्रमण और खूनी युद्ध की संभावना बढ़ जाती है। इजरायली रक्षा बल (इ्डब्ल्ल) इस समय सभी प्रकार की घटनाओं और तनाव को बढ़ाने की तैयारी कर रहा है। बलों की ऐसी तैनाती 2014 में ही हुई थी।

जैसा कि युद्ध जारी है, वैश्विक मीडिया रिपोर्ट करता है कि हमास द्वारा दागे गए अधिकांश रॉकेट इजरायल के आयरन डोम डिफेंस सिस्टम द्वारा अवरुद्ध किए जा रहे हैं। हालांकि, बेहतर रक्षा सर्किट से गुजरने वाले कुछ रॉकेटों ने इज़राइल की ओर से कुछ ही लोगों को मार डाला। दूसरी ओर, गाजा पर अपनी वायु सेना के माध्यम से इजरायल द्वारा शुरू किए गए हमले अधिक घातक हैं, अब तक 90 से अधिक लोगों की मौत की सूचना है। आयरन डोम को चुनिंदा रूप से रॉकेट हमलों से निपटने के लिए डिज़ाइन किया गया है। और यह प्रणाली उन दुश्मन रॉकेटों को भी रोकती है जो आबादी वाले क्षेत्रों में जाते हैं। आईडीएफ का दावा है कि आयरन डोम लगभग 90 प्रतिशत प्रभावी है। हालांकि, सूत्रों का कहना है कि एक उच्च संभावना अवरोध दर भी आबादी वाले क्षेत्रों को नष्ट करने के हमास के प्रयासों को पूरी तरह से अप्रभावी बना सकती है। यहां ध्यान देने वाली बात यह है कि आयरन डोम सिस्टम अमेरिकी वित्त से तैयार किया गया था। फिलिस्तीन के लिए अपनी संप्रभु पहचान स्थापित करने के लिए निरंतर संघर्ष इजरायल के लिए एक स्थायी अड़चन बन गया है। दूसरी ओर, इजरायल ने अपनी यथास्थिति बनाए रखने और आगे विस्तार करने और पूर्वी यरुशलम से अवैध फिलीस्तीनी कब्जेदारों (तेल अवीव के अनुसार) को बेदखल करने का प्रयास इस क्षेत्र में एक और अधिक युद्ध को बढ़ावा दिया। हमास चाहता है कि यहूदी मर जाएं और इसराइल राज्य को खत्म कर दिया जाए। उनके लिए, यह इज़राइल के बारे में नहीं है, लेकिन यह अंतत: यहूदियों के बारे में है।

स्वास्थ्यरक्षा नीति को प्रोत्साहन जरूरी

> जनता में व्याप्त असमानता के कारण महामारी से पैदा हुई मुसीबतों के दौरान गरीब लोग और ज्यादा संकट में पड़ गए हैं।

ईशानी शर्मा
(लेखिका लैंगिक न्याय एवं अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता हेतु कार्यरत हैं)

भारत में कोरोनावायरस जनित महामारी का व्यापक प्रसार होने से पहले अक्सर आर्थिक समृद्धि व स्वास्थ्यरक्षा विकास को एक दूसरे का पूरक समझा जाता था। कोविड वैश्विक महामारी के दौरान स्पष्ट प्रमाणों से यही पता चलता है कि दोनों के बीच खाई कम नहीं हुई है जिसका कारण विकृत किस्म का विकास है। होता यही आया है कि हर साल केंद्र और राज्य सरकारें अपना वार्षिक वित्त दस्तावेज रखते हुए कुछ क्षेत्रों या उनसे जुड़े क्षेत्रों को अत्यधिक प्राथमिकता देती हैं। इनमें बीमा क्षेत्र शामिल है जो हमारी चिकित्सा व स्वास्थ्यक्षेत्र नीतियों का लाभ उठाता है।

दु:ख की बात है कि स्वतंत्रता के बाद से स्वास्थ्यरक्षा विकास के लिए प्रतिशत आधारित वित्तीय आबंटन कभी कुल वित्तीय आबंटनों के दो प्रतिशत से अधिक नहीं रहा है। इसके परिणामस्वरूप कुछ क्षेत्रों में सामाजिक असमानता बढ़ी है तथा हमारी जनसंख्या के बहुसंख्य हिस्से को मूलभूत चिकित्सा आवश्यकताओं के लिए निजी अस्पतालों में भारी धनराशि खर्च करनी पड़ती है। इस असमानता से गरीब जनता की मानव संसाधन विकास के क्षेत्र में जोखिम बढ़ जाती है तथा उसे समानता के आधार पर राज्य से स्वास्थ्य लाभ नहीं मिल पाते हैं। बीमा कंपनियां इस स्थिति का अपनी इच्छानुसार लाभ उठाती हैं जिससे आर्थिक विकास विकृत होता है और हमारे देश के हजारों लोग अनुपयुक्त स्वास्थ्यरक्षा ढांचे का शिकार बनते हैं।

कोविड-19 महामारी ने अनचाहे ही हमारी अर्थव्यवस्था में वर्तमान ढांचागत कमियों को उजागर किया है जो मुख्यत: चिकित्सा और स्वास्थ्यरक्षा उद्योग में पाई जाती हैं। उपयुक्त ढांचे में कमी के कारण तथा सरकारी अस्पतालों में मानव संसाधनों के अत्यधिक अभाव के चलते अधिकांश स्वास्थ्यरक्षा योजनायें विफल हो रही हैं जिनमें गरीबों के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्यरक्षा हेतु निर्धारित आयुष्मान भारत योजना भी शामिल है। इनसे महामारी के समय जनता की वैध चिकित्सा मांगें पूरी नहीं हो रही हैं। एक प्रमुख अखबार में प्रकाशित एक रिपोर्ट के अनुसार आयुष्मान भारत योजना के केवल 10 प्रतिशत कार्ड धारकों को ही केन्द्र द्वारा प्रायोजित योजना का लाभ मिल पाता है। हमने देखा है कि देश में विद्यमान अधिकांश स्वास्थ्यरक्षा संस्थानों में गहन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू), वेंटीलेटर, आरटी-पीसीआर सुविधाओं, आक्सीजन सिलिंडरों, कार्डियक मानीटरों, एलेक्ट्रोकार्डियोग्राम, बिस्तरों, टीकों, अतिरिक्त दवाओं, परिवहन सुविधाओं, कर्मचारियों तथा सर्वाधिक महत्वपूर्ण रूप से डाक्टरों की भी कमी का सामना करना पड़ रहा है। जांच सुविधाओं व वैक्सीन की कमी के कारण ग्रामीण व सरकारी अस्पताल गरीब मरीजों को तत्काल इजाज के लिए सुदूर स्थानों पर जाने के लिए मजबूर करते हैं। इस समस्या का जन्म 1991 में उस समय हुआ था जब हमारे देश ने उदारीकरण, निजीकरण व वैश्वीकरण-एलपीजी नीतियां अपनाई थीं।

इसके बाद सरकारी क्षेत्र ने निजी क्षेत्र को स्वास्थ्यरक्षा उद्योग में प्रमुख भूमिका निभाने की अनुमति दी और राज्य धीरे-धीरे जनता को उपयुक्त स्वास्थ्य सुविधायें देने की अपनी जिम्मेदारी से मुंह मोड़ता चला गया।

इससे चिकित्सा सेवाओं में सार्वजनिक क्षेत्र कमजोर हुआ तथा इसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्यरक्षा लाभ प्राप्त करने के लिए निजी क्षेत्र पर निर्भरता बढ़ती गई। सरकार को यह समझने की आवश्यकता है कि निजी क्षेत्र मुनाफा कमाने को केन्द्र में रखता है तथा वह जमीनी स्तर पर जनता तक पहुंचने के प्रयास नहीं करेगा।

वर्तमान समय में देश के ग्रामीण क्षेत्रों में प्रति 1000 जनसंख्या पर केवल 0.6 डाक्टर हैं। चिकित्सा उद्योग के लाभ कमाने के दृष्टिकोण तथा स्वास्थ्यरक्षा सुविधाओं के लिए यूजर चार्ज ने जनता को भारी नुकसान पहुंचाया है।

अर्थव्यवस्था के अन्य क्षेत्रों तथा स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र के लिए बजटीय आबंटन में समानता और संतुलन बहुत महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय होना चाहिए। हमारे देश को हजारों लोगों को महामारी से बचाने के लिए फौरन इसकी आवश्यकता है। वर्तमान परिस्थिति में स्वास्थ्यरक्षा क्षेत्र के लिए उपयुक्त वित्तीय आबंटन की आवश्यकता से समझौता नहीं किया जा सकता है।

आप की बात

टीकों का अभाव

आज देश के हालात कोरोना की वजह से महफूज नहीं है और घंटों लाइन में लगकर भी लोग टीके का जुगाड़ नहीं कर पा रहे हैं। जैसे-जैसे महामारी का कहर जोर पकड़ता जा रहा है लाइन में लंबी होती जा रही है। 18 प्लस को टीकों की जब से घोषणा हुई है इसके लिए जद्दोजहद काफी तेज होती जा रही है। ऐसे में वैक्सीन की कमी अखरने वाली है। सरकार जब पर्याप्त टीको की व्यवस्था हो तभी टीकाकरण शुरू करें। फिलहाल दूसरे डोज वालों की ही सुध ले। एक समय था जब लोग टीके के नाम से डर रहे थे और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा जाकर समझाइश के बाद भी लोग केंद्रों पर नहीं पहुंचे लेकिन महामारी का जो तांडव चला उससे टीकाकरण केंद्रों पर अपार भीड़ उमड़ने लगी और देखते-देखते सारा स्टॉक खत्म हो गया। यहां सरकार का दावा है कि अभी सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के पास पर्याप्त स्टॉक है तो फिर राज्य सरकारे टीकाकरण में आनाकानी क्यों कर रही है? सरकार को लोगों को इस मामले में वस्तु स्थिति से अवगत कराना चाहिए वही जब तक पर्याप्त स्टाक ना हो नया टीकाकरण शुरू नहीं करना चाहिए। अब तक के स्टाक को देखते हुए 45 प्लस वालों को प्राथमिकता के साथ पहला या दूसरा डोज लगाया जाना चाहिए।

— **अमृतलाल मारू,** दसई, मप्र

सीमा सुरक्षा

भारत देश की लचर सीमा प्रबंधन और आंतरिक सुरक्षा व्यवस्था के कारण शत्रु देश द्वारा आतंकियों,मादक पदार्थो,नकली मुद्राओं और हथियारों को पंजाब और जम्मू कश्मीर से सटी सीमाओं पर स्थित इलाकों में ड्रोनों द्वारा भेजा जा रहा है। ड्रोनों द्वारा देश के अंदर मादकपदार्थो और तस्करी की घटनाये होना। चिन्तनीय बिंदु है। कुछ घटनाये पकड़ में आती है तब हमारा तन्त्र जसगरुक होता है। ड्रोनों से पहले भी भारत मे पुरुलिया में जहाज द्वारा हथियार गिराये जाने की घटनायें हो चुकी हैं। हाल ही में साम्बा सेक्टर में ड्रोन द्वारा गिराए गए ए के 47 राइफलें, पिस्तौल, कारतूस आतंकवादियों के हाथ न लगकर बी एस एफ जवानों की सक्रियता से बरामद कर लिये गए। पाक सीमा पार से इसके पूर्व भी पंजाब और कश्मीर में हेरोइन और हथियारों को ड्रोनों द्वारा घटनाये पकड़ी जा चुकी है। पाकिस्तान आतंकियों तक हथियार पहुचाने की कोशिश और सीमा पर गोलीबारी करके आतंकियों को भेजने की कोशिश कई बार कर चुका है। इसी इलाके में पाकिस्तानी सुरंग का पता हमारे जवानों ने लगाया था। सीमा पर सक्रिय देश विरोधी तत्वों को पहिचानने की ओर हमारे जवान क्षेत्रों की निगरानी और छानबीन के अभियान चला रहे हैं।

— **कुलदीप मोहन त्रिवेदी,** जरगांव, उन्नाव

भाप थेरेपी से बचाव

एक जानकारी के मुताबिक खरगोन जिले के अंचल में कोरोना संक्रमण को मात देने के लिए भाप केंद्र स्थापित किए गए। बताया जाता है कि भाप लेना कोरोना मरीजों के लिए व उसके संक्रमण से बचने में लाभप्रद है। ग्रामीण क्षेत्रों में संचालित स्कूलों में स्थापित भाप केंद्रों में सुबह शाम ग्रामीणों को तीन- तीन मिनिट भाप दी जा रही है। इनके अलावा कोरोनावायरस के संक्रमण से बचाव के विविध उपाय और वैक्सीन लगवाने के लिए भी जागरूक किया जा रहा है। मध्यान भोजन कार्यक्रम परिषद और पंचायत का ये कार्य प्रशंसनीय और प्रेरणादायी भी है। उल्लेखनीय है कि कई जगह पर प्राचीन ऐतिहासिक महलों आदि में स्टीम बाथ स्नानागार भी होते थे। जिसकी विधि शरीर मे रोगों को दूर कर शरीर को स्वस्थ्य बनाने की रही होगी। खैर, अन्य जिलों के अंचलों में भी भाप केंद्र बनाने की पहल की जाना चाहिए। ऐसे में सभी को डॉक्टर्स की सलाह, योग, आर्युवेदिक नुस्खे, कोरोना गाइडलाइन का पालन, आदि साथ में अवश्य ही करना चाहिए।

— **संजय वर्मा,** मनावर, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से responsemail.hindipioneer@gmail.com पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

गोवा समेत सभी राज्य भीषण महामारी से जूझ रहे हैं। आक्सीजन की कमी सरकार के लिए एक बड़ा सिरदर्द है।

— **श्रीपद नाइक**
केंद्रीय राज्य मंत्री

जब वे जीवित थे, उन्हें दवाएं, आक्सीजन, बिस्तर और उपचार नहीं मिला। अब मर जाने के उपरांत जलाने के लिए लकड़ी और अंतिम संस्कार के लिए जगह नहीं है।

— **लालू प्रसाद यादव**
राजद प्रमुख

लाशों का नदी में बहना दुर्भाग्यपूर्ण है। मोदी सरकार गंगा की पवित्रता एवं निरंतरता बनाए रखने के लिए कटिबद्ध है।

— **गजेंद्र सिंह शेखावत**
केंद्रीय जलशक्ति मंत्री

कोरोना की चेन तोड़ने में विशेष स्वच्छता अभियान बना मददगार

● कुल 58194 ग्राम पंचायतों और 97509 राजस्व ग्रामों में 86663 कर्मियों ने साफ-सफाई सैनेटाइजेशन और फॉगिंग कार्य किया, अभी तक अभियान दिवसों में 62611 राजस्व ग्रामों में विशेष सफाई अभियान चलाए गये

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण की जंग में योगी सरकार का विशेष स्वच्छता अभियान मील का पत्थर साबित हो रहा है। सरकार का मानना है कि गांवों में कोरोना संक्रमण की चेन को तोड़ने में अभियान की अहम योगदान है।

गांव-गांव तक की जा रही साफ-सफाई संक्रामक रोगों का प्रसार कम कर रही है। सरकार प्रत्येक व्यक्ति की जान बचाने के लिये कोई जोखिम नहीं उठाना चाहती है। इसके लिये उसने ग्रामीण इलाकों में बड़े स्तर पर स्वच्छता अभियान चला रखा है। इस तरह का अभियान चलाने वाले प्रदेशों में यूपी ने पहले स्थान पा लिया है। गौरतलब है कि कोरोना की पहली लहर के दौरान भी योगी सरकार के कोविड मैनेजमेंट की डब्ल्यूएचओ समेत देश और दुनिया में जम कर तारीफहुई थी।

यूपी के समस्त ग्राम पंचायतों में साप्ताहिक बंदी, शनिवार और रविवार को विशेष सफाई अभियान चलाया जा रहे हैं। क्षेत्र पंचायतों में रविवार तक कुल 58194 ग्राम पंचायतों और 97509 राजस्व ग्रामों में 86663 कर्मियों ने साफ-सफाई सैनीटाइजेशन और फॉगिंग कार्य किया गया है। अभी तक अभियान दिवसों में 62611 राजस्व ग्रामों में विशेष सफाई अभियान चलाए गये हैं। सरकार के निर्देश पर कुल 32966 राजस्व ग्रामों में ब्लीचिंग पाउडर और सोडियम हाइपोक्लोराइड का छिड़काव किया गया है। कुल 14096 राजस्व ग्रामों में फॉगिंग कराई गई है।

बीमारी की चेन तोड़ने में लगी सरकार के प्रयासों से पहली बार गांवों में विशेष स्वच्छता अभियान के दौरान नालियों की सफाई, ग्राम पंचायतों में स्थापित हैण्डपम्पों के चबूतरों की मरम्मत कराई गई है। सरकार को गांवों में भी टेस्ट, ट्रेस और ट्रीट के मूलमंत्र से रोज बड़ी सफलता मिल रही है। निगरानी समितियां बीमारी को रोकने के लिये ढाल बन गई हैं। गांव-गांव में कोरोना वायरस के खात्मे के लिये तिगुनी ताकत से आर पार की लड़ाई में जुटी हैं। निगरानी समितियों के सदस्य रोज 14403 मेडिकल किटों का वितरण कर रहे हैं। अभी तक कुल 254720 मेडिकल किट का वितरण ग्रामीण क्षेत्रों में किया जा चुका है।

योगी सरकार के बीमारी को मात देने के लिये किये जा रहे प्रयासों का ही असर है कि अब प्रदेश के लोगों को समझ में आने लगा है कि कोविड 19 के संक्रमण को रोकने में स्वच्छता बेहद जरूरी है। प्रदेश में गठित 60569 निगरानी समितियों के 4 लाख सदस्य प्रतिदिन एक एक व्यक्ति के घर तक पहुंच रहे हैं। ग्राम पंचायत स्तर पर गठित समितियों के सदस्य नियमित रूप से लोगों की व्यक्तिगत स्वच्छता पर ध्यान दे रहे हैं। उनको नियमित रूप से साबुन से हाथ धोने आदि विषय में जागरूक कर रहे हैं।

सरकार की कुनीतियों के चलते अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमराई: अखिलेश यादव

● कहा- भाजपा की नीति और नीयत में खोट, देश-प्रदेश महंगाई की मार से कराह रहा है, किसान बेहाल है

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि कोरोना संकट काल में प्रबंधन में भारी नाकामी, बड़ी तादाद में शहरों और गांवों में हो रही मौतों से व्यापक जनरोष तथा पंचायत चुनावों में सपा के मुकाबले पिछड़ जाने से खिसियायी और बिलबिलायी भाजपा सरकार जनता से बदला लेने के लिए आपदा में आपदा खड़ी करने के फार्मूले पर उतर आई है। भाजपा की नीति और नीयत में खोट के चलते ही देश-प्रदेश मंहगाई की मार से कराह रहा है, किसान बेहाल है, नौजवान बेकारी का शिकार है और इस सबसे संवेदनशून्य भाजपा सरकार ने केवल अपना घर भरने और सत्ता सुख के संसाधन जुटाने में ही चार साल बिता दिए हैं और आज भी वह इसी एजेंडा पर काम कर रही है।

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार की कुनीतियों के चलते प्रदेश की अर्थव्यवस्था पूरी तरह से चरमरा गई है। उद्योग धंधे और व्यापार ठप्प है। श्रमिक बेरोजगारी में नमक-रोटी भी नहीं जुटा पा रहे हैं। पेट्रोल-डीजल के दामों में लगातार होने वाली बढ़ोत्तरी से परिवहन मंहगा होने के साथ खाद्य पदार्थों का भी बाजार में अभाव हो रहा है। वस्तुतः भाजपा सरकार ने पहले ही आपदा को अवसर में बदलने का जो मंत्र पूंजी घरानों को दिया है उसका अनुसरण भाजपा सरकारों भी कर रही है। उत्तर प्रदेश में भाजपा सरकार ने चार वर्ष में विकास की जगह सिर्फ समाजवादी सरकार के कामों पर अपने नाम का ठप्पा लगाने का ही काम किया है। हर मोर्चे पर उसकी विफलता से जनता में भारी रोष है। भाजपा नेतृत्व को भी मालूम है कि पश्चिम बंगाल की कहानी उसके साथ यूपी में भी दुहराई जाएगी, इससे वह अब प्रदेशवासियों को हर तरह से परेशान करने और मंहगाई की मार से उसकी कमर तोड़ देने का कोई अवसर कोरोना संकट में अपनी जिंदगी बचाने की जद्दोजहद से जूझ रहे लोगों को नहीं देना चाहेगी। भाजपा सरकार का यह डरावना चेहरा जनता के सामने आ चुका है जनता इसे कभी माफ नहीं करेगी।

आर्थिक पैकेज की घोषणा करे प्रदेश सरकार: शिवपाल यादव

● रेहड़ी, पटरी, खोमचा लगाने वाले व दिहाड़ी मजदूरों के लिए राज्य सरकार द्वारा घोषित एक हजार का भत्ता नाकाफी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पूर्व मंत्री एवं प्रगतिशील समाजवादी पार्टी लोहिया प्रमुख शिवपाल सिंह यादव ने प्रदेश सरकार द्वारा कोविड आपदा को ध्यान में रखकर रेहड़ी, पटरी, खोमचा लगाने वाले व दीगर दिहाड़ी मजदूरों के लिए एक माह हेतु एक हजार रुपए के भत्ते को नाकाफी बताया है और इसे बढ़ाकर प्रति माह 3,000 रुपये किए जाने का आग्रह किया है। इसी क्रम में शिवपाल यादव ने इस वैश्विक आपदा से प्रभावितों के लिए एक समावेशी और लोककल्याणकारी आर्थिक पैकेज की भी मांग की है।

शिवपाल यादव ने कहा है कि लॉकडाउन से उपजी विपरीत परिस्थितियों में रोजाना कमाई कर परिवार का भरण पोषण करने वाले रेहड़ी, पटरी, ठेला, खोमचा आदि लगाने वाले पटरी दुकानदारों, दिहाड़ी मजदूरों, रिक्शा चालक, पल्लेदार सहित नाविकों, नाई, धोबी, मोची, हलवाई आदि जैसे परम्परागत कामगारों के सामने भी रोजी रोटी का भयानक संकट आ खड़ा हुआ है। ऐसे में उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा एक माह के लिए प्रदान किया जाने वाला 1000 रुपए का भरणपोषण भत्ता अत्याधिक कम है। उन्होंने राज्य सरकार से आग्रह किया है कि इसे न्यूनतम तीन माह के लिए प्रति माह 3000 किया जाए। शिवपाल यादव ने आगे यह भी कहा है कि निर्मम कोरोना काल में घर वापस लौटने वाले लाखों प्रवासी मजदूर, सब्जी, फल व दुग्ध उत्पादक, मुर्गीपालक, मत्स्य पालक व लघु पशुपालक और अन्नदाता भी भयानक आर्थिक चुनौतियों से लड़ रहे हैं। आपदा से छोटे व मध्यम व्यवसायी बुरी तरह से प्रभावित हैं। उन्होने कहा कि मेरा यह भी आग्रह है कि राज्य व केंद्र सरकार इनकी परेशानियों को ध्यान में रखकर एक समावेशी और लोककल्याणकारी आर्थिक पैकेज की भी घोषणा करे।

पुलिसलाइनों में बने कोविड केयर सेन्टर दे रहे जवानों को राहत

● कुल 589 पुलिसकर्मी हुए थे संक्रमित, 244 हो चुके डिस्चार्ज, 322 को मिल रहा इलाज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना की लड़ाई में अहम भूमिका निभा रही पुलिस पर सीएम योगी का ध्यान है। उन्होंने पिछले दिनों पुलिस लाइनों में कोविड केयर सेन्टर बनाने के निर्देश दिये थे। सीएम के इन निर्देशों के बाद राज्य की 66 पुलिस लाइनों तथा 34 पीएसी वाहिनियों में कोविड केयर सेंटरों की स्थापना हो चुकी है और संक्रमितों को इलाज मिलना भी शुरू हो गया है।

वैश्विक महामारी में सुबह से शाम तक लोगों को कोरोना से बचाने, आंशिक कोरोना कर्फ्यू का पालन कराने और कानून व्यवस्था बनाए रखने वाले पुलिसकर्मी और पीएसी के जवानों, जीआरपी के जवान रात दिन जुटे हैं। सरकार के निर्देश पर फ्रंटलाइन पर काम करने वाले कर्मयोगियों (पुलिसकर्मी और पीएसी जवान) के इलाज के लिये पुलिस लाइनों में कुल 2993 बेड के कोविड केयर सेन्टर बनाए गये हैं जिनमें से 299 ऑक्सीजन वाले बेड हैं जबकि पीएसी वाहिनियों में जवानों को बेहतर इलाज की सुविधा देने के लिये कुल 628 बेड उपलब्ध कराए गये हैं। इनमें से 45 ऑक्सीजनयुक्त बेड हैं।

सरकारी रिपोर्ट के मुताबिक कोविड केयर सेन्टर में कुल 589 पुलिसकर्मी भर्ती हुए जिनमें से 244 पुलिसकर्मी निगेटिव होकर डिस्चार्ज हो चुके हैं जबकि 322 पुलिसकर्मी वर्तमान में इलाज प्राप्त कर रहे हैं। जीआरपी की ओर से 107 बेडों और प्रशिक्षण निदेशालय द्वारा 236 बेडों का कोविड केयर सेन्टर संचालित किया जा रहा है। सरकार के निर्देशों पर तत्काल दी जा रही इलाज की सुविधा से पुलिसकर्मी और पीएसी जवानों बीमारी को मात देकर स्वस्थ हो रहे हैं।

प्रदेश सरकार के निर्देश पर यूपी पुलिस की ओर से बनाए गये कोविड केयर सेंटरों के लिये पुलिस लाइन में जगह नहीं मिलने पर उनको कमिश्नरेट पुलिस लाइनों या फिर स्टेडियमों में संचालित जा रहा है। हमीरपुर, सिद्धार्थनगर व उन्नाव में पुलिस लाइन्स के बैरकों को आइसोलेशन वार्ड (कोविड केयर सेन्टर) के रूप में स्थापित किया गया है। उनको स्वास्थ्य संबंधी सभी सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश सरकार ने दिये हैं। वाराणसी ग्रामीण में पुलिस लाइन न होने के कारण कमिश्नरेट पुलिस लाइन में कोविड केयर सेन्टर संचालित किया जा रहा है। चन्दौली में चकिया राजकीय अस्पताल में, गोरखपुर में वीर बहादुर स्पोर्ट्स स्टेडियम के गर्ल्स हॉस्टल को कोविड केयर सेन्टर और श्रावस्ती में जिला अस्पताल में कोविड केयर सेन्टर चल रहा है।

यूपी के कुछ जनपदों के पुलिस विभाग ने अपने संसाधनों से अधिक संख्या में बेडों की व्यवस्था की है। इनमें गोरखपुर में 200 बेड, अलीगढ़ में 120 बेड, हरदोई में 110 बेड, गाजियाबाद में 40 ऑक्सीजनयुक्त सहित 90 बेड बढ़ाए गये हैं। बहराइच में 60 बेडए मुजफ्फरनगर में 16 ऑक्सीजनयुक्त सहित 66 बेड, लखनऊ कमिश्नरेट में 20 ऑक्सीजन वाले बेड सहित 57 बेड हो गये हैं। मेरठ में सभी 30 ऑक्सीजनयुक्त बेड, गौतमबुद्धनगर कमिश्नरेट में 10 ऑक्सीजनयुक्त सहित 52 बेड, कानपुर कमिश्नरेट में सभी 16 ऑक्सीजनयुक्त बेड और वाराणसी कमिश्नरेट में 54 बेडों का कोविड केयर सेन्टर संचालित किया जा रहा है।

कालाबाजारी करने वालों को सबक

लखनऊ। यूपी पुलिस जहां बीमारी से बचाव के लिये सभी उपाय करने में जुटी है वहीं आपदा के समय में भी जीवनरक्षक औषधियों, ऑक्सीजन सिलेण्डरों और चिकित्सीय उपकरणों की कालाबाजारी करने वालों को सबक भी सिखा रही है। यूपी पुलिस ऐसे अपराधियों पर लगातार कार्रवाई कर रही है। अब तक कुल 160 लोगों को गिरफ्तार करते हुए 1256 जीवनरक्षक इंजेक्शन, 1350 ऑक्सीजन सिलेण्डर, 18 ऑक्सीजन कन्सेंट्रेटर, 844 ऑक्सीमीटर 05 ऑक्सीजन रेगुलेटर, 9 ऑक्सीजन फ्लोमीटर और अन्य उपकरणों एवं वाहनों को जब्त कर कुल 62 लाख 70 हजार 710 रुपये बरामद किये हैं। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जनपदों के कप्तानों को निर्देश दिये हैं कि ऐसे सभी अपराधियों पर कड़ी कार्रवाई करें जो आपदा के समय भी कालाबाजारी करने में जुटे हैं।

बिजली उपभोक्ताओं पर रेग्युलेटरी सरचार्ज बढ़ाने का विरोध तेज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

यूपी में बिजली उपभोक्ताओं पर बोझ डालने के प्रयास को लेकर विद्युत उपभोक्ता परिषद ने मोर्चा खोल दिया है। विद्युत उपभोक्ता परिषद ने सोमवार को विद्युत नियामक आयोगी की होने वाली सुनवाई में पोल खोलने की चेतावनी दी है। परिषद के अध्यक्ष अवधेश वर्मा ने आयोग में याचिका दाखिल कर बिजली कम्पनियों के प्रस्ताव को असंवैधानिक करार दिया और उसे खारिज करने की मांग की। उन्होंने कहा कि 2019 का टैरिफ आदेश तीन साल बाद रिवाइन्ड करने की बात करना अधिनियम 2003 का उल्लंघन है।

उन्होंने कहा कि नियमानुसार ऐसे किसी भी आदेश पर 90 दिन के अंदर पुनर्विचार हो सकता है मगर यहाँ तीन साल बाद की टैरिफ संशोधन की बात करना पूरी तरह असंवैधानिक व हास्यास्पद है। राज्य सलाहकार समिति के सदस्य अवधेश कुमार वर्मा ने जनहित में ऑनलाइन एक याचिका विद्युत नियामक में दाखिल कर बिजली कम्पनियों के प्रस्ताव को खारिज करने की मांग की। उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष नियामक आयोग चेयरमैन आरपी सिंह से बात कर अपनी याचिका उन्हें भी भेजते हुए उपभोक्ताओ के साथ न्याय करने की मांग उठाई और कहा इस कोरोना संकट में उपभोक्ताओ की बिजली दरों में रहत दिलाई जाए। उन्होंने कहा कि कल की सुनवाई में उपभोक्ता परिषद् सबकी पोल खोलकर फिर उपभोक्ताओ की जीत कराएगा और प्रदेश के उपभोक्ताओ को जो बिजली कम्पनियों पर लगभग 19537 करोड़ निकल रहा है, उसके एवज में बिजली दरों में कमी कराने के लिए पूरी ताकत झोंकेगा। उपभोक्ता परिषद् ने अपनी याचिका में जो सवाल खड़ा किया है। उसमें बिजली कम्पनियों का प्रदेश के विद्युत उपभोक्ताओं पर वर्ष 2000 से लेकर अब तक 49827 करोड़ रुपया निकल रहा है। बिजली कम्पनियों ने मांग उठाई है की टैरिफ आदेश तीन सितम्बर 2019 को संशोधित कर रेगुलेटरी सरचार्ज तय किया जाए जो असंवैधानिक है।

मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन प्रदेश के दस अस्पतालों में लगाएगा आक्सीजन प्लांट

● लखनऊ में दो और गौतमबुद्धनगर, कानपुरनगर, बिजनौर, अमेठी, देवरिया, इटावा, मथुरा व पीलीभीत के एक-एक अस्पताल में उपलब्ध होगी सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

देश को स्वास्थ्य समेत विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग प्रदान करने वाला बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन (बीएमजीएफ) उत्तर प्रदेश के दस अस्पतालों में प्रेशर स्विंग एडसॉर्पशन आक्सीजन प्लांट स्थापित करेगा। फाउंडेशन ने इसके लिए 10 अस्पतालों की सूची उत्तर प्रदेश शासन से मांगी थी, जिसके तहत लखनऊ के दो अस्पतालों और नौ अन्य जिलों के एक-एक अस्पताल में आक्सीजन प्लांट लगाये जायेंगे।

विशेष सचिव प्रांजल यादव के मुताबिक जिन अस्पतालों में पीएसए आक्सीजन प्लांट लगने हैं, उनके मुख्य चिकित्सा अधीक्षक-अधीक्षिका को पत्र भेजकर इस बारे में उचित व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा है। इनमें लखनऊ के अवन्तीबाई महिला चिकित्सालय व आरएसएम हास्पिटल-साढ़ामऊ, गौतमबुद्धनगर के 300 बेड कोविड हास्पिटल, कानपुरनगर के मान्यवर कांशीराम ट्रामा सेंटर, अमेठी के डीसीएच गौरीगंज, बिजनौर के जिला चिकित्सालय, देवरिया के जिला चिकित्सालय, इटावा के जिला चिकित्सालय, मथुरा के कम्बाइंड हास्पिटल वृन्दावन और पीलीभीत के जिला चिकित्सालय में प्लांट स्थापित किये जायेंगे। विशेष सचिव की तरफ से जारी आदेश में इन अस्पतालों के अधीक्षक-अधीक्षिका को प्लांट स्थापित करने के सम्बन्ध में डॉ देवेन्द्र खंडेत डिप्टी डायरेक्टर एंड कंट्री लीड स्टेट हेल्थ सिस्टम इण्डिया, कंट्री आफिस बिल एंड मिलिंडा गेट्स फाउंडेशन से संपर्क स्थापित करने को कहा गया है।

वैक्सीन लगवाने के नियमों में बदलाव पर रालोद ने उठाये सवाल

लखनऊ। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय प्रवक्ता अनुपम मिश्रा ने केंद्र सरकार द्वारा वैक्सीन लगाने के नियमों में किए गए बदलाव पर सवाल करते हुए पूछा कि यह बदलाव किसके दबाव में आकर किए जा रहे हैं ,क्या सरकार ने मान लिया है कि वांछित टीका उपलब्ध कराने में वह विफल हो गई है और ऐसा क्यों है कि यह बदलाव सिर्फ एक टीका के साथ है, दूसरे के साथ क्यों नहीं है ऐसे समय दो टीकों के मध्य के अन्तराल को कम करने का क्या औचित्य है, जब ब्रिटेन आदि देशों के द्वारा अपने यहाँ यह अंतराल घटाया जा रहा है।

अनुपम मिश्रा ने आरोप लगाते हुए कहा कि सरकार अपनी विफलताओं व नाकामियों को छिपाने के लिए पहली व दूसरी डोज़ के मध्य में 12 और 16 हफ्ते का अंतर कर रही है ताकि टीकों की अनुपलब्धता व स्वयं की गैर जि मेदाराना कार्यशैली पर किसी तरह पर्दा डाला जा सके। आज सरकार नाम की कोई चीज़ ही नहीं है। ऐसा प्रतीत ही नहीं होता है जैसे सब कुछ भगवान के भरोसे चल रहा है। सरकार द्वारा यदि यह टीकों के मध्य का अंतर बिना किसी वैज्ञानिक अध्ययन, बिना किसी वैज्ञानिक सलाह के सिर्फ नाकामियों को छुपाने के लिए किया जा रहा है तो यह एक भयानक त्रासदी के अतिरिक्त और कुछ नहीं होगा। सरकार देश की जनता के समक्ष इसकी वैधानिकता व शोध के समस्त दस्तावेज रखें, क्योंकि यह आम जनमानस के जीवन से जुड़ा हुआ निर्णय है। वहीं पार्टी के राष्ट्रीय सचिव अनिल दुबे ने हिसार में किसानो पर हुए लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की है।

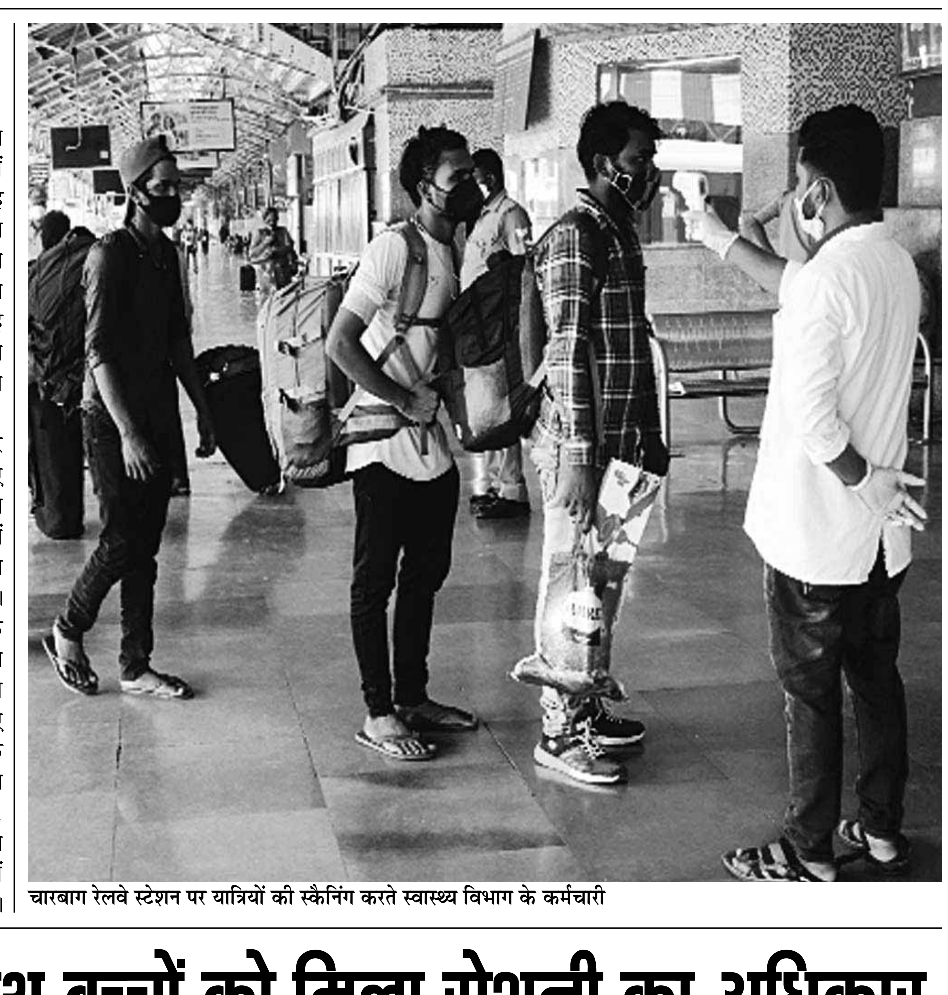

चारबाग रेलवे स्टेशन पर यात्रियों की स्कैनिंग करते स्वास्थ्य विभाग के कर्मचारी

ग्राम पंचायतों के निर्धन परिवारों को अंत्येष्टि के लिए मिलेंगे पांच हजार रुपए

● नदियों में मिल रहे शवों का संज्ञान लेकर उठाया गया कदम, जिलाधिकारियों को दिए गए निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण अथवा अन्य कारणों के चलते नदियों में मिल रहे शवों को संज्ञान में लेते हुए राज्य सरकार अंत्येष्टि को लेकर निर्धन परिवारों की मदद करेगी। इसके लिए सरकार की तरफ से पारंपरिक रीति रिवाज के जरिये अंतिम संस्कार के लिए 5000 रुपये की आर्थिक मदद दी जाएगी। सरकार की तरफ से इस बाबत नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों के माध्यम से मदद सुनिश्चित कराने के लिए, जिलाधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं।

अपर मुख्य सचिव पंचायती राज मनोज सिंह के स्तर से जारी आदेश के मुताबिक प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्रों में अत्यधिक निर्धन व निराश्रित परिवारों में मृत्यु होने पर राज्य वित्त आयोग की तरफ से 5000 दिए जाने के आदेश जारी किए गए हैं। कोविड से मृत्यु होने पर भी 5000 की आर्थिक मदद दिए जाने के आदेश जारी हुए हैं। इस दशा में निर्धन व निराश्रित परिवारों में मौत होने पर अंतिम संस्कार के लिए ग्राम पंचायत 5000 रुपये खर्च करेगी। इसलिए नव निर्वाचित ग्राम प्रधानों को निर्देश है कि जारी धनराशि का उपयोग अंतिम संस्कार पर किये जायें साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए की नदी में कोई शव प्रवाहित न हो।

वही नगरीय इलाकों के लिए जारी निर्देश में कहा गया है कि अंतिम संस्कार के लिए बजट का अभाव नहीं है। इसलिए कोविड 19 अथवा पंथ परंपरा के अनुसार नदी में शव को प्रवाहित न किया जाए। पंथ परंपरा के अनुसार शव प्रवाहित करने वालों को इसके कुप्रभाव समझाएं जाए। साथ ही कोविड 19 इनके अनुसार अंत्येष्टि कराई जाए।

शिक्षा के साथ बच्चों को मिला रोशनी का अधिकार

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● राष्ट्रपति के गांव परौंख सहित अनेक गांवों की जिन्दगी में हुआ उजाला, गांव में स्कूली बच्चों को सोलर लैंप मात्र 100 रुपए में हो रहा है उपलब्ध

● महिलाओं और बालिकाओं को मिल रहा सुरक्षा, सम्मान के साथ स्वावलंबन प्रदान करने वाली योजनाओं का लाभ

योगी सरकार गांवों में पढ़ने वाले स्कूली बच्चों में शिक्षा की अलख जगाने और गांव गांव में अंधकार को मिटाकर में जुटी है। गांव में शिक्षा प्राप्त करने वाले बच्चों के लिये सस्ते सोलर लैम्प बनाएं हैं जो उनकी पढ़ाई में मददगार बन रहे हैं। स्वयं सहायता समूह की महिलाओं ने सीएसआर फंड से इस अनोखी पहल को साकार कर दिखाया है। बाजारों में 500 रुपये की कीमत के मिलने वाले लैम्प को इन महिलाओं ने स्कूली बच्चों को मात्र 100 रुपये में उपलब्ध कराया है।

योगी सरकार इससे पहले 28 लाख सोलर लैम्प यूपी के 75 ब्लाक और 30 जनपदों में स्कूली बच्चों को बांट चुकी है। इनको चार हजार महिलाओं ने तैयार किया था। प्रदेश सरकार के प्रयासों से स्कूली बच्चों को अब शिक्षा के साथ रोशनी का अधिकार भी मिल रहा है। राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन के प्रेरणा ओजस कार्यक्रम के तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाएं सोलर लैम्प बनाकर आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बन रही हैं। प्रेरणा ओजस कार्यक्रम के तहत प्रथम चरण में ब्लाक डेरापुर के ग्राम परौंख में (ग्राम सभा-परौंख राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद का पैतृक गांव है) 18 समूहों के अंतर्गत चयनित कर 35 महिलाओं को सस्ती कीमत के सोलर लैम्पों के निर्माण व विक्रय के लिए प्रशिक्षण देकर एक इकाई स्थापित की गयी है। प्रेरणा ओजस कार्यक्रम के सीईओ शैलेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि समूह की महिलाओं को प्रति लैंप निर्माण का 12 रूपये तथा प्रति लैंप बिक्री का 17 रुपये दिया जाता है, जिससे उनकी आमदनी 250-300 रुपये प्रतिदिन हो जाती है। लैम्प में खराबी आने पर रिपेयरिंग भी करती है इस लैम्प की वारंटी 28 फरवरी 2022 तक है। अभी तक 1000 सोलर लैम्पों को बना कर ब्लाक के परिषदीय स्कूलों के छात्रों को 100 रुपये प्रति लैंप के मूल्य में विक्रय किये जा चुके हैं, जिससे ग्रामीण बच्चों को पठन पाठन में सुविधा हो रही है। अभी तक इन महिला समूह इकाइयों को सोलर लैम्प विक्रय करने से एक लाख रुपये प्राप्त हो चुके हैं। समूह की महिलाओं को आगे चलकर योजना के तहत उद्यमी बनने का भी सुनहरा मौका भी मिलेगा। प्रेरणा ओजस के सीईओ शैलेन्द्र द्विवेदी ने बताया कि जब सोलर लैम्प का वितरण लक्ष्य पूरा हो जाएगा तो यही महिलाएं आगे चलकर सौर उद्यमी बनेंगी। इनको ब्लाक के विभिन्न कस्बों एवं बाजारों में प्रेरणा सोलर शॉप पर विभिन्न तरह के सोलर प्रोडक्ट लालटेन, टॉर्च, लैम्प ,सोलर पंखा, पैनल ,एलईडी बल्ब की मरम्मत व बिक्री करेंगी।

मप्र में कोरोना वायरस से संक्रमण की दर घट कर 10.68 प्रतिशत रह गई है : चौहान

भाषा। भोपाल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने रविवार को कहा कि ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में किल कोरोना अभियान को मिल रहे जन-सहयोग से कोविड-19 संक्रमण की कड़ी तोड़ने में सफलता मिल रही है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में कोरोना वायरस से संक्रमण की दर जो 24 प्रतिशत तक पहुंच गई थी, वह घट कर आज 10.68 प्रतिशत रह गई है। उन्होंने कहा, प्रदेश के कुछ जिलों में तो कोरोना वायरस से संक्रमण की दर पांच प्रतिशत से भी कम रह गई है। चौहान ने बताया कि आज रविवार को कोरोना वायरस से संक्रमित 7,106 नए मरीज मिले हैं। करीब 12,345 मरीज स्वस्थ्य हुए हैं। मरीजों के ठीक होने की दर आज 86.10 प्रतिशत रही है। उन्होंने कहा कि इसके अलावा, कोविड-19 का इलाज करवा रहे या ठीक हुए कुछ व्यक्तियों में हो रहे दुर्लभ म्यूकरमाइकोसिस यानी ब्लैक फंगस संक्रमण के उपचार के लिए कम से कम 24,000 एम्फोटेरिसिन बी-50 एमजी इंजेक्शन प्रदेश को आवंटित करने हेतु केन्द्रीय रसायन एवं उर्वरक राज्य मंत्री से अनुरोध किया गया है। उन्होंने कहा कि किल कोरोना अभियान के अंतर्गत घर-घर सर्वे टीम पहुंच रही है। सर्दी-जुकाम और बुखार से पीड़ित मरीज अपने इन लक्षणों को छुपाए नहीं बल्कि बताएं, ताकि उनका समुचित इलाज किया जा सके, जिससे दवाइयों की किट उन्हें उपलब्ध कराई जा सके। इस समय मरीजों के ठीक होने की दर अधिक है। चौहान ने कहा कि प्रदेश के 52 जिलों में कुल 354 कोविड-19 मरीज देखभाल केंद्र प्रारंभ किए जा चुके हैं।

भोपाल में 24 मई तक बढ़ाया गया कोरोना कर्फ्यू

भोपाल। मध्य प्रदेश के भोपाल जिले में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को दृष्टिगत रखते हुए और आम नागरिकों को संक्रमण से बचाने एवं जन-सामान्य के स्वास्थ्य हित में कोरोना कर्फ्यू की अवधि 24 मई तक बढ़ा दी गई है। मध्य प्रदेश जनसंपर्क विभाग के एक अधिकारी ने बताया, भोपाल के कलेक्टर एवं जिलाधिकारी अविनाश लवानिया ने दण्ड प्रक्रिया संहिता-1973 की धारा 144 में प्रदत्त शक्तियों को प्रयोग में लाते हुए उक्त आदेश रविवार को जारी किया। उन्होंने कहा कि पूर्व में जारी आदेश में भोपाल नगर निगम क्षेत्र और बैरसिया नगर पालिका क्षेत्र में 17 मई प्रातः छह तक कोरोना कर्फ्यू लागू किया गया था जिसकी अवधि 24 मई को प्रातः छह बजे तक के लिए बढ़ा दी गई है। भोपाल जिले में 12 अप्रैल की रात नौ बजे से कोरोना कर्फ्यू जारी है।

ऑक्सीजन सांद्रक की पहली खेप आज मुंबई पहुंचेगी

● 50 और सांद्रक के ऑर्डर दिए: अमिताभ

भाषा। मुंबई

महानायक अमिताभ बच्चन ने रविवार को कहा कि उन्होंने पोलैंड से गुरुद्वारा रकाब गंज स्थित कोविड-19 केंद्र के लिए 50 ऑक्सीजन सांद्रक की पहली खेप का ऑर्डर दिया था, जो कल नई दिल्ली पहुंचेगी। 78 वर्षीय अभिनेता ने मुंबई के अस्पतालों के लिए पांच लीटर क्षमता वाले अतिरिक्त 50 ऑक्सीजन सांद्रक का ऑर्डर दिया है। बच्चन नियमित रूप से इस घातक बीमारी के खिलाफ लड़ाई में अपने निरंतर परोपकारी प्रयासों को लेकर जानकारियां साझा करते रहे हैं। देश अभी कोरोना वायरस की दूसरी लहर का सामना कर रहा है।

बच्चन ने अपने ब्लॉग पर लिखा, पोलैंड से मेरे द्वारा ऑर्डर किए गए और खरीदे गए 50 ऑक्सीजन सांद्रक की पहली खेप एक विमान से सोमवार सुबह छह बजे तक दिल्ली पहुंच जाएगी। बच्चन का पोलैंड के साथ एक व्यक्तिगत संबंध है। पिछले साल व्रोकला की नगर परिषद ने उनके दिवंगत पिता और प्रसिद्ध कवि हरिवंश राय बच्चन के नाम पर एक चौक का नाम रखा था। अभिनेता ने कहा कि खेप को गुरुद्वारा समिति द्वारा मंजूरी दी जाएगी।

बच्चन ने यह भी बताया उन्होंने कोरोना वायरस के टीके की दूसरी और अंतिम खुराक ले ली है। पिछले हफ्ते, दिग्गज अभिनेता ने राष्ट्रीय राजधानी में जारी स्वास्थ्य संकट से निपटने के लिए गुरुद्वारा रकाब गंज साहिब में श्री गुरु तेग बहादुर कोविड देखभाल केंद्र को दो करोड़ रुपए का दान दिया था।

बच्चन ने नई पोस्ट में बताया, मैंने आज पांच लीटर क्षमता के और 50 ऑक्सीजन सांद्रक खरीदे हैं, और उम्मीद है कि उन्हें कुछ दिनों में हमें भेज दिया जाएगा.. इन्हें मुंबई में जरूरतमंद अस्पतालों में वितरित किया जाएगा। उन्होंने कहा कि उपनगर जुहू के एक स्कूल में स्थापित करने के लिए उन्होंने जो 25 बिस्तरों वाला देखभाल केंद्र दान में दिया था, वह तैयार है। बच्चन ने कहा, 'जरूरतमंदों और संकट में फंसे लोगों के लिए प्रयास करके हमेशा संतोष की अनुभूति होती है। उन्होंने कहा, जहां भी मैं मदद कर सकता हूं, करता हूं .... मेरे साधन बहुत ही सीमित हैं .... भले ही ऐसा न दिखता हो लेकिन ऐसा है ... किसी तरह से परमात्मा की कृपा से ए सब हो रहा है।

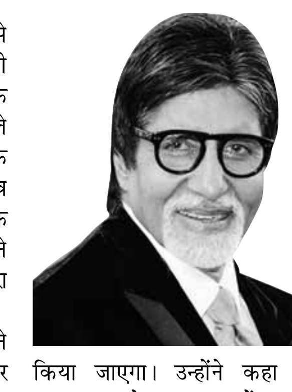

अमिताभ बच्चन ने ली टीके की दूसरी खुराक

भाषा। मुंबई

बॉलीवुड अभिनेता अमिताभ बच्चन ने रविवार को बताया कि उन्होंने कोविड-19 टीके की दूसरी और अंतिम खुराक ले ली है। 78 वर्षीय बच्चन ने टीके की पहली खुराक पिछले महीने ली थी। बच्चन ने टीके की दूसरी खुराक लेते हुए अपनी तस्वीर इंस्टाग्राम पर पोस्ट की और लिखा, दूसरा भी हो गया। कोविड की बात हो रही है, क्रिकेट की नहीं। माफ कीजिएगा, यह वास्तव में बहुत बुरा मजाक था। बच्चन ने अप्रैल में बताया था कि उनके बेटे अभिषेक बच्चन को छोड़ परिवार के सभी योग्य सदस्यों ने कोविड-19 रोधी टीके की पहली खुराक ले ली है। अभिषेक बच्चन तब आगरा में फिल्म दसवीं की शूटिंग कर रहे थे।

ऑक्सीजन उत्पादन गड़बड़ियों को दुरुस्त करने पहुंचा इसरो दल

भाषा। चेन्नई

वेदांता लिमिटेड के स्वामित्व वाले स्टरलाइट कॉपर संयंत्र ने अपने ऑक्सीजन संयंत्र के कोल्ड बॉक्स में आई तकनीकी खराबी को दुरूस्त करने के लिए इसरो के विशेषज्ञों की मदद ली है। इस खराबी के चलते उसके ऑक्सीजन संयंत्र में जीवन रक्षक गैस का उत्पादन रुक गया है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को चिकित्सकीय ऑक्सीजन का उत्पादन शुरू करने की औपचारिक घोषणा की थी और उसके अगले ही दिन तूतीकोरिन में उसके संयंत्र में तकनीकी खराब आ जाने के कारण उत्पादन को एक बड़ा झटका लगा। यह संयंत्र यहां से 600 किलोमीटर दूर है।

रविवार को स्टरलाइट ने सोशल मीडिया पर एक बयान में कहा, हमारे ऑक्सीजन संयंत्र में उत्पादन बहाल करने का प्रयास जारी है। आज भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) एक विशेषज्ञ दल हमारे प्रयासों में सहयोग करने एवं हमारी तकनीकी टीम के साथ समन्वय के लिए परिसर में पहुंचा। विशेषज्ञ दल ने तकनीकी खराबी दुरूस्त करने और ऑक्सीजन का उत्पादन बहाल करने के कुछ उपाय सुझाए हैं।

वेदांता ने कहा, इससे मरम्मत कार्य में तेजी लाने में मदद मिली है और हम इसके लिए स्थानीय प्रशासन के शुक्रगुजार हैं जिसने हमारे ऑक्सीजन उत्पादन को फिर चालू करने के इस सहकारी प्रयास का मार्ग आसान किया। इस संयंत्र ने तमिलनाडु में कोविड-19 के मामलों में तीव्र वृद्धि के बाद जीवन रक्षक गैस की मांग की पूर्ति के लिए 13 मई को चिकित्सकीय ऑक्सीजन का उत्पादन करना शुरू किया था। ऑक्सीजन टैंकरों की पहली खेप लाभार्थियों को भेजी गई है।

लॉकडाउन : बंगाल में रविवार से कई धार्मिक स्थलों पर प्रवेश निषिद्ध

कोलकाता। कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों को देखते हुए पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा पूर्ण लॉकडाउन लगाए जाने के बाद राज्य के कई बड़े मंदिरों में रविवार से प्रवेश निषिद्ध कर दिया गया। राज्य में 16 से 30 मई तक संपूर्ण लॉकडाउन लगाए जाने के बाद महानगर स्थित दक्षिणेश्वर काली मंदिर और बीरभूम जिले के तारापीठ काली मंदिर को रविवार से श्रद्धालुओं के लिए बंद कर दिया गया। दक्षिणेश्वर मंदिर के अधिकारियों की तरफ से कौशल चौधरी ने कहा, हमने श्रद्धालुओं के प्रवेश पर 30 मई तक पूरी तरह प्रतिबंध लगा दिया है। उन्होंने कहा कि दैनिक पूजा और अन्य रीति-रिवाज पहले की तरह जारी रहेंगे। तारापीठ मंदिर प्रबंधन ने नोटिस जारी कर कहा कि कोविड-19 लॉकडाउन के कारण श्रद्धालु 16 मई से 30 मई तक मंदिर परिसर में नहीं आ सकेंगे। प्रबंधन ने कहा, हम समय-समय पर स्थिति की समीक्षा करेंगे।

आज खुलेंगे केदारनाथ के कपाट पीएम की ओर से होगी पहली पूजा

भाषा। देहरादून

उत्तराखंड के उच्च हिमालई क्षेत्र में स्थित विश्वप्रसिद्ध केदारनाथ के कपाट छह माह के शीतकालीन अवकाश के बाद सोमवार को सुबह पांच बजे खोल दिए जाएंगे जहां पहली पूजा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से की जाएगी। पिछले वर्ष की तरह इस बार भी कोविड-19 के कारण कपाटोद्घाटन के दौरान श्रद्धालु उपस्थित नहीं रह पाएंगे और तीर्थ पुरोहितों समेत सीमित लोगों की मौजूदगी में ही विधि विधान के साथ कपाट खोलने का समारोह होगा। मंदिर को फूलों से सजाया जा रहा है। मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने बाबा केदार के धाम के पट खुलने पर श्रद्धालुओं को शुभकामनांए देते हुए उनसे अपील की कि वे अपने घरों में रहकर ही पूजा अर्चना करें। पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने बताया कि देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड एवं मंदिर समितियों द्वारा चारों धामों में पहली पूजाएं प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से जनकल्याण के लिए की जा रही हैं। मंगलवार 18 मई को चमोली में स्थित भगवान बदरीनाथ के कपाट सुबह सवा चार बजे ब्रहममुहूर्त में खुल जाएंगे। कोविड के कारण यहां भी श्रद्धालुओं को आने की अनुमति नहीं होगी।

कोविड के संबंध में उत्तराखंड सरकार द्वारा जारी एसओपी के अनुसार, विधि विधान और पूजा अर्चना के साथ केदारनाथ और बदरीनाथ के कपाट खोले जाने के दौरान वहां तीर्थ पुरोहितों, देवस्थानम प्रबंधन बोर्ड के पदाधिकारियों और प्रशासनिक अधिकारियों समेत सीमित संख्या में ही लोग उपस्थित रहेंगे।

क्विक न्यूज

महिला एवं उसकी दो बेटियो की चम्बल नहर मे डूबने से मौत

श्योपुर (मप्र)। मध्य प्रदेश के श्योपुर जिले के वीरपुर थाना क्षेत्र में ग्राम हारकोई के पास चम्बल नहर में कपड़े धोने गई एक महिला और उसकी दो बेटियों की रविवार सुबह डूबने से मौत हो गई। वीरपुर थाने के प्रभारी नरेन्द्र सिंह राजपूत ने बताया कि मृतकों की पहचान ममता प्रजापति (36) एवं उसकी दो बेटियों भावना (12) एवं अंजू (9) के रूप में की गई है। ए तीनों खेत पर कपड़े धोने गई थी, लेकिन वहां टंकी में पानी नहीं होने पर वह पास से ही गुजर रही चम्बल नहर में कपड़े धोने चली गई। राजपूत ने बताया कि चम्बल नहर में पानी के गहरे गड्ढे बने हैं, जिसमें महिलाएं कपड़े धो रही थीं और इसी दौरान अंजू का पैर फिसल गया और वह गड्ढे में डूब गई, जिसे बचाने के चक्कर में उसकी मां ममता और बहन भावना भी पानी में डूब गई, जिससे तीनों की मौत हो गई। पुलिस ने तीनों शवों को पानी से बाहर निकाल लिया है। इस संबंध में मामला दर्ज कर लिया गया है तथा विस्तृत जांच जारी है।

गहलोत ने पीएम से राज्य का ऑक्सीजन कोटा बढ़ाने का आग्रह किया

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से ऑक्सीजन का कोटा बढ़ाने का आग्रह किया। गहलोत ने ट्वीट के जरिए बताया प्रदेश में कोविड की स्थिति को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से फोन पर चर्चा हुई। उन्हें प्रदेश की स्थिति से अवगत कराने के साथ ही संक्रमितों के आधार पर ऑक्सीजन की उपलब्धता की मांग की। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री ने इसे शीघ्र ही हल करने का आश्वासन दिया है। प्रधानमंत्री के निर्देश के बाद इस संबंध में रेल मंत्री पीयूष गोयल से भी चर्चा हो गई है। उम्मीद है जल्दी ही प्रदेश का ऑक्सीजन आवंटन केन्द्र द्वारा बढ़ा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से भी आग्रह किया कि पहले की तरह खाली ऑक्सीजन टैंकर जामनगर, हजीरा इत्यादि तक भेजने के लिए वायु सेना की सेवाएं चालू रखी जाएं। गहलोत ने कहा राजस्थान की भौगोलिक स्थिति को देखते हुए डीआरडीओ द्वारा लगाए जाने वाले ऑक्सीजन संयंत्र की संख्या भी 15 से बढ़ाकर इन्हें सभी जिलों में स्थापित करने की मांग की है।

नासिक : अस्पताल में हंगामा करने के आरोप में भाजपा के स्थानीय नेता पर मामला दर्ज

नासिक। नासिक में पुलिस ने भाजपा के एक स्थानीय नेता पर सरकारी अस्पताल में कथित तौर पर संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और इसके कर्मचारियों पर हमला करने के लिए मामला दर्ज किया है। यह जानकारी रविवार को पुलिस ने दी। घटना नासिक रोड के बायटको अस्पताल में शनिवार की देर रात को हुई। पुलिस ने भाजपा पार्षद सीमा ताजने के पति राजेंद्र ताजने के खिलाफ मामला दर्ज किया है। राजेंद्र ताजने के पिता की कोविड-19 के उपचार के दौरान पिछले दिनों इसी अस्पताल में मौत हो गई थी। नासिक स्थानीय निकाय के स्वास्थ्य अधिकारी ने इस बारे में उनके खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया, शिकायत के मुताबिक ताजने ने अपनी कार अस्पताल के शीशे के प्रवेश द्वार से टकरा दी और संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। उन्होंने कर्मचारियों पर हमला किया और वहां एक रोगी के रिश्तेदार से गाली-गलौच की तथा उसे धमकी दी। बहरहाल, घटना में कोई जख्मी नहीं हुआ। पुलिस ने उस पर भादंसं की विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया है।

झालवाड़ में झड़प में दो लोगों की मौत

कोटा। राजस्थान के झालावाड़ जिले में पिपलाज बांध के नजदीक एक खेत के पास मिट्टी के कथित अवैध खनन को लेकर दो समूहों के बीच हुई झड़प में दो लोगों की मौत हो गई और एक अन्य घायल हो गया। पुलिस सूत्रों ने रविवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शनिवार दोपहर बाद भवानी मंडी थाना क्षेत्र के गंगपुरा गांव के पास हुई हिंसा के सिलसिले में पंद्रह लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और उनमें से 10 को हिरासत में लिया गया है। मृतकों की पहचान गंगपुरा गांव निवासी गिरिराज गुर्जर (35) और बसंतीलाल गुर्जर (25) के रूप में हुई है। पुलिस उपाधीक्षक एवं भवानी मंडी के क्षेत्राधिकारी गोपीचंद मीणा ने बताया कि 15-20 लोगों का एक समूह एक कृषि क्षेत्र के पास पिपलाज बांध के नजदीक रेत खनन कर रहा था।

बेंगलुरू में कोरोना महामारी की दूसरी लहर के बीच टीकाकरण के बाद केन्द्र में आब्जर्वेशन के लिए बैठे हुए लोग

पूर्व-पश्चिम मेट्रो गलियारे के लिए सुरंग बनाने का कार्य पूरा: अधिकारी

भाषा। कोलकाता

पिछले दो वर्षों में आई कई बाधाओं को पार करते हुए 16.6 किलोमीटर लंबे पूर्व-पश्चिम मेट्रो गलियारे की सुरंग बनाने का कार्य अंततः पूरा कर लिया गया है। एक अधिकारी ने रविवार को यह जानकारी दी।

कोलकाता मेट्रो रेल कॉर्पोरेशन (केएमआरसी) के अधिकारी ने बताया कि एक दुर्घटना में सुरंग खुदाई की दो मशीनों (टीबीएम) में से एक बुरी तरह टूट गई थी जिसकी मरम्मत संभव नहीं थी लेकिन रैपिड ट्रांजिट सिस्टम के लिए कार्य को कोविड के कारण लगाए गए राज्यव्यापी लॉकडाउन के प्रभावी होने से पहले एक ही मशीन से पूरा कर लिया गया।

टीबीएम उर्वी को आवश्यक नवीनीकरण और इस साल जनवरी में निरीक्षण के बाद कार्य में शामिल कर सुरंग के लंबित कार्य को पूरा किया गया। यह सुरंग बहूबाजार से सियालदाह को जोड़ेगी।

बहूबाजार में 31 अगस्त 2019 को जमीन के गहरे धंसने और इमारतों के ढहने के कारण टीबीएम चंडी एक्वीफाइयर से टकरा गया था जिसके बाद से सुरंग निर्माण का कार्य रोक दिया गया था।

निर्माण कार्य फरवरी, 2020 में शुरू हुआ लेकिन एक महीने बाद राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगने के बाद फिर रुक गया। हालांकि, पिछले साल जून में लॉकडाउन में ढील देने के बाद कार्य फिर से शुरू हो गया था। दुर्घटना से पहले दोनों टीबीएम साथ-साथ काम कर रहे थे और सुरंग के दोनों सिरे से खुदाई जारी थी।

पन्ना अभयारण्य में बाघिन मृत पाई गई, नौ दिन में मिला पांचवां शव

पन्ना (मप्र)। मध्य प्रदेश के पन्ना बाघ अभयारण्य में छह वर्षीय एक बाघिन का शव मिला है। राज्य में पिछले नौ दिन में पांच बाघ, बाघिन एवं बाघ शावकों की मौत हुई है। पन्ना बाघ अभयारण्य के क्षेत्र संचालक उत्तम कुमार शर्मा ने रविवार को बताया, पन्ना बाघ अभयारण्य के गहरीघाट परिक्षेत्र के बीट कोनी में कोनी नाला में बाघिन पी-213 (32) शनिवार को मृत पाई गई। इस बाघिन के पैर में सूजन होने की जानकारी उन्हें 12 मई को मिली थी। जानकारी मिलने पर दूसरे ही दिन से उसका इलाज शुरू करा दिया गया था।

वन्यप्राणी चिकित्सक ने 13 एवं 14 मई को बाघिन का उपचार किया, जिससे इस बाघिन के पैर की सूजन कम हुई तथा उसने लंगड़ाना भी बंद कर दिया, लेकिन अज्ञात कारणों के चलते शनिवार को उसकी मौत हो गई। उन्होंने कहा कि बाघिन की मौत कैसे और किस बीमारी के कारण हुई, इस संबंध में अभी कुछ भी बता पाना संभव नहीं है।

शर्मा ने बताया कि मृत बाघिन के विसरा आदि के नमूने लिए गए हैं, जिसकी जांच उपरांत उसकी मौत का सही कारण स्पष्ट हो सकेगा। मौत का कारण प्रथम दृष्ट्या प्राकृतिक प्रतीत होता है। शर्मा ने बताया कि बाघिन के शव का पोस्टमार्टम किया गया है और बाघिन के शरीर में कहीं किसी भी प्रकार की चोट के निशान भी नहीं पाए गए।

इस बाघिन की मौत से एक दिन पहले शुक्रवार को प्रदेश के बांधवगढ़ बाघ अभयारण्य के बफर जोन में एक बाघ का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला था। प्रदेश के बैतूल जिले में 11 मई को करीब एक साल के बाघ शावक का शव रेल की पटरियों के पास मिला था। कान्हा बाघ अभयारण्य के भैंसाघाट रेंज में आठ मई को 13 साल के एक बाघ का शव मिला था और सात मई को बालाघाट जिले के वारासिवनी वन परियोजना अंतर्गत ग्राम खडगपुर अंसेरा के वन में नहर किनारे करीब डेढ़-दो साल का एक बाघ मृत पाया गया था।

कोविड केंद्रों में सशस्त्र बल कर रहे हैं पशु चिकित्सा कोर के कर्मियों का भी उपयोग

भाषा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर से निपटने के लिए सशस्त्र बलों ने चिकित्सा देखभाल सेवा को मजबूती देने के उद्देश्य से रोगी देखभाल केंद्रों में पशु चिकित्सा कोर के चिकित्सकों व अन्य कर्मियों की भी तैनाती की है। अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। महामारी के मद्देनजर संयुक्त सशस्त्र बलों द्वारा ऑपरेशन को-जीत के तहत राष्ट्रीय राजधानी, लखनऊ अहमदाबाद, वाराणसी और पटना में विशेष रूप से स्थापित किए गए कोविड-19 केंद्रों में कोर के करीब 18 अधिकारी, 120 जूनियर कमीशंड अधिकारी (जेसीओ) और अन्य कर्मी तैनात हैं।

को-जीत तीनों सशस्त्र सेवाओं के लिए सहकर्मियों के लिए है जो अंततः कोविड-19 के खिलाफ जीत हासिल करेंगे। ऑपरेशन को-जीत के तहत सेना, वायुसेना और नौसेना के कर्मी, ऑक्सीजन आपूर्ति श्रृंखला को बहाल करने, कोविड बिस्तर तैयार करने तथा सक्रमण का प्रसार रोकने के लिए नागरिक प्रशासन की मदद करने में जुटे हुए हैं। रक्षा विभाग ने भी एक कोविड आपदा प्रबंधन समिति बनाई है।

अधिकारियों ने बताया कि पशुचिकित्सा कोर (आरवीसी) के कर्मचारी सुविधा केंद्रों पर तैनात होंगे और अस्थाई (कोविड) अस्पतालों में भर्ती मरीजों के परिजनों को जानकारी उपलब्ध कराएंगे। अधिकारियों, जेसीओ और अन्य कर्मियों को चिकित्सा कर्मियों की मदद के लिए कोविड-19 देखभाल केंद्रों पर तैनात किया जाएगा और वे मरीज के व्याकुल परिजनों और तीमारदारों को समय पर सूचना उपलब्ध कराएंगे।

मरीजों के परिजन और तीमारदार अपने मरीज की हालत के बारे में जानने के लिए अस्थाई केंद्रों के बाहर जुटे रहते हैं और ऐसे में संक्रमित मरीजों की चिकित्सीय देखभाल में तैनात कर्मियों को बाहर आकर जानकारी देनी पड़ती थी। अधिकारियों ने कहा कि पशु चिकित्सा कोर के कर्मियों की तैनाती से चिकित्सा कर्मियों पर बोझ कम होगा। उन्होंने कहा कि कोविड-19 पशुजन्य बीमारी है और पशुचिकित्सा विज्ञान पूरी तरह से मानव शरीर के औषध विज्ञान व जैव रसायन के समान है। आरवीसी का इतिहास 200 सालों से भी ज्यादा पुराना है और पशु चिकित्सा सेवा और अन्य चीजों के अलावा वो रोग निदान व जांच तथा उभरती बीमारियों के बारे में शोध का काम भी करते हैं। आरवीसी लगातार पशुजन्य रोगों की रोकथाम के काम में भी शामिल रहता है। पशुजन्य रोग या जूनोज कीटाणुओं के कारण होते हैं जो जानवरों और इंसानों के बीच फैल सकते हैं। ये विषाणु, जीवाणु, परजीवी और कवक के कारण होते हैं।

गुवाहाटी में बीती रात आये तूफान कई जगह पेड़ व बिजली के खंभे उखड़ कर गिर गये

कर्नाटक सरकार आपदा प्रबंधन को करेगी मजबूत

● 15 करोड़ की राशि जरूरी उपकरणों की खरीद तथा राज्य आपदा मोचन बल को दी जाएगी

भाषा। बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने आपदा प्रबंधन को मजबूत करने का निर्णय लिया है, जिसके लिए 15 करोड़ रुपए दिए जाएंगे। राज्य के गृह राज्यमंत्री बसवराज बोम्मई ने रविवार यह बात कही। उन्होंने कहा कि यह राशि जरूरी उपकरणों की खरीद तथा राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की दो और कंपनियां तैयार करने में इस्तेमाल की जाएगी। मंत्री ने कहा, हमारी सरकार एसडीआरएफ को मजबूत करने एवं कर्मियों की संख्या बढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास कर रही हैं पिछली बार हमने 100 पूर्व सैन्यकर्मियों की भर्ती की थी। इस साल हम 100 और की भर्ती करेंगे। उन्होंने कहा कि पहले से ही एसडीआरएफ की चार कंपनियों के 434 लोग बेंगलुरु, मंगलुरु, कलबुर्गी और मैसुरू में हैं और अब दावणगेरे में एक तथा हुबली-धारवाड़ एवं बेलगावी क्षेत्र के बीच भी एक कंपनी खड़ी करने का फैसला किया गया है क्योंकि बेलगावी को बार-बार बाढ़ का सामना करता है। उन्होंने कहा, सरकार ने आपदा प्रबंधन को मजबूत करने का निर्णय लिया है और इस साल अर्थमूवर, करीब 14 एंबुलेंसों जैसे उपकरणों की खरीद एवं एसडीआरएफ की दो कपंनियां खड़ी करने एवं अन्य कार्यों के लिए 15 करोड़ रूपए दिए जाएंगे। मंत्री का बयान ऐसे समय आया है, जब चक्रवाती तूफान तौकते ने तटीय एवं मलनाड जिले के आस-पास कहर बरपाया है। इन जिलों में पिछले तीन वर्षों से भारी बारिश, बाढ़ एवं भूस्खलन से जान-माल का नुकसान हो रहा है। उन्होंने कहा कि चक्रवात प्रभावित उडुपी में उपकरणों की एक खेप भेजी गई है तथा साथ ही मंगलुरु, कारवार एवं उडुपी में बस, ट्रक जैसे वाहन भेजे जा रहे हैं।

गोवा सरकार ने निजी अस्पतालों को अपने अधिकार में लिया

भाषा। पणजी

गोवा सरकार ने कोविड-19 रोगियों को उपचार उपलब्ध कराने के लिए आपदा प्रबंधन कानून के तहत निजी अस्पतालों को अपने अधिकार में लेने के लिए रविवार को आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि सरकार द्वारा नामित अधिकारियों के निर्देशों के अनुरूप इन अस्पतालों में 50 प्रतिशत बिस्तरों पर कोविड रोगियों को भर्ती किया जाएगा और राज्य सरकार संचालित बीमा योजना के लाभार्थियों के उपचार पर होने वाले खर्च का भुगतान सरकार द्वारा किया जाएगा। आपदा प्रबंधन कानून 2005 की धारा 65 के तहत राज्य कार्यकारी समिति के सचिव संजय कुमार द्वारा जारी यह आदेश एक महीने के लिए लागू होगा। नियमों के उल्लंघन का हवाला देते हुए गोवा के मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने शनिवार को कहा था कि राज्य सरकार कोविड रोगियों के उपचार से जुड़े गोवा के सभी 21 निजी अस्पतालों में मरीजों को भर्ती करने का काम 17 मई से अपने हाथ में लेगी। उन्होंने कहा था कि इस कदम से गोवा मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल जैसे चिकित्सा प्रतिष्ठानों पर भार कम होगा। कुमार ने आदेश में कहा कि सक्षम प्राधिकार ने कोविड रोगियों को उपचार उपलब्ध कराने के लिए आपदा प्रबंधन कानून 2005 की धारा 65 के तहत आदेश जारी होने की तारीख से एक महीने के लिए या अगले आदेश तक निजी अस्पतालों का अधिकार अपने हाथ में लेने का निर्णय किया है। इसमें कहा गया है कि राज्य सरकार संचालित बीमा योजना के लाभार्थियों के उपचार पर होने वाले खर्च का भुगतान इन अस्पतालों को सरकार द्वारा किया जाएगा। आदेश के अनुसार मौजूदा अस्पताल प्रबंधन अस्पतालों तथा इनकी सेवाओं के संचालन का काम जारी रखेंगे।

महाराष्ट्र के अमरावती में पूर्ण लॉकडाउन के दौरान आने जाने वाले लोगों से पूछताछ करता पुलिसकर्मी

मेंगलुरु तट पर पलटी एक और नौका, दो की मौत, तीन लापता

भाषा। मेंगलुरु

कर्नाटक के मेंगलुरु में रविवार को कौप तट के नजदीक चट्टानों से टकराने के बाद एक नौका डूब गई जिसके कारण उसमें सवार दो लोगों की मौत हो गई जबकि तीन अन्य लोग लापता हो गए। इस नौका में आठ लोग सवार थे। मेंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकैमिकल्स लिमिटेड (एमआरपीएल) ने एक वक्तव्य जारी कर इस बात की जानकारी दी। इससे पहले शनिवार को कोरोमंडल नामक एक अन्य नौका के पलट जाने से उसमें सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच लापता हो गए, जबकि दो लोगों को बचा लिया गया था।

एमआरपीएल के कारोबारी संचार मामलों के महाप्रबंधक रुडोल्फ नोरोन्हा ने बताया कि नौका में सवार आठ लोगों में से तीन तट पर पहुंच गए हैं जिन्हें अधिकारियों ने स्वास्थ्य निगरानी में रखा है। रुडोल्फ ने कहा कि शनिवार को उडुपी जिले में कौप तट के पास डूबी कोरोमंडल नामक नौका का एमआरपीएल से कोई संबंध नहीं है। उन्होंने कहा कि रविवार को डूबी अलायंस नामक नौका का संबंध अंडरवाटर सर्विस कंपनी लिमिटेड से है। यह कंपनी अपनी नौकाओं के जरिए कच्चे तेल के साथ आने वाले बड़े-बड़े जहाजों के आवागमन में मदद करती है। इससे पहले शनिवार को एनएमपीटी के अनुबंध के तहत कार्य करने वाली एक नौका मेंगलुरु तट के नजदीक डूब गई थी। इस हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि पांच अन्य लापता हो गए। चालक दल के दो सदस्यों को बचा लिया गया और पांच लोगों की तलाश जारी है। एमआरपीएल को मिली जानकारी के मुताबिक हादसे के समय उस नौका पर कुल आठ लोग सवार थे। चालक दल के आठ सदस्यों में से तीन लोग सुरक्षित तट के किनारे पर पहुंच गए जबकि दो लोगों की मौत हो गई।

तेलंगाना में कोरोना संक्रमण के कुल मामले 5.28 लाख हुए

हैदराबाद। तेलंगाना में रविवार को कोविड-19 के 3,816 नए मामले आए, जिससे राज्य में संक्रमण के कुल मामले बढ़कर 5.28 लाख को पार कर गए, जबकि महामारी से 27 और मौतें होने से मृतकों की संख्या 2955 हो गई। राज्य में कोरोना का कहर जारी है। सरकार की ओर से इसे रोकने के हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। एक सरकारी बुलेटिन में कहा गया कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) में सबसे अधिक 668 मामले आए हैं, उसके बाद रंगारेड्डी में 326 और मेडचल मलकजगिरी में 293 मामले आए। राज्य में कोविड के कुल मामले 5,28,823 हैं, जबकि 5892 मरीजों के ठीक होने के बाद राज्य में अब तक ठीक हो चुके मरीजों की कुल संख्या बढ़कर 4,74,899 हो गई। राज्य में अब तक कुल 1.40 करोड़ से अधिक नमूनों की जांच की गई है।

पारिवारिक चिकित्सक कोरोना के खिलाफ लड़ाई में साथ दें: ठाकरे

● मरीज अपने फैमिली डॉक्टरों पर रखें भरोसा

भाषा। मुंबई

महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे ने पारिवारिक चिकित्सक के रूप में अपनी सेवा दे रहे डॉक्टरों से रविवार को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में राज्य का साथ देने तथा घर में पृथक-वास में रह रहे अपने मरीजों को सही उपचार परामर्श देने की अपील की। निजी प्रैक्टिस करने वाले डॉक्टरों एवं कोविड -19 कार्यबल के सदस्यों के साथ डिजिटल संवाद के दौरान ठाकरे ने कहा कि मरीजों को किसी अन्य के बजाय अपने पारिवारिक चिकित्सकों पर अधिक भरोसा करना चाहिए। मुख्यमंत्री ने कहा, घरों में पृथक-वास में रह रहे कोविड-19 मरीजों की उपचार प्रक्रिया तब प्रभावी ढंग से संभाली जा सकती है, यदि पारिवारिक डॉक्टर इस वायरस संबंधी संक्रमण के विरूद्ध लड़ाई से जुड़ जाएं। उन्होंने कहा कि पारिवारिक चिकित्सक कोविड-19 मरीजों की स्थिति, उनकी अन्य गंभीर रोगग्रस्तता, घरों में पृथक-वास के दौरान उनके शरीर में ऑक्सीजन स्तर आदि का मूल्यांकन करके उन्हें अस्पतालों में भर्ती की जरूरत के बारे में प्रभावी तरीके से मार्गदर्शन कर सकते हैं। ठाकरे ने कहा, यदि घरों में पृथक-वास में बिना लक्षण वाले मरीज का प्रभावी उपचार कर दिया जाता है तो कोविड-19 से होने वाली मृत्यु की दर को कम करने में मदद मिलेगी।

गुजरात में सीबीआई ने दो किया गिरफ्तार

अहमदाबाद। सीबीआई ने अहमदाबाद में केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ) के दो अधिकारियों को चिकित्सा उपकरण बनाने वाले एक व्यक्ति से कथित तौर पर 3.50 लाख रुपए की रिश्वत लेने के आरोप में गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा कि दोनों आरोपियों ने एक चिकित्सा उपकरण निर्माण लाइसेंस (एमडी-9) जारी करने के संबंध में शिकायतकर्ता की इकाई का निरीक्षण किया था और उसकी मदद करने के एवज में कथित तौर पर उससे 3.50 लाख रुपए की मांग की थी। उसमें कहा गया है कि व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई जिसके बाद केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने जाल बिछाया और आरोपी को रिश्वत लेते हुए पकड़ लिया। विज्ञप्ति में कहा गया कि सीबीआई ने दोनों आरोपियों के परिसरों की भी तलाशी ली और वहां से 25 लाख रुपए से अधिक नकद और कुछ दस्तावेज बरामद किए।

आंध्र प्रदेश में एक दिन में आए रिकार्ड मामले

● 24,171 नए मामले

भाषा। अमरावती

आंध्र प्रदेश में रविवार को कोविड-19 के रिकार्ड 24,171 नए मामले सामने आए, जबकि इस दौरान 101 मरीजों की मौत हो गई। आंध्र प्रदेश के स्वास्थ्य विभाग ने बुलेटिन जारी कर इस बात की जानकारी दी। एक सप्ताह में यह दूसरा दिन है जब कोरोना वायरस संक्रमण से 100 से अधिक लोगों की मौत हुई है। बुलेटिन के मुताबिक पिछले 24 घंटे के दौरान 21,101 लोग इस जानलेवा संक्रमण से ठीक भी हुए हैं। राज्य में अब तक 1.79 करोड़ नमूनों की जांच हो चुकी है जबकि नए मामले सामने आने के बाद कुल संक्रमितों की संख्या बढ़कर 14,35,491 पहुंच गई है। कोरोना वायरस संक्रमण की दर बढ़कर आठ प्रतिशत हो गई है। आंध्र में अब तक 12,15,683 लोग इस जानलेवा वायरस को मात दे चुके हैं जबकि 9,372 लोगों की इस महामारी से मौत हो चुकी है। राज्य में कोविड-19 के उपचाराधीन मरीजों की संख्या 2,10,436 है। अनंतपुरामू जिले में कोविड-19 के सबसे अधिक 3,356 नए मामले सामने आए हैं। चित्तूर में 2,885, पूर्वी गोदावरी में 2,876, पश्चिम गोदावरी में 2,426 और विशाखापत्तनम में 2,041 नए मामले सामने आए हैं। अनंतपुरामू में ही कोविड-19 के सर्वाधिक 14 मरीजों की मौत हुई है। विशाखापत्तनम में 11, चित्तूर में 10, पूर्वी गोदावरी, गुंटूर, कृष्णा और विजयनगरम में नौ-नौ, एसपीएस नेल्लोर में सात, कुरनूल, प्रकाशम और श्रीकाकुलम में छह-छह, पश्चिम गोदावरी में तीन जबकि कडपा जिले में कोरोना वायरस संक्रमण से दो लोगों की मौत हुई है।

रांची में झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन चेशायर होम में विकलांग लोगों से मुलाकात करते हुए

नड्डा ने चिकित्सा सामग्री की खेप को रवाना किया

नई दिल्ली। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने अपनी पार्टी के सेवा ही संगठन अभियान के तहत कोविड-19 से निपटने में लोगों की मदद के लिए हिमाचल प्रदेश को मास्क, दवाओं और अन्य जरूरी सामग्रियों की बड़ी खेप को रविवार को रवाना किया। भाजपा के एक बयान के मुताबिक, मानवता के इतिहास में कोविड-19 महामारी को सबसे बड़ा स्वास्थ्य संकट बताते हुए नड्डा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारतीय साथ मिलकर इसका मुकाबला कर रहे हैं और वायरस के खिलाफ इस युद्ध में विजई होंगे। नड्डा ने कहा कि भाजपा कार्यकर्ता अस्पतालों, सामाजिक संगठनों और प्रशासन को चिकित्सकीय सामग्री और राहत सामग्री मुहैया करा रहे हैं। देश भर में कार्यकर्ताओं ने 1200 से ज्यादा रक्तदान शिविर भी आयोजित किए हैं ।

ब्लैक फंगस के उपचार के लिए जरूरी इंजेक्शन बाजार से गायबः दिग्विजय

भाषा। भोपाल

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने रविवार को दावा किया कि कोविड-19 का इलाज करा रहे या ठीक हुए कुछ व्यक्तियों में हो रहे दुर्लभ म्यूकरमाइकोसिस यानी ब्लैक फंगस संक्रमण के उपचार के लिए जरूरी एम्फोटेरिसिन इंजेक्शन अचानक बाजार से गायब हो गए हैं। मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में प्रदेश से राज्यसभा सांसद दिग्विजय ने कहा कि समाचार माध्यमों से ज्ञात हुआ है कि प्रदेश में कोविड के बाद ब्लैक फंगस बीमारी तेजी से फैल रही है और अकेले भोपाल शहर में ही 70 से ज्यादा ब्लैक फंगस के ज्ञात मरीज हैं जिनमें से 23 शासकीय हमीदिया अस्पताल में भर्ती हैं।उन्होंने कहा कि प्रदेश के अनेक शहरों से ब्लैक फंगस के मरीजों के अस्पताल में भर्ती होने की खबरें आ रही हैं।दिग्विजय ने दावा किया, इस बीमारी के उपचार के लिए आवश्यक एंटीफंगल इंजेक्शन एम्फोटेरिसिन अचानक बाजार से गायब हो गया है तथा मरीज के परिजन इसे लेने के लिए दवा की दुकानों पर भटक रहे हैं। उन्होंने लिखा, जिस तरह से मध्य प्रदेश में कोविड के उपचार हेतु उपयोगी रेमडेसिविर इंजेक्शन की कालाबाजारी हो रही है और नकली इंजेक्शन के धंधे में कई लोग शामिल पाए गए हैं, उससे आशंका उत्पन्न होती है कि कहीं एम्फोटेरिसिन इंजेक्शन की भी कालाबाजारी और नकली इंजेक्शन का कारोबार प्रारंभ न हो गया हो। दिग्विजय ने कहा, मेरा आपसे (मुख्यमंत्री चौहान) अनुरोध है कि ब्लैक फंगस के उपचार हेतु जरूरी इंजेक्शन एम्फोटेरिसिन की मरीजों के लिए अस्पतालों के माध्यम से आसानी से उपलब्धता सुनिश्चित की जाए।

इजराइल में जान गंवाने वाली सौम्या का अंतिम संस्कार

इडुक्की। फलस्तीनी रॉकेट हमले की चपेट में आकर इजराइल में जान गंवाने वाली सौम्या संतोष को रविवार को कीरिथोदु के एक ईसाई कब्रिस्तान में दफनाया गया। इस दौरान कोविड-19 बचाव नियमों का पालन सुनिश्चित किया गया। वरिष्ठ पादरी फादर जोस प्लाचिकल ने कहा कि सौम्या के अंतिम संस्कार की रस्में कीरिथोदु के नित्या सहाय माता गिरजाघर में अपराह्न करीब 3:45 बजे पूरी की गईं। इस दौरान, सायरो-मालाबार गिरिजाघर प्रमुख कार्डिनल जॉर्ज एलेनचेरी का एक संदेश पढ़ा गया। इससे पहले, कोविड संबंध बचाव नियमों का पालन करते हुए लोगों ने सौम्या के आवास पर पार्थिव शरीर को श्रद्धांजलि अर्पित की। स्थानीय लोगों और नेताओं के अलावा दक्षिण भारत में इजराइल के राजनयिक ने भी सौम्या के घर पहुंचकर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

पेज 1 का शेष

कई गुना बढ़ी...

चूंकि जिस तरह दवाई और अन्य मेडिकल उपकरणों में लोग कालाबाजारी व जमाखोरी कर रहे हैं, कफन में ऐसा नहीं है। हम इसे पूरी ईमानदारी के साथ और पहले की तरह ही कम कीमत पर आपूर्ति कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि सभी धर्मों के लोगों को कफन की आवश्यकता होती है, लेकिन क्षेत्र और कपड़े और उसके आकार के हिसाब से कीमत 100 रुपये से लेकर 1000 रुपये तक हो सकती है। कॉटन कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (सीसीआई) में आधिकारिक सूत्रों के अनुसार कफनों की मांग में वृद्धि वास्तव में दुर्भाग्यपूर्ण है। हालांकि सीसीआई 1 मई से सूती धागे की कीमतों में गिरावट के कारण चिंतित है। लगभग सभी प्रकार के यार्न की कीमतों में कम से कम 10 रुपये प्रति किलो की गिरावट आई है, क्योंकि कोरोनो वायरस की दूसरी लहर के कारण मांग कम हो गई है। गुजरात के एक कपास व्यापारी आनंद पोपट के अनुसार, कपड़ा मिलों में उत्पादन गिर गया है। इससे यार्न का उठान नहीं हो पा रहा है।

चक्रवाती तूफान से...

बृहन्नमुंबई म्यूनिसपल कॉरपोरेशन (बीएमसी) ने घोषणा की थी कि आईएमडी के चक्रवात आने की घोषणा के कारण 16 व 17 मई के दौरान टीकाकरण अभियान नहीं चलाया जाएगा। बीएमसी ने कहा कि टीकाकरण कार्यक्रम मंगलवार से लागू किया जाएगा। चेतावनी जारी होने के बाद बीएमसी ने राज्य और नागरिक संचालित अस्पताल से कोविड-19 के 500 मरीजों को स्थानांतरित किया है। आईएमडी ने मुंबई में ऑरेंज अलर्ट जारी करते हुए भारी बारिश का अनुमान लगाया है। इसके अलावा उत्तरी कोंकण, थाणे, रत्नागिरी, पालघर समेत महाराष्ट्र के दूसरे हिस्सों में तेज हवाओं और भारी बारिश के कारण टीकाकरण अभियान प्रभावित हुआ। खराब मौसम के कारण गुजरात में भी टीकाकरण अभियान रविवार को प्रभावित रहा। विजय रूपाणी सरकार ने चक्रवाती तूफान के बाद के हालात के लिए स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा आपातकालीन सेवा देने के लिए सोमवार और मंगलवार को टीकाकरण अभियान को स्थगित कर दिया है। सरकार ने कोविड-19 मरीजों के इलाज करने वाले अस्पतालों के लिए लगातार बिजली व्यवस्था और आठ उत्पादन इकाइयों से बिना रुकावट ऑक्सीजन आपूर्ति सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए हैं।

गांवों को कोरोना...

साथ ही ऐसा करते समय आवश्यक सावधानी बरतें जिसमें मेडिकल मास्क का इस्तेमाल तथा अन्य उचित एहतियात बरतना शामिल है। एसओपी में कहा गया है, घर पर पृथक वास कर रहे मरीज को किट उपलब्ध कराई जाए जिसमें पैरासिटामोल 500 मिलीग्राम, आइवरमैक्टिन, खांसी की सिरप, मल्टीविटामिन जैसी आवश्यक दवाओं के साथ ही एक विस्तृत पैम्फ्लेट हो जिसमें घर पर पृथक वास के दौरान बरते जाने वाले एहतियात की जानकारी और लक्षण गंभीर होने पर संपर्क करने की जानकारी शामिल हो। मंत्रालय ने कहा कि शहरी क्षेत्रों से जुड़े इलाकों, ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में तीन स्तरीय व्यवस्था होनी चाहिए यानी हल्के या बिना लक्षण वाले मरीजों से निपटने के लिए कोविड देखभाल केंद्र, मध्यम लक्षण वाले मामलों के लिए समर्पित कोविड स्वास्थ्य केंद्र तथा गंभीर मामलों से निपटने के लिए समर्पित कोविड अस्पताल होना चाहिए। सीसीसी अस्थाई केंद्र होते हैं जो स्कूलों, सामुदायिक हॉल, शादी समारोह हॉल, पंचायत इमारतों में बनाए जा सकते हैं। ऐसे कोविड देखभाल केंद्रों के पास बेसिक लाइफ सपोर्ट एम्बुलेंस होनी चाहिए जिसमें चौबीसों घंटे पर्याप्त ऑक्सीजन उपलब्ध हो। इन इलाकों में प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों या सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों और उप जिला अस्पतालों में समर्पित कोविड स्वास्थ्य केंद्र होने चाहिए। इसमें कम से कम 30 बिस्तरों की व्यवस्था होनी चाहिए। मामले बढ़ने पर जिले को बिस्तरों की संख्या बढ़ाने के लिए तैयार रहना चाहिए।

कोविशील्ड टीके की...

स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा, जो लाभार्थी पहले ही दूसरी खुराक के लिए समय ले चुके हैं, वह वैध रहेगा और को-विन पर उसे रद्द नहीं किया जा रहा है। साथ ही लाभार्थियों को सलाह दी जाती है कि वे दूसरी खुराक के लिए पहली खुराक लेने की तारीख से 84 दिन बाद का समय प्राप्त करें।

कांग्रेस सांसद...

महाराष्ट्र के स्वास्थ्य मंत्री राजेश टोपे ने कहा था कि संक्रमण से उबरने के बाद सातव साइटोमेगलो वायरस से संक्रमित हो गए थे। हालांकि, अस्पताल ने मंत्री के दावों पर टिप्पणी नहीं की। सातव ने 22 अप्रैल को ट्वीट किया था था कि वह कोविड-19 से संक्रमित हो गए हैं। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने सातव के निधन पर दुख जताया और कहा कि यह उनके लिए बहुत बड़ी क्षति है। उन्होंने ट्वीट किया, मैं अपने मित्र राजीव सातव के निधन से बहुत दुखी हूं। उनमें एक नेता के तौर पर असीम संभावनाएं थी और उन्होंने कांग्रेस के आदर्शों को आत्मसात कर लिया था। यह हम सभी के लिए बहुत बड़ी क्षति है। उनके परिवार के प्रति मेरी संवेदनाएं हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने सातव को पार्टी का उभरता सितारा बताया जो अपने समर्पण तथा निष्ठा के लिए जाने जाते थे। सोनिया गांधी ने अपने शोक संदेश में कहा कि वह सभी के लिए विश्वस्त सहकर्मी और मित्र रहे पार्टी नेता के निधन से बहुत दुखी हैं। उन्होंने कहा कि यह उनके लिए निजी क्षति है।

केंद्रीय मंत्री वीके...

ग्राम प्रधान ने कहा कि हालांकि, स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने संक्रमण के प्रसार को रोकने के लिए गांव में जांच और स्क्रीनिंग तेज कर दी है। उन्होंने कहाकि पिछले कुछ दिनों के दौरान 150 से अधिक लोगों की जांच की गई और केवल एक ही व्यक्ति संक्रमित पाया गया। नरेश ने कहा कि राज्य सरकार टीकाकरण शिविर भी लगा रही है और हाल में लगाए गए एक शिविर को ग्रामीणों से अच्छी प्रतिक्रिया मिली। सरपंच ने कहा कि बापोड़ा को फौजियों के गांव के रूप में भी जाना जाता है और यह केंद्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह का पैतृक गांव भी है। बापोड़ा एकमात्र ऐसा गांव नहीं है जहां संदिग्ध कोविड-19 के कारण इतनी अधिक संख्या में मौतें हुई हैं। पिछले महीने रोहतक के टिटोली गांव में 21 लोगों की मौत हुई थी, लेकिन अधिकारियों ने कहा कि इनमें से केवल चार की मौत संक्रमण के कारण होने की पुष्टि हुई। हाल के सप्ताहों में भिवानी के मुंधल खुर्द और मुंधल कलां गांवों में भी लगभग 40 मौतें होने की खबरें आई थीं। इस तरह की घटनाओं पर विपक्ष ने मांग की थी कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड-19 जांच बढ़ाई जानी चाहिए। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड-19 की समस्या से निपटने के लिए एक कार्यबल गठित करने की मांग की थी।

अदालत ने हिरासत में रखे गए विदेशियों की रिहाई की शर्त में छूट दी

गुवाहाटी। गौहाटी उच्च न्यायालय ने कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर की असाधारण परिस्थितियों के मद्देनजर घोषित विदेशियों को जेलों से दो साल की हिरासत पूरी करने के बाद रिहा करने की शर्त में छूट दी है। उच्च न्यायालय ने उच्चतम न्यायालय के एक फैसले के बाद पिछले साल 15 अप्रैल को जारी एक आदेश में एक बंदी को दो साल पूरे करने के बाद 5,000 रुपए के निजी मुचलके और दो जमानतदार पेश करने पर रिहा करने की अनुमति दी थी। मुख्य न्यायाधीश सुधांशु धूलिया और न्यायमूर्ति मानश रंजन पाठक की एक खंडपीठ ने आदेश में यह कहते हुए संशोधन किया कि महामारी की स्थिति के कारण दो जमानतदारों के बजाय, विदेशी बंदी को अब केवल एक जमानत पर मुक्त किया जा सकता है। अदालत ने यह आदेश शम्सुल हक द्वारा दायर एक रिट याचिका पर सुनवाई के बाद पारित किया, जिसे विदेशी न्यायाधिकरण द्वारा विदेशी घोषित किया गया था। पीठ ने आदेश में कहा, इस आदेश की प्रतियां सभी जिलों के पुलिस अधीक्षकों को प्रेषित की जाएं, जिसमें सभी जेलों के अधीक्षक और ऐसे हिरासत स्थल के प्राधिकारी शामिल हों, जहां विदेशियों को बंद रखा गया है।

करंट लगने से परिवार के एक सदस्य की मौत, चार अन्य झुलसे

जयपुर। जयपुर के हरमाडा क्षेत्र में रविवार को ट्रांसफार्मर में गडबड़ी के चलते एक घर के फ्रिज में करंट आने से परिवार के एक सदस्य की मौत हो गई जबकि चार अन्य सदस्य झुलस गए। पुलिस ने बताया कि ट्रांसफार्मर में गड़बड़ी के चलते कई घरों में करंट से नुकसान हुआ और एक घर में फ्रिज में करंट आने से परिवार के पांच सदस्यों को बिजली का झटका लगा। जिससे एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि चार अन्य झुलस गए। उन्होंने बताया कि करंट से मोहम्मद रफीक की मौत हो गई।

पायनियर
नई दिल्ली, सोमवार, 17 मई, 2021

सौराष्ट्र के पूर्व क्रिकेटर, बीसीसीआई रैफरी राजेंद्र सिंह जडेजा का निधन

राजकोट। सौराष्ट्र के पूर्व तेज गेंदबाज और बीसीसीआई के रैफरी राजेंद्रसिंह जडेजा का कोविड-19 संक्रमण के कारण निधन हो गया। एससीए ने यह जानकारी दी। जडेजा 66 साल के थे। एससीए ने बयान में कहा, एससीए में सभी राजेंद्रसिंह जडेजा के असामयिक निधन से दुखी है जो सौराष्ट्र के अतीत के सबसे शानदार क्रिकेटरों में से एक थे। कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई लड़ते हुए आज तड़के उनका निधन हुआ। जडेजा दाएं हाथ के उम्दा तेज गेंदबाज होने के अलावा अच्छे आलराउंडर भी थे।

उत्तर कोरिया विश्व कप क्वालीफिकेशन से हटा

सोल। एशियाई फुटबॉल परिसंघ (एएफसी) ने घोषणा की है कि उत्तर कोरिया 2022 विश्व कप क्वालीफिकेशन से हट गया है। एएफसी ने रविवार को बयान में कहा, एएफसी पुष्टि करता है कि डीपीआर कोरिया फुटबॉल संघ एशियाई क्वालीफायर से हट गया है। प्योगयांग ने टूर्नामेंट के अगले महीने होने वाले क्वालीफायर से हटने का कोई आधिकारिक कारण नही बताया है।

ऊंची कूद के खिलाड़ी तेजस्विन शंकर को स्वर्ण

नई दिल्ली। भारत के ऊंची कूद के खिलाड़ी तेजस्विन शंकर ने अमेरिका के मैनहेटन में बिग 12 आउटडोर ट्रैक एवं फील्ड चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीता। कंसास स्टेट यूनिवर्सिटी का प्रतिनिधित्व कर रहे तेजस्विन ने शनिवार को 2.28 मीटर के प्रयास के साथ प्रतियोगिता का यूनिवर्सिटी की ओर से रिकॉर्ड बनाया। यह भारतीय खिलाड़ी का सत्र का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन भी है लेकिन वह अपने निजी सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से कुछ सेंटीमीटर पीछे रहे।

मनु को स्नातक की परीक्षा भी देंगी

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुकी भारतीय निशानेबाज मनु भाकर क्रोएशिया की राजधानी जगरेब में आयोजित होने वाली यूरोपीय चैम्पियनशिप में भाग लेने के साथ अपनी पढ़ाई जारी रखेगी और वहीं से स्नातक की परीक्षाएं देंगी। दिल्ली विश्वविद्यालय के प्रतिष्ठित लेडी श्रीराम महिला कॉलेज से राजनीति विज्ञान में स्नातक कर रही भाकर की परीक्षाएं 18 मई से शुरू होंगी जबकि ओसिजेक में होने वाली यूरोपीय चैम्पिनशिप का आगाज 20 मई से होगा।

तोक्यो पैरालंपिक के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम का चयन 15-16 जून को

नई दिल्ली। तोक्यो मे अगस्त-सितंबर मे होने वाले पैरालंपिक खेलो के लिए भारतीय पैरा एथलेटिक्स टीम का चयन 15 और 16 जून को यहां होने वाले दो दिवसीय ट्रायल के दौरान किया जाएगा। ट्रायल्स का आयोजन सरकार के सुरक्षा दिशानिर्देशों और कोविड-19 की मानक संचालन प्रक्रिया के तहत किया जाएगा। पीसीआई ने बयान में कहा, ट्रायल्स मे भाग लेने वाले खिलाड़ियों को 72 घंटे पहले की कोविड-19 नेगेटिव रिपोर्ट साथ मे लानी है।

विरोधी को फंसाने का हुनर जानते हैं विराट : पेन

● कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज

भाषा। मेलबर्न

ऑस्ट्रेलिया टेस्ट टीम के कप्तान टिम पेन ने कहा कि भारतीय कप्तान विराट कोहली दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं और वह विरोधी टीम पर उसी के अंदाज में प्रहार करते हैं। उन्होंने 2018-19 में भारतीय टीम के ऑस्ट्रेलिया दौरे का जिक्र करते हुए कहा कि वह भारतीय कप्तान के प्रतिस्पर्धी रवैए को हमेशा याद रखेंगे। इस 36 साल के विकेटकीपर बल्लेबाज ने पूर्व दिग्गज एडम गिलक्रिस्ट के पोडकास्ट गिली एंड गोस में कहा, विराट कोहली के लिए मैंने कई बार कहा है कि वह उस प्रकार के खिलाड़ी है जिसे आप अपनी टीम में रखना पसंद करेंगे। वह प्रतिस्पर्धी है। वह दुनिया के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज हैं। उन्होंने कहा, उनके (कोहली) खिलाफ खेलना चुनौतीपूर्ण है और वह आपकी चाल में नहीं फंसते है क्योंकि वह खेल में बहुत अच्छे और प्रतिस्पर्धी है। कोहली की अगुवाई में भारत ने 2018-19 में पहली बार ऑस्ट्रेलिया को उसकी सरजमीं पर टेस्ट श्रृंखला में हराया था। भारत ने बॉर्डर-गावस्कर श्रृंखला को 2-। से जीता था और पूरी श्रृंखला के दौरान दोनों कप्तानों के बीच कई बार जुबानी जंग देखने को मिली थी। पेन ने कहा, हां, चार साल पहले उनसे मतभेद हुए थे। वह ऐसे खिलाड़ी है जिन्हें मैं हमेशा याद रखूंगा। रोचक बात यह है कि पेन ने ही पिछले साल कहा था कि कोहली भारतीय टीम में किसी अन्य खिलाड़ी की तरह से हैं जिनके बारे में वह ज्यादा नहीं सोचते है। पेन ने कहा कि ऑस्ट्रेलियाई टीम को कोहली को नापसंद करना पसंद है।

कोहली और विलियमसन में कौन सर्वश्रेष्ठ मसले पर आपस में भिड़े वान और बट

लंदन। भारतीय कप्तान विराट कोहली और न्यूजीलैंड के उनके समकक्ष केन विलियमसन में कौन सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज है, इस मुद्दे पर इंग्लैंड के पूर्व कप्तान माइकल वान और पाकिस्तान के सलमान बट के बीच रविवार को जुबानी जंग छिड़ गई। वान ने बट पर कटाक्ष करते हुए यहां तक कह दिया कि पूर्व पाकिस्तानी कप्तान को मैच फिक्स करते समय भी इसी तरह की स्पष्टता दिखानी चाहिए थी। इसकी शुरुआत वान के न्यूजीलैंड के मेजबान प्रसारक स्पार्क स्पोर्ट को दिए गए साक्षात्कार से हुई जिसमे उन्होने कहा कि यदि विलियमसन भारतीय होता तो उन्हे विश्व का सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी आंका जाता। लेकिन ऐसा नही है और आपको यह कहने का अधिकार नही है कि विराट कोहली सर्वश्रेष्ठ नही है क्योंकि सोशल मीडिया पर लोग आप पर बरसने लगेंगे। इसलिए कुछ अधिक क्लिक और लाइक के लिए आप कहते हो कि विराट सर्वश्रेष्ठ है। केन विलियमसन भी सभी प्रारूपों मे समान रूप से सर्वश्रेष्ठ है। स्पाट फिक्सिंग मामले के कारण 2010 मे 10 साल (जिसे बाद में पांच साल कर दिया गया) का प्रतिबंध झेलने वाले बट ने कोहली और विलियमसन के बीच गैरजरूरी तुलना करके विवाद पैदा करने के लिए वान की कड़ी आलोचना की। कोहली ऐसे देश से है जहां की जनसंख्या बहुत अधिक है और इसलिए उनके प्रशंसकों की संख्या अधिक है। इसके अलावा वर्तमान समय मे दुनिया के किसी भी अन्य बल्लेबाज के नाम पर 70 अंतरराष्ट्रीय शतक दर्ज नही है। वह लंबे समय से बल्लेबाजी रैंकिंग मे दबदबा बनाए हुए है क्योंकि उसका प्रदर्शन बेजोड़ रहा है। इसलिए तुलना का क्या मतलब बनता है। और इन दोनो के बीच तुलना कौन कर रहा है? माइकल वान। वह इंग्लैंड के लिए अच्छा कप्तान रहा होगा लेकिन वह जिस तरह से बल्लेबाजी करते थे वह आंकड़ो मे नही दिखता है।

स्वियाटेक को इटैलियन ओपन ट्राफी

● फाइनल में प्लिस्कोवा को रौंदा

रोम। फ्रेंच ओपन की मौजूदा चैंपियन इगा स्वियाटेक ने इटैलियन ओपन के एकतरफा फाइनल में रविवार को कैरोलिना प्लिसकोवा को शिकस्त दी। पोलैंड की 19 साल की इस खिलाड़ी ने 2019 की चैम्पियन प्लिस्कोवा को महज 46 मिनट में 6-0, 6-0 से परास्त कर फ्रेंच ओपन की शानदार तैयारी का संकेत दिया। स्वियाटेक का खेल इतना प्रभावशाली था कि उन्होंने मैच के दौरान सिर्फ 13 अंक गवाएं। मैच के बाद प्लिस्कोवा ने कहा, जाहिर है यह मेरे लिए अच्छा दिन नहीं था। इगा ने आज शानदार खेल दिखाया। डब्ल्यूटीए फाइनल में पांच साल बाद ऐसा हुआ है जब विरोधी खिलाड़ी एक भी अंक जुटाने में सफल नहीं रही। इससे पहले सिमोना हालेप ने इसी अंतर से अनस्तासिया सेवास्तोवा को बुखारेस्ट में हराया था। स्वियातेक ने चैम्पियन बनने के बाद कहा, यह मुश्किल सप्ताह था लेकिन मैं खुश हूं कि सब कुछ अच्छे से हो गया। आज मेरा पूरा ध्यान खेल पर था, मुझे खुद पर गर्व है। इस खिताब के साथ वह सोमवार को जारी होने वाली रैंकिंग में पहली बार शीर्ष 10 में पहुंच जाएंगी।

हॉकी प्रो लीगः बेल्जियम ने अमेरिका को हराया

एंटवर्प (बेल्जियम)। बेल्जियम की महिला हॉकी टीम ने दबदबा बनाते हुए शनिवार को यहां एफआईएच हॉकी प्रो लीग मुकाबले में अमेरिका को 3-0 से हराया। बेल्जियम की 2020-21 अभियान में यह दूसरी जीत है। टीम अंक तालिका में सातवें स्थान पर चल रही है। अमेरिकी टीम प्रो लीग तालिका में सबसे निचले पायदान पर है। कोविड-19 महामारी के कारण फरवरी 2020 के बाद अपना पहला प्रो लीग मैच खेल रही अमेरिकी टीम की ओर से पांच खिलाड़ियों ने पदार्पण किया।

लीसेस्टर को पहली बार एफए कप खिताब

लंदन। योरी टिलेमेंस के गोल की बदौलत लीसेस्टर ने शनिवार को यहां फाइनल में चेल्सी को।-0 से हराकर पहली बार एफए कप फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीता। टिलेमेंस ने मैच का एकमात्र गोल 63वें मिनट में किया। लीसेस्टर के 137 साल के इतिहास में यह पहला मौका है जब टीम एफए कप खिताब जीतने में सफल रही है। लीसेस्टर की यह खिताबी जीत उसके लिए इसलिए भी सुखद रही क्योंकि टीम ने यह खिताब अपने घरेलू दर्शकों के सामने वेम्बले स्टेडियम में जीता। वेम्बले स्टेडियम में इस दौरान 20 हजार से अधिक दर्शक मौजूद थे जो कोरोना वायरस के लिए नेगेटिव पाए गए थे। चेल्सी ने 89वें मिनट में बराबरी का गोल दाग दिया था लेकिन यह आफ साइड हो गया।

यूवेंटस ने इंटर मिलान को हराया, अटलांटा ने चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई किया

रोम। यूवेंटस ने सिरी ए फुटबॉल टूर्नामेंट में चैंपियन इंटर मिलान को 3-2 से हराकर चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीदों को जीवंत रखा है जबकि अटलांटा ने जिनोआ को हराकर यूरोप की शीर्ष क्लब प्रतियोगिता में जगह सुनिश्चित की। अटलांटा ने जिनोआ को 4-3 से हराकर दूसरे स्थान पर अपनी स्थिति मजबूत कर ली है और टीम का शीर्ष चार में जगह बनाना भी तय हो गया है। इंटर के खिलाफ यूवेंटस की ओर से युआन कुआड्रेडो ने दो गोल दागे जबकि अन्य गोल क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने किया।

लेवानदोवस्की के बुंदेसलीगा में रिकॉर्ड गोल

बर्लिन। बायर्न म्यूनिख के स्टार रॉबर्ट लेवानदोवस्की ने बुंदेसलीगा फुटबॉल सत्र में 40 गोल के रिकॉर्ड की बराबरी की जबकि आग्सबर्ग, मेंज और हेर्था बर्लिन की टीमें निचली लीग में खिसकने से बचने में सफल रही। लेवानदोवस्की ने पेनल्टी को गोल में बदला जिससे बायर्न ने एससी फ्रीबर्ग से 2-2 से ड्रॉ खेला। लेवानदोवस्की ने म्यूलर के 1972 के रिकॉर्ड की बराबरी की। बायर्न की ओर से एक अन्य गोल लेरॉय साने ने किया जबकि फ्रीबर्ग की ओर से मैनुअल गिल्डे और क्रिस्टियन गुंटर ने गोल किए।

करियर के दौरान 10-12 वर्षों तक तनाव से जूझता रहा था : सचिन

भाषा। नई दिल्ली

महान क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर ने रविवार को कहा कि अपने 24 साल के करियर के एक बड़े हिस्से को उन्होंने तनाव में रहते हुए गुजारा है और वह बाद में इस बात को समझने में सफल रहे कि मैच से पहले तनाव खेल की उनकी तैयारी का एक महत्वपूर्ण हिस्सा था। कोविड-19 के दौरान बायो-बबल (जैव-सुरक्षित माहौल) में अधिक समय बिताने से खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ रहे असर के बारे में बात करते हुए मास्टर ब्लास्टर ने कहा कि इससे निपटने के लिए इसकी स्वीकार्यता जरूरी है। तेंदुलकर ने अनअकेडमी द्वारा आयोजित एक परिचर्चा में कहा, समय के साथ मैंने महसूस किया कि खेल के लिए शारीरिक रूप से तैयारी करने के साथ आपको खुद को मानसिक रूप से भी तैयार करना होगा। मेरे दिमाग में मैदान में प्रवेश करने से बहुत पहले मैच शुरू हो जाता था। तनाव का स्तर बहुत अधिक रहता था। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में शतकों का शतक लगाने वाले इस इकलौते पूर्व खिलाड़ी ने कहा, मैंने 10-12 वर्षों तक तनाव महसूस किया था, मैच से पहले कई बार ऐसा हुआ था जब मैं रात में सो नहीं पता था। बाद में मैंने यह स्वीकार करना शुरू कर दिया कि यह मेरी तैयारी का हिस्सा है। मैंने समय के साथ इस स्वीकार कर लिया कि मुझे रात में सोने में परेशानी होती थी। मैं अपने दिमाग को सहज रखने के लिए कुछ और करने लगता था। इस कुछ और में बल्लेबाजी अभ्यास, टेलीविजन देखना और वीडियो गेम्स खेलने के अलावा सुबह चाय बनाना भी शामिल था। रिकार्ड 200 टेस्ट मैच खेल कर 2013 में संन्यास लेने वाले इस खिलाडी ने कहा, मुझे मैच से पहले चाय बनाने, कपड़े इस्त्री करने जैसे कार्यो से भी खुद को खेल के लिए तैयार करने में मदद मिलती थी। मेरे भाई ने मुझे यह सब सिखाया था, मैं मैच से एक दिन पहले ही अपना बैग तैयार कर लेता था और यह एक आदत सी बन गई थी। मैंने भारत के लिए खेले अपने आखिरी मैच में भी ऐसा ही किया था। खिलाड़ी को मुश्किल समय का सामना करना ही पड़ता है लेकिन यह जरूरी है कि वह बुरे समय को स्वीकार करें। उन्होंने कहा, जब आप चोटिल होते है तो चिकित्सक या फिजियो आपका इलाज करते है। मानसिक स्वास्थ्य के मामले में भी ऐसा ही है। किसी के लिए भी अच्छे-बुरे समय का सामना सामान्य बात है। इसके लिए आपकों चीजों को स्वीकार करना होगा।

सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकती है भारतीय महिला क्रिकेट टीम

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट सितंबर में आस्ट्रेलिया दौरे पर जा सकती है। कोविड-19 महामारी के बीच सिर्फ एक श्रृंखला खेलने वाली भारतीय टीम सात साल में पहला टेस्ट खेलने के लिए अगले महीने इंग्लैंड का दौरा करेगी। इंग्लैंड दौरे पर टीम को तीन एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और इतने ही टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबले भी खेलने हैं। आस्ट्रेलिया की तेज गेंदबाज मेगान शुट ने संकेत दिए कि भारतीय टीम सितंबर में देश का दौरा कर सकती है। क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने हालांकि अब तक कार्यक्रम की पुष्टि नहीं की है। इस दौरे पर एक दिवसीय अंतरराष्ट्रीय और टी20 मुकाबले खेले जाने की उम्मीद है। शुट ने केट क्रॉस और एलेक्स हार्टले की मेजबानी में नो बॉल्सः द क्रिकेट पॉडकास्ट पर कहा, सितंबर के मध्य में हमें भारत के खिलाफ श्रृंखला खेलनी है। इसलिए कुछ शिविर आयोजित होंगे। मुझे लगता है कि एक डार्विन में होगा जहां काफी ठंड होगी और इसके बाद भारत के खिलाफ श्रृंखला होगी। इसके बाद बिग बैश, एशेज, विश्व कप और उम्मीद है कि राष्ट्रमंडल खेल होंगे। बीसीसीआई ने अपनी शीर्ष परिषद की पिछली बैठक में न्यूजीलैंड में अगले साल होने वाले विश्व कप से पहले आस्ट्रेलिया दौरे को भी स्वीकृति दी थी। वेस्टइंडीज के खिलाफ घरेलू श्रृंखला को भी स्वीकृति मिली थी। आस्ट्रेलिया का दौरा शुरुआत में इस साल जनवरी में होना था लेकिन कोविड-19 महामारी के बीच विश्व कप को 2022 तक टालने के बाद इसे भी स्थगित कर दिया गया।

ओलंपिक की तैयारी में जुटीं हैं सिंधू

● कोच मेरे लिए ट्रेनिंग में मैच जैसी स्थिति तैयार कर रहे हैं

भाषा। नई दिल्ली

ओलंपिक से पहले टूर्नामेंटों में हिस्सा नहीं ले पाना भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ियों की बड़ी चिंता है लेकिन पीवी सिंधू के साथ ऐसा नहीं है जिन्हें कोरिया के अपने कोच पार्क तेइ सेंग पर विश्वास है कि वह उनके लिए ट्रेनिंग में ही मैच जैसी स्थिति तैयार करेंगे। जुलाई-अगस्त में होने वाले ओलंपिक से पहले ए तीनों अंतिम क्वालीफाइंग प्रतियोगिताएं थी। यह पूछने पर कि क्या प्रतियोगिताओं के रद्द होने से तैयारियों पर असर पड़ेगा, सिंधू ने कहा, हम सोच रहे थे कि ओलंपिक से पहले सिंगापुर में आखिरी प्रतियोगिता होगी लेकिन अब हमारे पास और कोई विकल्प नहीं है इसलिए मैं अलग अलग खिलाड़ियों के खिलाफ मुकाबले खेल रही हूं और मेरे कोच पार्क ट्रेनिंग के दौरान मेरे लिए मैच जैसी स्थिति तैयार करने की कोशिश कर रहे हैं। अलग अलग खिलाडियों के खेलने की शैली अलग होती है जैसे ताइ जू यिंग या रतचानोक इंतानोन के खेलने की शैली अलग है लेकिन मेरे मार्गदर्शन के लिए पार्क मौजूद हैं जिससे कि मैं तैयारी कर सकूं। बेशक हम एक दूसरे के खिलाफ कुछ महीनों के बाद खेलेंगे और हमारे खेल में कुछ नया होगा इसलिए मुझे इसके लिए तैयारी करनी होगी। सिंधू ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके अन्य भारतीय खिलाड़ियों के साथ ट्रेनिंग नहीं कर रही हैं। वह तेलंगाना के गचीबाउली इंडोर स्टेडियम में ट्रेनिंग कर रही हैं और अपनी फिटनेस ट्रेनिंग सुचित्रा अकादमी में करती हैं। टूर्नामेंटों को रद्द करने के बीडब्ल्यूएफ के फैसले का समर्थन करते हुए कहा कि यह दुखद है कि प्रतियोगिताएं नहीं खेली जा सकीं लेकिन खेल से अधिक महत्वपूर्ण जीवन है। यह दुखद है कि पूरी दुनिया थम सी गई है लेकिन खिलाड़ियों से पहले हम इंसान है और जीवन सबसे महत्वपूर्ण है। अगर टूर्नामेंट होते हैं तो हमें नहीं पता कि हम सुरक्षित होंगे या नहीं, हम सोच सकते हैं कि हम सुरक्षित होंगे लेकिन हम सुनिश्चित नहीं हो सकते क्योंकि हमें नहीं पता कि वायरस कहां से आ जाएगा। ओलंपिक जैसी शीर्ष प्रतियोगिता में आयोजकों और खिलाड़ियों के लिए कोविड-19 से जुड़े नियमों का पालन करना मुश्किल काम होगा और सभी को इस चुनौती के लिए तैयार रहना चाहिए। सभी देशों के कोविड-19 से जुड़े अपने नियम हैं।

इस्पात, तेल उद्योग दे रहा है दैनिक 6,650 टन आक्सीजन : प्रधान

नई दिल्ली। देश की तेल रिफाइनरियों और इस्पात कारखानों से रोजाना 6,650 मीट्रिक टन आक्सीजन देशभर में कोविड- 19 के मरीजों के इलाज के लिए अस्पतालों और स्वास्थ्य केन्द्रों को भेजी जा रही है। केन्द्रीय मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने रविवार को यह जानकारी दी। प्रधान के पास पेट्रोलियम एवं प्राकृतिक गैस मंत्रालय के साथ ही इस्पात मंत्रालय का भी प्रभार है। रविवार को कई ट्वीट के जरिए उनहोंने कहा कि देश का इस्पात और पेट्रोलियम उद्योग कोविड- 19 महामारी की दूसरी लहर का मुकाबला करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक और निजी क्षेत्र के इस्पात संयंत्रों ने अपनी दैनिक उत्पादन क्षमता को बढ़ाया है। उन्होंने तरल नाइट्रोजन और एरगोन उत्पादन क्षमता को तरल चिकित्सा आक्सीजन की अतिरिक्त मात्रा का उत्पादन करने के लिए इस्तेमाल किया है। मंत्री ने कहा, देश में 10,000 मीट्रिक टन आक्सीजन के दैनिक आवंटन में 6,650 मीट्रिक टन का उत्पादन और उसकी आपूर्ति करके देश के इस्पात कारखाने और तेल रिफाइनरियां भारत की कोविड-19 के खिलाफ जारी लड़ाई में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं।

संक्रमण से बचाने में मदद करेंगी जेनेरिक दवाईयां

मुंबई। कोरोना महामारी के कारण बाजार में कोविड-19 संक्रमण निरोधक दवाईयों की किल्लत और अधिक कीमतों से परेशान लोगों की मदद के लिए स्टेहैप्पी फार्मेसी ने कदम उठाया है। स्टेहैप्पी कोविड19 संक्रमण से लड़ने के लिए मार्केट में प्रचलित कुछ दवाईयों के विकल्प के तौर पर लोगों के बीच जेनेरिक दवाईयां पर्याप्त मात्रा और उचित मूल्य पर उपलब्ध करवा रही है। स्टेहैप्पी फार्मेसी की कार्यकारी निदेशक आरुषि जैन ने घोषणा की वह फेबीफ्लू और फेविफ्फ़इन के विकल्प के तौर पर दवाईयों को मार्केट में उपलब्ध करवा रही है। उन्होंने बताया कि इन दवाईयों के विकल्प के तौर पर उनकी फार्मेसी में फेविपिरावीर आइवरमेक्टिनए मेथिलप्रेडनिसोलोनए एनोक्सापैरिन ए डेक्सामेथासोन समेत अन्य दवाईयां पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध हैं।

स्टेट बैंक अगले महीने 235 करोड़ रुपए वसूली के तीन एनपीए खातों को बेचेगा

नई दिल्ली। भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) अगले महीने फंसे कर्ज वाले तीन खातों को संपत्ति पुनर्गठन कंपनियों (एआरसी) अथवा अन्य वित्तीय संस्थानों को बेचेगा। इन खातों में 235 करोड़ रुपए का बकाया है। एसबीआई ने कहा है कि नियामकीय दिशानिर्देशों के अनुरूप बैंक की वित्तीय संपत्तियों की बिक्री की नीति के तहत बैंक ने हैवी मेटल एण्ड ट्यूब्स लिमिटेड, खरे एण्ड तारकुंडे इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा. लि. और एलीज इंटरनेशनल लिमिटेड को 235.32 करोड़ रुपए की वसूली के वास्ते बिक्री के लिए पेश किया है। हैवी मेटल पर बैंक का 116.91 करोड़ रुपए का बकाया है, खरे एण्ड तारकुंडे पर 99.84 करोड़ रुपए और एलीज इंटरनेशनल पर 18.57 करोड़ रुपए का बकाया है। बैंक ने फंसे कर्ज वाले इन खातों (एनपीए खातों) की बिक्री के लिए क्रमशः 27.50 करोड़ रुपए, 15 करोड़ रुपए और आठ करोड़ रुपए का आरक्षित मूल्य रखा है।

आर्थिक सुधार की गति पड़ने लगी धीमी

● जीडीपी वृद्धि नौ प्रतिशत से नीचे रह सकती हैः सर्वेक्षण

भाषा। कोलकाता

कोरोना वायरस की तेजी से फैलती दूसरी लहर और उस पर काबू पाने के लिए लगाए गए लॉकडाउन के बीच आर्थिक गतिविधियों का पहिया धीमा पड़ने लगा है। इसके चलते चालू वित्त वर्ष के दौरान देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर नौ प्रतिशत से नीचे रह सकती है। एक सर्वेक्षण में यह कहा गया है। केयर रेटिंग एजेंसी द्वारा किए गए इस सर्वेक्षण में 80 प्रतिशत जवाब देने वालों ने कहा कि कोविड- 19 की मौजूदा स्थिति के चलते गैर- जरूरी सामानों की मांग और निवेश पर गहरा प्रभाव पड़ सकता है। उनका कहना है, संक्रमण के मामले रिकार्ड उंचाई पर पहुंच रहे हैं ऐसे में आर्थिक क्षेत्र में आ रहे सुधार की गति धीमी पड़ने लगी है। जवाब देने वाले प्रत्एक 10 में से करीब करीब सात लोगों को उम्मीद है कि वित्त वर्ष 2021- 22 में जीडीपी वृद्धि नौ प्रतिशत से नीचे रह सकती है। सर्वेक्षण के मुताबिक ज्यादातर लोगों का यही मानना है कि विभिन्न राज्य सरकारों ने जो लॉकडाउन लगाया है वह मई अंत तक बना रहेगा। कुल मिलाकर सर्वेक्षण में भाग लेने वाले 54 प्रतिशत लोगों का मानना है कि देश में कोविड- 19 की मौजूदा स्थिति का लॉकडाउन ही निदान है। हालांकि, तीन- चौथाई से कुछ अधिक का यह भी मानना है कि वर्तमान लॉकडाउन पिछले साल की तरह कड़ा लॉकडाउन नहीं है।

चौथी तिमाही के वित्तीय परिणाम, टीकाकरण की गति, वैश्विक प्रवृत्ति से तय होगी बाजार की चालः विशेषज्ञ

नई दिल्ली। विश्लेषकों का कहना है कि इस सप्ताह शेयर बाजार की चाल सूचीबद्ध कंपनियो के तिमाही परिणाम, टीकाकरण अभियान की गति और वैश्विक बाजार की प्रवृत्ति से तय होगी। रिलायंस ब्रोकिंग के उपाध्यक्ष (अनुसंधान) अजीत मिश्रा के अनुसार, किसी बड़ी गतिविधियों के अभाव मे निवेशकों की नजर वैश्विक शेयर बाजारों के प्रदर्शन, अमेरिका मे बांड प्रतिफल, अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपए मे उतार-चढ़ाव और कच्चे तेल के दाम पर होगी। उन्होंने कहा, यह कहने की कोई जरूरत नही है कि कोविड-19 मामले में स्थिति और टीकाकरण अभियान की गति पर भी ध्यान होगा। इस सप्ताह भारती एयरटेल, टाटा मोटर्स, इंडियन ऑयल कॉरपोरेशन, हैवेल्स, हिंडाल्को और फेडरल बैंक जैसी कुछ कंपनियो के तिमाही परिणाम आने है।

आठ कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 1.13 लाख करोड़ घटा

नई दिल्ली। देश की शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियो मे से आठ के बाजार पूंजीकरण मे पिछले सप्ताह संयुक्त रूप से।,13,074.57 करोड़ रुपए की कमी आई। इसमें सर्वाधिक नुकसान में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस और एचडीएफसी बैंक रहे। शीर्ष 10 मूल्यवान कंपनियो मे से केवल दो...रिलायंस इंडस्ट्रीज और भारतीय स्टेट बैंक साप्ताहिक आधार पर लाभ मे रहे। अवकाश के कारण कम कारोबारी दिवस वाले सप्ताह मे बीएसई सेंसेक्स मे 473.92 अंक यानी 0.96 प्रतिशत की गिरावट आई।

कोविड-19 महामारी के कारण एटीएम से अधिक पैसा निकाल रहे लोग

नई दिल्ली। कोरोना वायरस महामारी ने नकदी के उपयोग को लेकर भी लोगों के व्यवहार में बदलाव लाया है। अब लोग बैंक शाखा में बार बार जाने से बचने के लिए एटीएम से ही बड़ी राशि निकालने को तरजीह दे रहे हैं। साथ ही छोटे से छोटा भुगतान भी डिजिटल माध्यम से करना पसंद कर रहे हैं। महामारी की दूसरी लहर से लोग सतर्क हुए हैं। वे आपात उपयोग के लिए बैंक शाखा के बजाए एटीएम से एक बार ही में ज्यादा पैसा निकाल रहे हैं। साथ ही भुगतान के लिए यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) और अन्य डिजिटल तरीकों का उपयोग कर रहे हैं। इस बारे में सर्वत्र टेक्नोलॉजीज के संस्थापक और प्रबंध निदेशक मंदर अगाशे ने कहा कि लॉकडाउन और सामाजिक दूरी के नियमों को देखते हुए लोग बैंक जाने से बच रहे हैं और पैसे निकालने के लिए एटीएम का उपयोग कर रहे हैं।

महामारी के दौरान मानसिक स्वास्थ्य में सहयोग मिलेगा

मुंबई। हिंदुजा फाउंडेशन ने मानसिक स्वास्थ्य एवं क्षेत्र में कदम रखेगी। चोपड़ा फाउंडेशन जॉन डब्ल्यू ब्रिक मेंटल हेल्थ फाउंडेशन और सीजी क्रिएटिव्स के साथ मिलकर यह फाउंडेशनए नेवर अलोन ग्लोबल मेंटल हेल्थ वर्चुअल सम्मेलन के भीतर तीन घंटे के स्पॉटलाइट इंडिया खंड का सहप्रायोजन करेगा। इस खंड को सत्या हिंदुजा के एल्केमिक सोनिक एनवायरमेंट द्वारा तैयार किया जायेगा। जिससे कि बहुसंवेदी, गहन श्रवणात्मक अनुभव कायम, स्पॉटलाइट इंडिया के स्टार वक्ता शामिल हैं। इस वर्चुअल समिट को फेसबुक, यूट्यूब और अन्य मीडिया प्लेटफॉर्म पर 21 मई को लाइव स्ट्रीम किया जाएगा और प्रतिभागी के माध्यम से अपने मानसिक स्वास्थ्य और कल्याण का समर्थन करने के लिए मुफ्त ऑनलाइन टूल का उपयोग कर सकते हैं।

साबू की स्थानांतरण याचिका खारिज की

नई दिल्ली। माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड सेलम के खिलाफ राजकुमार साबू इन्दौर की स्थानांतरण याचिका क्रिमिनलनंबर 17, 2021 को खारिज कर दिया है। राजकुमार और शिवनारायण साबू आईपीसी की धारा 420 के तहत धोखाधड़ी करने और ट्रेडमार्क अधिनियम की धारा 103 के तहत कम्पनी में निर्देशक पद पर रहते हुए सच्चामोती ट्रेडमार्क अपने नाम से रजिस्टर्ड करवाने के धोखाधड़ी के आरोप में सेलम न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में दर्ज आपराधिक मुकदमा संख्या 82,2018 के तहत जमानत पर हैं। उच्चतम न्यायालय के इस निर्णय पर साबु ट्रेड प्राइवेट लिमिटेड के प्रबन्ध निर्देशकी गोपाल साबु ने अपनी प्रतिक्रिया में कहा सत्य हमेशा जीतता है। कथित अपराध के विरुद्ध कानूनी कार्यवाही में देरी करवाने के उद्देश्य सेए राजकुमार साबु द्वारा दुर्भावनापूर्वक लगाए गए सभी झूठे आरोप और कहानियाँ स्पष्ट हो गई हैं।

ईंधन के दाम फिर बढ़े, मुंबई में 99 रुपए प्रति लीटर के करीब पहुंचा पेट्रोल

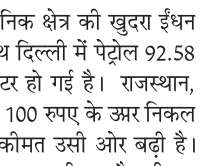

नई दिल्ली। ईंधन में दाम में वृद्धि का सिलसिला जारी है। पेट्रोल के मूल्य में रविवार को 24 पैसे लीटर जबकि डीजल में 27 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई। इस वृद्धि के साथ देश के विभिन्न भागों में पेट्रोल रिकार्ड स्तर पर पहुंच गया है जबकि मुंबई में यह 99 रुपए लीटर के लगभग चला गया है। सार्वजनिक क्षेत्र की खुदरा ईंधन कंपनियों की अधिसूचना के अनुसार इस वृद्धि के साथ दिल्ली में पेट्रोल 92.58 रुपए लीटर और डीजल की कीमत 83.22 रुपए लीटर हो गई है। राजस्थान, मध्य प्रदेश और महाराष्ट्र के कई शहरों में दर पहले ही 100 रुपए के ऊपर निकल गई थी। ताजा वृद्धि के बाद मुंबई में भी ईंधन की कीमत उसी ओर बढ़ी है। मुंबई में अब एक लीटर पेट्रोल की कीमत 98.88 रुपए लीटर और डीजल 90.40 रुपए प्रति लीटर हो गई है। ईंधन के दाम विभिन्न राज्यों में अलग-अलग होते हैं। इसका कारण वैट जैसे स्थानीय कर और माल ढुलाई शुल्क में अंतर है। चार मई से ईंधन के दाम में यह लगातार नौंवी बार वृद्धि है। इससे पहले, पश्चिम बंगाल और दूसरे राज्यों में विधानसभा चुनावों के कारण लगातार 18 दिनों तक ईंधन के दाम में कोई बदलाव नहीं किया गया था।

केंद्र ने राज्यों से राशन की दुकानें सभी दिन, देर तक खोलने की अनुमति देने को कहा

नई दिल्ली। केंद्र ने रविवार को सभी राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों से महीने के सभी दिन और देर तक राशन की दुकानें खुली रखने का निर्देश देने को कहा। इसका मकसद गरीबों को समय पर और सुरक्षित तरीके से सब्सिडी युक्त तथा मुफ्त अनाज का वितरण सुनिश्चित करना है। इस संदर्भ में केंद्रीय खाद्य मंत्रालय ने परामर्श जारी किया है। मंत्रालय को यह जानकारी मिली थी कि कुछ राज्योंकेंद्र शासित प्रदेशो में कोरोना वायरस महामारी की रोकथाम के लिए लगाए गए लॉकडाउन के करण राशन की दुकानों पर अनाज वितरण के समय में कमी की गई है।

केयर्न ने भारत से वसूली जाने वाली राशि के लिए विदेशों में 70 अरब डालर की संपत्ति की पहचान की

भाषा। नई दिल्ली

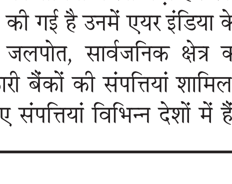

ब्रिटेन की केयर्न एनर्जी ने भारत सरकार से 1.72 अरब डालर की वसूली के लिए विदेशों में करीब 70 अरब डालर की भारतीय संपत्तियों की पहचान की है। केयर्न एनर्जी की यह पहल यदि सफल होती है तो भारत भी पाकिस्तान और वेनेजुएला जैसे देशों की जमात में शामिल हो जाएगा जिन्हें मध्यस्थता अदालत के फैसले का पालन नहीं करने पर इस प्रकार की कार्वाई का सामना करना पड़ा है। रकम की वसूली के लिए जिन संपत्तियों की पहचान की गई है उनमें एयर इंडिया के विमान से लेकर भारतीय जहाजरानी निगम के जलपोत, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस कंपनियों का सामान तथा सरकारी बैंकों की संपत्तियां शामिल हैं। उन्होंने जगह का नाम बताए बिना कहा कि ए संपत्तियां विभिन्न देशों में हैं।

इजराइल के हवाई हमलों में 42 लोगों की मौत

गाजा सिटी में तीन इमारतें नष्ट

एपी। गाजा सिटी

इजराइल द्वारा रविवार को गाजा सिटी पर किए गए हवाई हमलों में तीन इमारत नष्ट हो गईं और कम से कम 42 लोग मारे गए। इजराइल और हमास के बीच एक सप्ताह पहले शुरू हुए संघर्ष के बाद यह सबसे भीषण हमला था। गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने बताया कि हमले में मारे गए लोगों में 16 महिलाएं और 10 बच्चे भी शामिल हैं, जबकि 50 से अधिक लोग घायल हुए हैं। इसने कहा कि राहत एवं बचाव कार्य अब भी जारी है। इससे पहले इजराइली सेना ने कहा कि उसने दक्षिणी शहर खान यूनिस में अलग हवाई हमले में गाजा के शीर्ष हमास नेता याहिया सिनवार के आवास को जमींदोज कर दिया। हमास के वरिष्ठ नेताओं के घरों पर पिछले दो दिनों में यह तीसरा हमला है। वहीं, हमले के मद्देनजर हमास के कई नेता भूमिगत हो गए हैं। इजराइल ने हमास को ज्यादा से ज्यादा नुकसान पहुंचाने के लिए हालिया दिनों में हमले तेज कर दिए हैं। वहीं, अंतरराष्ट्रीय वार्ताकार भी दोनों पक्षों के बीच मध्यस्थता का प्रयास कर रहे हैं, लेकिन हमास के नेताओं को निशाना बनाए जाने से इन प्रयासों में मुश्किलें आ सकती हैं। पूर्वी यरुशलम में इस महीने की शुरुआत में तनाव तब शुरू हुआ जब फलस्तीनियों ने शेख जर्रा में उन्हें निकाले जाने के खिलाफ प्रदर्शन किया और इजराइली पुलिस ने अल-अक्सा मस्जिद में कार्वाई की। यह लड़ाई पिछले सोमवार को शुरू हुई जब यरुशलम को बचाने का दावा करने वाले हमास ने लंबी दूरी के रॉकेट दागे।

संघर्ष अन्य जगहों पर भी फैल गया है। वेस्ट बैंक और इजराइल में भी कई जगहों पर यहूदी और अरब नागरिकों के बीच झड़पें हुई हैं। इस संघर्ष में गाजा में 55 बच्चे और 33 महिलाओं समेत 188 फलस्तीनी मारे गए हैं और 1,230 लोग जख्मी हुए हैं। वहीं, इजराइल में आठ लोगों की मौत हुई है जिनमें पांच साल का एक बच्चा भी शामिल है। इजराइली सेना ने रविवार को कहा कि उसने हमास के सबसे वरिष्ठ नेता याहिया सिनवार के घर को निशाना बनाया जो समूह के बाकी शीर्ष नेताओं के साथ संभवत: वहां छिपा था। इजराइल ने शनिवार को हमास की राजनीतिक शाखा के प्रमुख नेता खलील अल-हाएह के घर पर बम गिराए थे। हमास और इस्लामी जेहाद उग्रवादी समूह ने स्वीकार किया है कि सोमवार को संघर्ष शुरू होने के बाद से उसके 20 लड़ाके मारे गए हैं। मिस्र के एक राजनयिक ने कहा कि हमास के राजनीतिक नेताओं को निशाना बनाने से संघर्षविराम के प्रयासों पर असर पड़ेगा। हमास और अन्य उग्रवादी समूहों ने इजराइल पर करीब 2,900 रॉकेट दागे हैं। वहीं, इजराइली सेना का कहना है कि 450 रॉकेट थोड़ी दूर जाकर ही गिर गए जबकि वायुसेना की प्रतिरक्षा प्रणाली ने 1,150 रॉकेटों को मार गिराया। इजराइल ने गाजा की तरफ सैकड़ों हवाई हमले किए हैं जहां करीब 20 लाख फलस्तीनी रहते हैं। इसने गाजा सिटी की सबसे उंची इमारत को गिरा दिया और कहा कि इसमें हमास की सेना से जुड़े दफ्तर थे। वहीं, शनिवार को एक बहुमंजिला इमारत को ध्वस्त कर दिया जिसमें द असोसिएटेड प्रेस और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय थे। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने कहा, जब तक जरूरत पड़ेगी तब तक यह अभियान जारी रहेगा। उन्होंने आरोप लगाया कि हमास की सैन्य खुफिया इकाई इस इमारत में काम कर रही थी।

इजरायली हमले में ध्वस्त गाजा सिटी की इमारत से जीवित लोगों को निकालने के काम में लगे बचाव कर्मी

इस्लामी नेताओं ने गाजा पर आपातकालीन बैठक की

एपी। दुबई, 16 मई ( ) गाजा की स्थिति को लेकर 57 सदस्ईय इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की रविवार को आपातकालीन डिजिटल बैठक हुई ताकि गाजा पट्टी पर इजराइल की सेना के हमले को रोका जा सके। अफगानिस्तान के विदेश मंत्री मोहम्मद हनीफ आत्मार ने कहा, फलस्तीनी लोगों की दुर्दशा से इस्लामिक दुनिया आज लहूलुहान है। सऊदी अरब के विदेश मंत्री शहजादा फैसल बिन फरहान ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की कि गाजा के खिलाफ इजराइल के सैन्य अभियान को खत्म करने की दिशा में काम किया जाए और तटीय क्षेत्र में सहायता पहुंचने दी जाए।

पश्चिमी तट के रामल्ला से फलस्तीन के विदेश मंत्री रियाद मालकी ने इजराइल पर बरसते हुए उसे रंगभेदी देश करार दिया जो गाजा में हमारे लोगों के खिलाफ अपराध और क्रूरता कर रहा है। उन्होंने इसे कायराना हमले करार देते हुए कहा, हमें अल्लाह से कहने की जरूरत है कि हम अंतिम दिन तक विरोध करेंगे। हम पर लंबे समय से कब्जा है। यही समस्या की जड़ है। उन्होंने कहा कि सोमवार से शुरू हुई हिंसा में 10 हजार लोग विस्थापित हुए हैं। मालकी ने कहा, फलस्तीनी लोगों के विरोध ने स्पष्ट कर दिया है कि यरूशलम ही लक्ष्मण रेखा है। इजराइल की हत्या मशीन से हमारे लोग नहीं डरेंगे। बहरहाल, मालकी के फलस्तीनी प्राधिकरण का हमास और गाजा पट्टी पर नियंत्रण नहीं है जहां आतंकवादियों ने 2007 में सत्ता पर कब्जा कर लिया था। तुर्की के विदेश मंत्री मेवलुत कावुसोगलु ने इसी तरह का कड़ा रूख अपनाया। उन्होंने कहा, पूर्वी यरूशलम, पश्चिमी तट और गाजा में तनाव के लिए अकेले इजराइल जिम्मेदार है। पिछले हफ्ते इजराइल को दी गई हमारी चेतावनी पर ध्यान नहीं दिया गया। ईरान के विदेश मंत्री मोहम्मद जवाद जरीफ ने इजराइल पर नरसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध करने के आरोप लगाए।

अधिकार समूहों ने आईसीसी से इजराइली हमले की जांच करने की मांग की

बेरुत। अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार समूह ने अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय (आईसीसी) से इजराइल द्वारा मीडिया संस्थानों की इमारत पर और अन्य हमले की जांच करने की मांग की है जिनमें आठ बच्चों सहित 10 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने इसे युद्ध अपराध करार दिया है। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने रविवार को कहा, हम गाजा में मृतकों की बढ़ती संख्या को लेकर बहुत चिंतित है जहां सोमवार से अब तक 180 से अधिक लोगों की मौत हो चुकी है। उल्लेखनीय है कि शनिवार को इजराइल ने गाजा पट्टी पर हवाई हमला किया था जिसमें शरणार्थी शिविर में रह रहे परिवार के 10 सदस्यों की मौत हो गई थी और एसोसिएटेड प्रेस, अल जजीरा और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय जिस बहुमंजिला इमारत में थे उसे जमींदोज कर दिया था। एमनेस्टी इंटरनेशनल ने ट्वीट किया कि अंतरराष्ट्रीय अपराध अदालत को अल शाती शरणार्थी शिविर पर हमले की जांच करनी चाहिए क्योंकि नागरिकों पर सीधा हमला युद्ध अपराध है। समूह ने कहा कि मीडिया की इमारत पर हमले की भी युद्ध अपराध के तौर पर जांच की जानी चाहिए।

पोप ने इजराइल और हमास के बीच हो रही हिंसा की निंदा की

वेटिकन सिटी। पोप फ्रांसिस ने इजराइल और फलस्तीनियों के बीच अस्वीकार्य हिंसा की कड़ी निंदा की और कहा कि खासतौर पर बच्चों की मौत संकेत है कि वे भविष्य का निर्माण नहीं करना चाहते हैं बल्कि विध्वंस करना चाहते हैं। पोप फ्रांसिस ने रविवार को सेंट पीटर स्क्वॉयर की ओर खुलती खिड़की से आशीर्वाद देने के कार्यक्रम में शांति, संयम और वार्ता के रास्ते के लिए अंतरराष्ट्रीय मदद की प्रार्थना की। उन्होंने कहा, मैंने खुद से पूछा, इस नफरत और बदले से क्या मिलेगा ?क्या हम सच में मानते हैं कि हम अन्य को नष्ट कर शांति प्राप्त कर सकते हैं? पोप ने कहा, ईश्वर के नाम पर जिसने हम सभी इनसानों को बराबर हक, कर्तव्य और सम्मान के साथ बनाया और भाई की तरह रहने का निर्देश दिया, मैं अपील करता हूं कि इस हिंसा को बंद किया जाए। गौरतलब है कि इजराइल गाजा सिटी पर कुछ दिनों से हवाई हमले कर रहा है और यह लड़ाई इजराइल और गाजा में सत्तारूढ़ हमास के आतंकवादियों के बीच हो रही है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों ने बताया कि रविवार के हमले में मरने वाले 26 लोगों में 10 महिलाए और आठ बच्चे शामिल हैं।

कोविड टीका लगवाने में झिझक : लोगों को तैयार करने के लिए उन्हें व्यक्तिगत लाभ से रूबरू कराएं

एजेंसी। ऑक्सफोर्ड

ब्रिटेन के करीब 10 प्रतिशत वयस्को ने कहा कि वे कभी भी कोविड-19 रोधी टीका नही लगवाएंगे

ब्रिटेन के करीब 10 प्रतिशत वयस्कों ने कहा है कि वे कभी भी कोविड-19 रोधी टीका नहीं लगवाएंगे या जब तक संभव होगा, इससे बचेंगे। वैज्ञानिकों ने इस समूह को टीका लगवाने से हिचकिचाने वाला समूह कहा है। उन्होंने कहा है कि जो लोग टीका लगवाने में हिचकिचा रहे हैं, उन्होंने कोविड-19 का टीका लगवाना है या नहीं, इस बारे में लंबे वक्त तक एवं बहुत अधिक सोचा है। इन विचारों को कैसे बदला जा सकता है, इस बारे में वैज्ञानिकों का कहना है कि आदर्श तौर पर तो लोगों के साथ बैठकर, उन्हें सुनकर और फिर चर्चा कर ऐसा किया जाना चाहिए। वास्तव में जनस्वास्थ्य अभियानकर्ताओं के पास केवल सामूहिक संदेश उपलब्ध हैं, टीवी पर और सोशल मीडिया पर संदेश प्रसारित कर तथा होर्डिंग के माध्यम से जानकारियों को प्रचारित करना। ए व्यक्तिगत विश्वास की गहरी जड़ों को तोड़ने में कई बार उतने प्रभावी साबित नहीं होते हैं।

कुछ वर्षों में, ऑक्सफोर्ड कोरोना वायरस एक्सप्लेनेशन्स, एटीट्यूड्स एंड नैरेटिव्स सर्वेज (ओशियन्स) की टीम ने इस दिशा में जवाब ढूंढने का प्रयास किया है। इस टीम ने टीका के खिलाफ या निर्णय नहीं लेने वाले लोगों के विचार जानकर उनकी हिचकिचाहट की मनोवैज्ञानिक व्याख्या करने का प्रयास किया है। टीम ने पाया कि यह हिचकिचाहट कई मान्यताओं से जुड़ी हुई है जिसमें सबसे बड़ा कारण टीकाकरण के सामूहिक लाभ को लेकर संशय है। हिचकिचाने वाला व्यक्ति यह मान नहीं पाता कि टीका लगाने से सब पूरी तरह ठीक होगा। वह यह भी मानता है कि कोविड-19 से उसकी सेहत को बहुत ज्यादा खतरा नहीं है। और यह भी चिंता होती है कि टीका अप्रभावी होगा या नुकसानदेह होगा। कोविड-19 टीकों का तेजी से बनना इन चिंताओं को और बढ़ा देता है। टीम ने पाया कि इन विचारों के पीछे अक्सर अविश्वास छिपा होता है। इसके लिए वैज्ञानिकों ने नकारात्मक विचारों को बदलने के लिए सामूहिक के बजाय निजी संदेश तैयार करने का प्रस्ताव दिया है। लोगों को बताया जाए कि टीका लगवाने से वायरस फैलने की संभावना कम होती है और अत्यधिक बीमार होने का खतरा भी कम होता है। उन्होंने कहा कि सामूहिक लाभ की बजाय व्यक्तिगत लाभ से परिचित कराया जाना चाहिए।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान में दो कबायली समूहों के बीच गोलीबारी में नौ की मौत

कराची। पाकिस्तान के सिंध प्रांत मे दो कबायली समूहो के बीच गोलीबारी मे कम से कम नौ लोगो की मौत हो गई और पांच अन्य जख्मी हो गए। यह जानकारी रविवार को एक मीडिया रिपोर्ट मे दी गई। एआरवाई न्यूज ने खबर दी कि शनिवार को कांधकोट में पुरानी दुश्मनी को लेकर जगीरानी और चाहर कबायलियो के बीच गोलीबारी हुई। पुलिस के मुताबिक, पुरानी दुश्मनी को लेकर उनके बीच गोलीबारी में नौ लोग मारे गए। पुलिस ने बताया कि जख्मी लोगों को अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। दोनों समूहो के बीच तनाव से इलाके में भय का माहौल है। तनाव कम करने के लिए इलाके मे भारी पुलिस बल की तैनाती की गई है।

म्यांमा में जुंटा ने तख्तापलट का विरोध करने वाले पश्चिमी कस्बे पर हमला किया

बैंकॉक। म्यांमा मे अमेरिका और ब्रिटेन के दूतावासो ने पश्चिमी चिन राज्य मे एक कस्बे पर सरकार की तरफ से किए गए भीषण हमलों की खबरो पर चिंता जाहिर की है जहां सत्तारूढ़ जुंटा ने सैन्य शासन के खिलाफ सशस्त्र विद्रोह के कारण मार्शल लॉ घोषित कर दिया है। चिनलैंड डिफेंस फोर्स के एक प्रवक्ता ने कहा कि यह संघर्ष शनिवार को सुबह छह बजे से शुरू हुआ जब सरकारी सैनिको ने हेलिकॉप्टर के माध्यम से मिनदात कस्बे के पश्चिमी हिस्से मे गोलाबारी की जिससे कई घर तबाह हो गए। चिनलैंड डिफेंस फोर्स आंग सान सू ची की निर्वाचित सरकार को सत्ता से बेदखल करने वाले फरवरी के तख्तापलट के खिलाफ स्थानीय तौर पर बनाया गया मिलिशिया समूह है। प्रवक्ता ने सुरक्षा कारणों से नाम गोपनीय रखने की शर्त पर बताया कि हमले मे हेलिकॉप्टरो ने भी हिस्सा लिया था। चिन मानवाधिकार संगठन ने एक बयान में कहा, मिनदात कस्बे मे अब घेराबंदी है और जुंटा सैनिको द्वारा हवा एवं जमीन से हर तरीके से हमले का शिकार हो रहा है। सांसदो द्वारा गठित छद्म नेशनल यूनिटी सरकार ने चेतावनी दी है कि, अगले 48 घंटो मे, मिनदात संभवतः युद्धभूमि मे तब्दील हो सकता है और हजारों लोग विस्थापित होने के खतरे का सामना कर रहे है।

अमेरिका के फीनिक्स में झूले पर फंसे 22 लोग बचाए गए

फीनिक्स (अमेरिका)। अमेरिका के अरिजोना राज्य मे एम्यूजमेंट पार्क मे बड़े झूले में गड़बड़ी आने से 22 लोग उस पर फंस गए। बचावकर्मियों ने सभी लोगों को सुरक्षित नीचे उतार लिया। फीनिक्स के दमकल विभाग ने कहा है कि शनिवार को फीनिक्स के कैस्टल एन कोस्टर में झूला चलने के दौरान गड़बड़ी आने से उस पर सवार लोग छह मीटर की ऊंचाई पर फंस गए। सूचना मिलने के बाद मौके पर बचावकर्मियों को भेजा गया और झूले पर फंसे लोगों को सुरक्षित तरीके से उतार लिया गया। झूले के अचानक रूकने या किस तरह की तकनीकी गड़बड़ी आई, इस बारे में फिलहाल कुछ नही बताया गया है।

बांग्लादेश में लॉकडाउन 23 मई तक बढ़ा

ढाका। बांग्लादेश ने कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर से निपटने के लिए मौजूदा राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन को 23 मई तक बढ़ा दिया है। बांग्लादेश में पांच अप्रैल को एक सप्ताह का लॉकडाउन लगाया गया था। इसके तहत सार्वजनिक परिवहन पर रोक लगा दी गई और बाजार बंद कर दिए गए। बाद मे पाबंदी 28 अप्रैल, फिर पांच मई तक और फिर 16 मई तक बढ़ा दी गई। कैबिनेट डिविजन ने रविवार को एक नोटिस में कहा, महामारी की स्थिति के मद्देनजर लॉकडाउन की पाबंदी 16 मई से आगे बढ़ाई जा रही है। वही, ईद की छुट्टियो पर अपने-अपने घर गए लोग पाबंदी के बावजूद ढाका लौटने लगे है। सरकार ने ईद के दौरान पाबंदी में ढील दी थी। स्वास्थ्य अधिकारियो ने कहा कि देश मे पिछले 24 घंटे में संक्रमण से 25 लोगो की मौत हो जाने से मृतक संख्या 12,149 हो गई है। वही, संक्रमण के 363 नए मामले आने से संक्रमितो की संख्या 780,159 हो गई है। देश मे अब तक 722,036 लोग संक्रमण से ठीक हो चुके है।

न्यूयार्क में इजराइल के विरोध में प्रदर्शन करते लोग

पाकिस्तान ने वाणिज्यिक गतिविधियो पर कोविड प्रतिबंधों में रियायत दी

भाषा। इस्लामाबाद

पाकिस्तान ने परिवहन और व्यावसायिक गतिविधियों पर लगाए गए कोविड प्रतिबंधों में रविवार को ढील देनी शुरू कर दी। ईद की छुट्टियों के दौरान वायरस को फैलने से रोकने के लिए इन पर एक हफ्ते तक रोक लगी हुई थी। प्रतिबंधों में यह रियायत तब भी दी जा रही है जब देश में कोरोना वायरस से संक्रमण दर रविवार को बढ़कर 7.83 प्रतिशत हो गई जो एक दिन पहले घटकर करीब पांच प्रतिशत तक आ गई थी। दो महीने में यह पहला मौका था जब संक्रमण दर इतनी कम दर्ज की गई। वायरस की रोकथाम के लिए ईद-उल-फितर की छुट्टियों के दौरान लोगों के आवागमन को रोकने के मकसद से सभी कारोबारों और सार्वजनिक परिवहनों पर 10 से 16 मई तक रोक लगा दी गई थी।

नेशनल कमांड एंड ऑपरेशन थिएटर (एनसीओसी) ने रविवार से सार्वजनिक परिवहनों को फिर से शुरू करने का फैसला किया। परविहन पर पाबंदियों में ढील इसलिए दी गई है ताकि दूर गए स्थानों से लोग लौटकर सोमवार से कार्यालय और अन्य ड्यूटियों पर जाना शुरू कर सकें जब कारोबारी संस्थान भी खुलेंगे। वायरस को रोकने के लिहाज से लॉकडाउन कारगर साबित हुआ है क्योंकि शनिवार को केवल 1,531 नए मामले सामने आए और संक्रमण दर महज 5.8 प्रतिशत थी जो आठ मार्च के बाद से सबसे कम है। लेकिन पिछले 24 घंटों में 2,379 मामले सामने आने के बाद देश में कोविड-19 के मामले 8,77,130 हो गए हैं। राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के मुताबिक मृतक संख्या बढ़कर 19,43 हो गई है। सरकार ने 30 साल और उससे अधिक उम्र के लोगों के टीकाकरण के लिए पंजीकरण भी शुरू कर दिया है। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान में लोगों द्वारा कोविड नियमों का पालन न करने के चलते यहां पर संक्रमण की दर में काफी इजाफा हो गया था।

भारत को लाल सूची में विलंब पर ब्रिटेन ने किया बचाव

भाषा। लंदन

ब्रिटेन की सरकार ने पाकिस्तान और बांग्लादेश के साथ अप्रैल की शुरुआत में ही भारत को लाल सूची में नहीं डालने की आलोचना का रविवार को बचाव किया। कोविड-19 के बी1.617.2 प्रकार के मामलों में बढ़ोतरी के लिए इसे बड़ा कारक माना जा रहा है। इस प्रकार की पहचान सबसे पहले भारत में हुई। डाउनिंग स्ट्रीट ने कहा कि बी1.617 प्रकार की जांच शुरू होने से छह दिन पहले 23 अप्रैल को उसने भारत से यात्रा को लेकर एहतियाती कदम उठाए थे और यह कदम बी1.617.2 को वैरिएंट ऑफ कंसर्न (वीओसी) बताए जाने से दो हफ्ते पहले उठाया गया। पब्लिक हेल्थ इंग्लैंड के नवीनतम आंकड़े के मुताबिक लाल सूची प्रतिबंध से पहले भारत और ब्रिटेन के बीच करीब 20 हजार लोगों ने यात्रा की और दिल्ली तथा मुंबई से मार्च के अंत और 28 अप्रैल के बीच आने वाले करीब 122 लोगों में वीओसी का पता चला। ब्रिटेन की सरकार के एक प्रवक्ता ने कहा, अप्रैल में भारत को लाल सूची में डालने से पहले ब्रिटेन आने वाले किसी भी व्यक्ति के लिए निगेटिव होना और दस दिनों तक पृथक-वास में रहना आवश्यक था। बहरहाल, विपक्षी लेबर पार्टी ने मार्च में इस प्रकार के मामले सामने आने के बाद कदम उठाने में विलंब के लिए सरकार पर प्रहार किया। लेबर पार्टी के वरिष्ठ सांसद वेत्ते कूपर ने कहा, यह नहीं होना चाहिए था। उन्हें भारत को लाल सूची में डालना चाहिए था। तीन हफ्ते में हजारों लोग भारत से लौटे जिसमें संभवत: सैकड़ों मामले वायरस के इस प्रकार से जुड़े थे। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन की अप्रैल के अंत में भारत के प्रस्तावित दौरे को भी कई लोग भारत को लाल सूची में डालने के विलंब का कारण मानते हैं।

उल्लेखनीय है कि भारत में कोविड की दूसरी की लहर को देखते हुए विभिन्न देशों ने अपने यहां यात्रा पर रोक लगाई थी।

शांति वार्ता फिर से शुरू करने की अपील के बीच अफगानिस्तान मे संघर्ष विराम समाप्त

काबुल। अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच शांति वार्ता फिर से शुरू किए जाने की अपीलों के बीच देश में तीन दिवसीय संघर्ष विराम रविवार को समाप्त हो गया। हालांकि, इन तीन दिन में भी हिंसक हमले हुए, जिनमें से कुछ की जिम्मेदारी इस्लामिक स्टेट (आईएस) समूह ने ली है। तालिबान के राजनीतिक प्रवक्ता सुहैल शाहीन ने बताया कि अफगानिस्तान सरकार और तालिबान के बीच कतर में शनिवार को संक्षिप्त बैठक हुई, जिसमें उन्होंने युद्ध को शांतिपूर्ण रूप से समाप्त करने का रास्ता खोजने की प्रतिबद्धता दोहराई और बाधित वार्ताओं को फिर से शुरू करने की अपील की। अफगानिस्तान में 20 साल की जंग के बाद अमेरिका और नाटो सैनिकों की वापसी शुरू होने के बीच हिंसक घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है। अमेरिका अफगानिस्तान और तालिबान के बीच वार्ता पुन: आरंभ करने पर जोर दे रहा है। तालिबान और अफगानिस्तान सरकार ने ईद-उल-फितर के मद्देनजर तीन दिन के संघर्षविराम की घोषणा की थी, लेकिन देश में हिंसा इस दौरान भी जारी रही।

कैसे काम करता है और कितना सुरक्षित है मॉडर्ना का कोविड टीका?

एजेंसी। क्वींसलैंड (ऑस्ट्रेलिया)

बोस्टन स्थित फार्मास्युटिकल कंपनी मॉडर्ना ने कोविड-19 के अपने टीके की 2.5 करोड़ खुराकों के लिए ऑस्ट्रेलिया के साथ नए आपूर्ति समझौते की रातों-रात घोषणा की है। इस समझौते में एक करोड़ खुराक कोरोना वायरस के मूल स्वरूप के खिलाफ हैं जिनकी आपूर्ति इस साल की जानी है। कनाडा, अमेरिका और ब्रिटेन जैसे देशों में इस टीके का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल हो रहा है लेकिन यह टीका काम कैसे करता है, कितना सुरक्षित है और कोरोना वायरस के परिवर्तित स्वरूपों पर कारगर है या नहीं इसे लेकर कई सवाल हैं। कई देशों और डब्ल्यूएचओ ने आपातकालीन प्रयोग के तहत इसके इस्तेमाल को स्वीकृति दी है।

ऑस्ट्रेलिया के साथ हुए मॉडर्ना के सौदे में इसके अद्यतन प्रकार समर्थक (वैरिएंट बूस्टर) संभावित टीके की 1.5 करोड़ खुराकें भी शामिल हैं जो 2022 तक उपलब्ध कराई जा सकती हैं। यह सौदा ऑस्ट्रेलिया के औषध नियामक, थेरेप्यूटिक गुड्स एडमिनिस्ट्रेशन (टीजीए) की स्वीकृति के अधीन है- मूल टीके और बूस्टर दोनों के लिए।

मॉडर्ना द्वारा जल्द ही इस संबंध में टीजीए के समक्ष एक आवेदन जमा किए जाने की संभावना है।

मॉडर्ना का टीका कैसे काम करता है?

मूल प्रकार के खिलाफ मॉडर्ना का टीका दो खुराकों में दिया जाता है। दोनों टीकें और इसका अद्यतन बूस्टर टीका एमआरएनए टीके हैं (जैसे फाइजर का टीका है)। इस टीके में हमारी कोशिकाओं को कोरोना वायरस का स्पाइक प्रोटीन बनाने के लिए आनुवंशिक निर्देश होते हैं। एमआरएनए एक तैलीय खोल में लिपटा होता है जो शरीर में इसे तत्काल विकृत होने से रोकता है और सुनिश्चित करता है कि टीका लगने के बाद यह कोशिकाओं तक पहुंचे। एक बार एमआरएनए कोशिका में पहुंच जाए तो यह स्पाइक प्रोटीन में बदल जाता है जिसे हमारा प्रतिरक्षा तंत्र पहचान लेता है। हमारा प्रतिरक्षा तंत्र स्पाइक प्रोटीन के खिलाफ प्रतिरोधक क्षमता विकसित करता है और यह सीखता है कि अगर भविष्य में कभी कोरोना वायरस हमारे शरीर में प्रवेश करे तो उससे कैसे लड़ना है। मॉडर्ना का टीका शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान पर छह माह तक स्थिर रह सकता है। इसे 30 दिन तक चार डिग्री सेल्सियस पर फ्रिज में रखा जा सकता है। ज्यादातर फार्मास्युटिकल लॉजिस्टिक कंपनियां शून्य से 20 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान पर उत्पादों के भंडारण एवं परिवहन में सक्षम होती हैं, इसलिए इस टीके का भंडारण एवं वितरण तुलनात्मक रूप से आसान है। वहीं, फाइजर के एमआरएनए आधारित कोविड-19 टीके को लंबे वक्त तक शून्य से 60 डिग्री सेल्सियस नीचे के तापमान पर भंडारण की आवश्यकता होती है। हालांकि बिना खुली शीशियों को दो हफ्तों तक फ्रीजर के तापमान पर रखा जा सकता है।

क्या यह टीका सुरक्षित और प्रभावी है?

टीके की सुरक्षा एवं प्रभावशीलता के बारे में बात करें तो टीके के तीसरे चरण के क्लिनिकल परीक्षण में यह कोविड-19 से बचाव में 91 प्रतिशत प्रभावी साबित होने के साथ ही बीमारी के कई गंभीर स्वरूपों से पूर्ण संरक्षण देने वाला भी पाया गया। अनुसंधानकर्ताओं को सुरक्षा संबंधी कोई चिंता नजर नहीं आई और सामान्य दुष्प्रभावों में इंजेक्शन लगने वाली जगह पर क्षणिक दर्द और तीन दिन तक सिरदर्द या थकान देखने को मिली। हालांकि क्लिनिकल परीक्षण, सार्स-सीओवी-2 के चिंताजनक प्रकारों के सामने आने से पहले के हैं। वायरस के विभिन्न प्रकारों से सुरक्षा उपलब्ध कराने के लिहाज से बाद के अध्ययनों में पाया गया कि ए प्रकार मॉडर्ना के टीके से बचकर निकल रहे हैं। प्रारंभिक अध्ययनों में वायरस के बी.1.351 प्रकार के खिलाफ थोड़ा सा कम प्रभावी पाया गया।

क्या यह वायरस के अलग अलग स्वरूपों से सुरक्षा प्रदान करता है?

इन आंकड़ों के जवाब में, मॉडर्ना ने बी.1.351 प्रकार में मौजूद स्पाइक प्रोटीन में बदलाव के कारण अपने एमआरएनए टीके के फार्मूले को अद्यतन किया। इस साल मार्च में, उसने प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया उत्पन्न करने में वैरिएंट टीके की सुरक्षा एवं सामर्थ्य को जांचने के लिए पहले और दूसरे चरण का क्लिनिकल परीक्षण शुरू किया।

भारतीय एनजीओ को भारत आस्ट्रेलिया बिजनेस पुरस्कार

मेलबर्न। भारत के विभिन्न हिस्सों में वंचित तबके के लोगों की आंखों की जांच करने के कार्य में संलग्न एक भारतीय गैर सरकारी संस्था (एनजीओ) को आईएबीसीए कम्युनिटी सर्विसेस एक्सीलेंस अवार्ड (आर्गेनाइजेशन) से नवाजा गया है। एक मीडिया विज्ञप्ति के अनुसार, इंडिया विजन इंस्टीट्यूट (आईवीआई) ने सिडनी में भारत-ऑस्ट्रेलिया बिजनेस एंड कम्युनिटी अवार्ड्स (आईएबीसीए) गाला में शनिवार को करीब 1,000 आमंत्रित अतिथियों की उपस्थिति में यह पुरस्कार जीता। विज्ञप्ति में कहा गया है कि आईवीआई दूर-दराज के इलाकों और गांवों में वंचितों को आंखों की जांच की सुविधा प्रदान करने के लिए काम कर रहा है और भारत के 20 राज्यों में जरूरतमंद लोगों को मुफ्त में चश्मा दिया है और चार लाख से अधिक बच्चों और वयस्कों को लाभ पहुंचाया है। आईवीआई के सीईओ विनोद डैनियल ने कहा, आईवीआई को यह पुरस्कार प्राप्त करने में प्रसन्नता हो रही है जो भारत में प्राथमिक नेत्र देखभाल और सार्वजनिक स्वास्थ्य क्षेत्र में काम करने के लिए हमारे योगदान की मान्यता है।

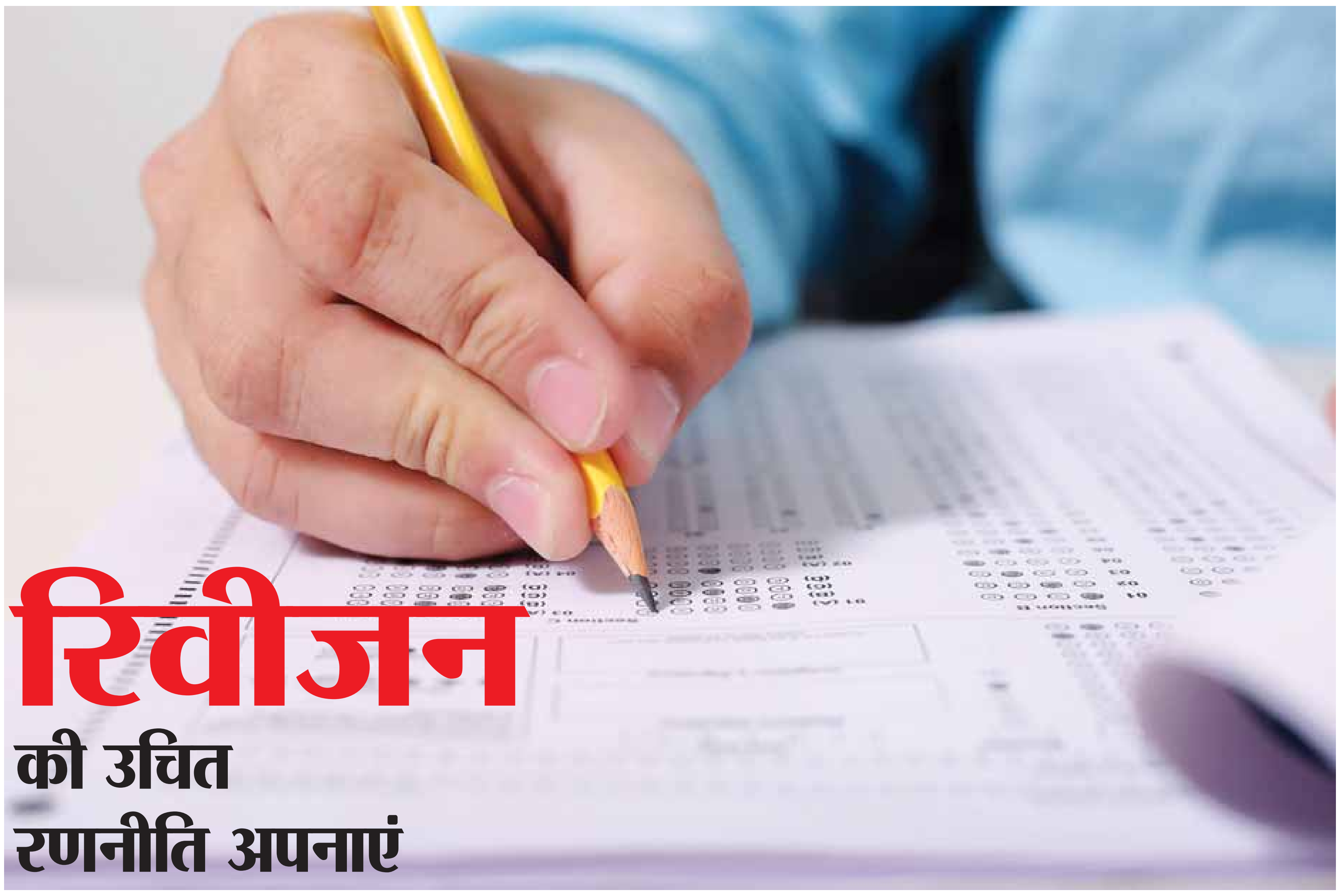

रिवीजन की उचित रणनीति अपनाएं

जेईई मेन मई सत्र स्थगित कर दिया गया है। मुश्बा हाशमी ने मोशन एजुकेशन के प्रबंध निदेशक नितिन विजय के साथ बात की, जिन्होंने इस बारे में बताया कि छात्र इस समय का सर्वोत्तम उपयोग कैसे कर सकते हैं और अच्छा स्कोर कर सकते हैं।

जेईई मेन एक बार फिर स्थगित कर दिया गया है। जबकि कई लोग लगातार देरी से खुश नहीं हैं, लेकिन यह बिना कहे मान लेने योग्य है कि यह निश्चित रूप से समय की जरूरत है। इससे भी ज्यादा, जब देश में प्रतिदिन 3.5 लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं।

मोशन एजुकेशन के प्रबंध निदेशक नितिन विजय कहते हैं, ''कोई भी उसके बारे में कुछ नहीं कर सकता। एकमात्र सकारात्मक हिस्सा यह है कि छात्रों को अध्ययन के लिए अधिक समय मिल रहा है।''

कहा जा रहा है कि यह छात्रों के लिए आशा खोने और आत्मसंतुष्ट होने का समय नहीं है, इसके बजाय उन्हें इस अवधि का उपयोग अपने कमजोर विषयों पर अध्ययन और काम करने के लिए करना चाहिए।

विजय बताते हैं, ''यदि कोई छात्र मई सत्र का प्रयास करने की तैयारी कर रहा था, तो हम मानते हैं कि उसने अपना पाठ्यक्रम पूरा कर लिया होगा। इसलिए, छात्रों को अब उचित संशोधन रणनीतियों का पालन करना होगा। उन्हें कम से कम अगले दो महीनों में प्रत्येक अध्याय को दो बार संशोधित करना होगा। उनका ध्यान सही संशोधन रणनीतियों का पालन करने पर होना चाहिए, इससे उन्हें बड़ी मदद मिलेगी।'' छात्र अपनी कमजोर अवधारणाओं पर ध्यान केंद्रित करके और जितना हो सके अभ्यास करके शुरुआत कर सकते हैं।

हालांकि, यह उतना आसान नहीं हो सकता जितना लगता है। लगातार देरी के परिणामस्वरूप छात्रों की प्रेरणा खो सकती है। इसलिए, खुद को प्रेरित रखना महत्वपूर्ण है।

उनका कहना है, ''छात्रों को खुद को प्रेरित रखना होगा। तैयारी के लिए अतिरिक्त समय मिलने के सकारात्मक पक्ष के बारे में सोचने से मदद मिल सकती है। लेकिन, साथ ही उन्हें यह भी महसूस करना होगा कि प्रत्येक छात्र को समान समय मिल रहा है। इसलिए, उन्हें इसका सर्वोत्तम संभव तरीके से उपयोग करना होगा। यह समय उनके भविष्य की दिशा बदल देगा। छात्रों को सभी निराशा और नकारात्मकता को दूर करने और अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित करने की जरूरत है।''

अपनी गलतियों को पहचानो और उन्हें सुधारो। अधिकांश समय, छात्र अपनी गलतियों को पहचानने से चूक जाते हैं, इस तरह वे इसे करना जारी रखते हैं। इसके बाद, अपनी सटीकता और गति पर काम करें। इससे आपको पढ़ाई के लिए मोटिवेशन मिलेगा। प्रश्नों को एक बार में पढ़ना सीखें, यह एक ऐसा भाग है जिससे अधिकांश छात्र छूट जाते हैं। वे नहीं जानते कि एक प्रश्न को एक बार में कैसे पढ़ा जाए।

गति में सुधार एक अन्य कारक है जिस पर छात्र इस दौरान काम कर सकते हैं।

विजय कहते हैं, ''अपनी गलतियों को पहचानो और उन्हें सुधारो। अधिकांश समय, छात्र अपनी गलतियों को पहचानने से चूक जाते हैं, इस तरह वे इसे करना जारी रखते हैं। इसके बाद, अपनी सटीकता और गति पर काम करें। इससे आपको पढ़ाई के लिए मोटिवेशन मिलेगा। प्रश्नों को एक बार में पढ़ना सीखें, यह एक ऐसा भाग है जिससे अधिकांश छात्र छूट जाते हैं। वे नहीं जानते कि एक प्रश्न को एक बार में कैसे पढ़ा जाए।''

वो बताते हैं, ''इसके पीछे कारण यह है कि छात्र किसी प्रश्न को पूर्ण कथन के रूप में नहीं पढ़ते हैं, वे इसे शब्द दर शब्द पढ़ते हैं। प्रश्न को एक कथन के रूप में पढ़ने का प्रयास करें, जो आपके मन में कहता है उसे चित्रित करें और फिर उसे समझें। अभ्यास करते रहें और आप एक बार में प्रश्नों को पढ़ना सीखेंगे। प्रेरणा के साथ अच्छी रणनीति आपको अच्छे अंक हासिल करने में मदद करेगी।''

वह इस तथ्य पर जोर देते हैं कि इन देरी का मतलब समय की बर्बादी नहीं है। यह स्पष्ट रूप से छात्रों के लिए एक बोनस का समय है।

वो आगे कहते हैं, ''अगर आप और आपका परिवार घर पर सुरक्षित हैं, तो भगवान का शुक्रिया अदा करें और समय को उपहार के रूप में देखें। अगर आप अपनी सोच बदल सकते हैं, तो आप अपना जीवन बदल सकते हैं। यह मानसिकता का खेल है।''

विजय कहते हैं कि उनके संस्थान के छात्र इसे पहले ही समझ चुके हैं और बाकी चीजों के बारे में सोचे बिना सवाल पूछने और समस्याओं को हल करने में व्यस्त हैं। ''जो लोग वास्तव में पढ़ाई में रुचि रखते हैं, वे कभी भी, कहीं भी पढ़ सकते हैं। उन्हें बस प्रेरणा की जरूरत है।''

हमारे सभी पाठ्यक्रम उद्योग आधारित हैं

अटरिया विश्वविद्यालय अक्टूबर में छात्रों के प्रवेश हेतु द्वारा खोलने जा रहा है। इस संबंध में शालिनी सक्सेना ने सीईओ सहीम राहीमान से बातचीत की। प्रस्तुत हैं उसी वार्तालाप के कुछ अंश :

Shaheem Rahiman
CEO, Atria University

ऑनलाइन पद्धति से बच्चे कितना सीख रहे हैं?

हम सभी इस बात से सहमत हैं कि सहकर्मी सीखने और एक-दूसरे की राय जानने के साथ बड़ी मात्रा में सीखने या प्रभावी सीखने की प्रक्रिया होती है और ये सभी चीजें वास्तव में ऑनलाइन शिक्षा मॉडल में सूख गई हैं। यहां तक ??कि अपने स्वयं के कार्य जीवन में भी मैंने देखा है कि जब लॉकडाउन शुरू हुआ तो हम सभी वस्तुत: काम कर रहे थे और शुरुआत में हमारी अद्भुत बैठकें होती थीं, जब आप किसी समस्या को हल करना चाहते हैं तो आप चाहते हैं कि हर कोई नए विचारों के साथ आए। जैसे-जैसे लॉकडाउन आगे बढ़ा, कोई भी कॉल पर विपरीत राय नहीं रखना चाहता, कोई भी कॉल पर विरोधी दृष्टिकोण नहीं रखना चाहता क्योंकि उन्हें लगता है कि वे उतना भाग नहीं ले रहे हैं।

हमें अटरिया विश्वविद्यालय के बारे में बताएं। यह एक साल पुराना है।

हमें उत्पाद को लॉन्च किए करीब दो साल हो चुके हैं लेकिन हम अभी तक पहले बैच के लिए लाइव नहीं हुए हैं। पहला बैच इस साल अक्टूबर में शुरू हो रहा है। ऐसा इसलिए है क्योंकि कर्नाटक राज्य उच्च शिक्षा ने घोषणा की है कि अगला शैक्षणिक वर्ष अक्टूबर में शुरू होगा। हम विश्वविद्यालय के लिए अनुमोदन प्राप्त करने के अंतिम चरण में हैं, इसलिए शैक्षणिक वर्ष शुरू होने से पहले यह सब हो जाएगा।

छात्रों को कौन से कोर्स ऑफर किए जा रहे हैं?

हमारे पास पांच मेजर हैं। उनमें से एक गतिशीलता है। फिर हमारे पास जीवन विज्ञान है। नंबर तीन डिजिटल परिवर्तन है। फिर हमारे पास इंटरेक्टिव तकनीक है। नंबर 5 पर एनर्जी साइंस है। डिग्री बीटेक फिर बैचलर ऑफ डिजाइन (बीडीएस) फिर बीएससी और बीबीए हैं।

एक छात्र कैसे आवेदन करता है?

बाहरी दुनिया की तरह, एक छात्र एक अंडरग्रेजुएट प्रोग्राम के लिए विश्वविद्यालय में शामिल होता है। छात्र फाउंडेशन कोर्स से गुजरते हैं, भले ही वे स्कूल से विज्ञान या वाणिज्य पृष्ठभूमि से आए हों। ये फाउंडेशन कोर्स 12 महीने के लिए होते हैं। पोस्ट करें कि छह से नौ महीने की अवधि है जहां छात्र इन क्षेत्रों में से प्रत्येक में नमूना पाठ्यक्रम या परियोजनाओं को प्राप्त करता है, वहां पांच प्रमुख और चार डिग्री हैं। वे इनमें से प्रत्येक या उनमें से प्रत्येक का छह से महीने की अवधि में नमूना लेते हैं।

संकाय के बारे में कुछ बताएं?

यह एक बहुत ही उद्योग के नेतृत्व वाला कार्यक्रम है जहां परियोजनाएं उद्योग से भी होती हैं। अधिकांश पाठ्यक्रम वास्तव में उद्योग जगत के नेताओं द्वारा डिजाइन किए गए हैं और शिक्षाविद इसे सम्मानित करने में मदद कर रहे हैं। वे चार सप्ताह की अवधि के लिए परिसर में आएंगे, पढ़ाएंगे और चले जाएंगे।

शुल्क संरचना क्या है?

अकादमिक के लिए हमारी कीमत 7 लाख रुपए प्रति वर्ष है और फिर आवासीय 1.8 लाख है।

अगले पांच वर्षों के लिए आपका क्या दृष्टिकोण है?

टिकाऊ होने के लिए, मुझे 10 साल आगे सोचना चाहिए। मैं परिसर में 10 वर्षों में 5,000 से 7,000 छात्रों के बीच स्केलिंग कर रहा हूं। जब तक पहला बैच निकल जाता है, मेरा लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि हर कोई जो इस वर्ष हमारे साथ जुड़ता है, वास्तव में कर्मचारियों के रूप में बाहर जा रहा होगा और जरूरी नहीं कि नौकरी की तलाश में हो क्योंकि मॉडल खुद दूसरे से नौ महीने की इंटर्नशिप की अनुमति देता है। साल। विचार यह है कि छात्र इन परियोजनाओं पर उद्योग में बड़े संगठनों के साथ काम करेंगे और उन कंपनियों में व्यवस्थित रूप से लीन हो जाएंगे जिनके साथ उन्होंने काम किया है।

स्कॉलरशिप

वासा विश्वविद्यालय, फिनलैंड वैश्विक छात्र छात्रवृत्ति के लिए आवेदन आमंत्रित करता है। प्रायोजन उन छात्रों को पुरस्कृत किया जाएगा जो किसी भी मास्टर डिग्री प्रोग्राम को करने के लिए आवेदन कर सकते हैं।

पात्रता : छात्र केवल प्रथम वर्ष के आवेदक होने चाहिए। सहायक दस्तावेज़ (विदेशी) डिग्री प्रमाण पत्र या एक अनंतिम प्रमाण पत्र की एक प्रति; विश्वविद्यालय के अभिलेखों के टेप।

प्रवेश आवश्यकताएं : छात्रों को मास्टर डिग्री प्रोग्राम में स्वीकार किए जाने के लिए 120 ईसीटीएस पूरा करना होगा।

भाषा की आवश्यकता : छात्रों को निम्नलिखित अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षा स्कोर जमा करना होगा: टीओईएफएल पीबीटी - 580; टीओईएफएल आईबीटी - 92; आरपीडीटी- 20 रीडिंग सेक्शन का न्यूनतम स्कोर, सुनने वाले सेक्शन में न्यूनतम स्कोर 20 और राइटिंग सेक्शन में न्यूनतम स्कोर 22। माईबेस्टस्कोर भी स्वीकार किया जाता है।

आवेदन कैसे करें : छात्रों को अपने पसंदीदा मास्टर प्रोग्राम में ऑनलाइन आवेदन करना होगा। स्वीकृत छात्रों पर स्वत: विचार किया जाएगा।

आवेदन की समय सीमा : तिथि 31 जुलाई, 2021 है।

बेलर विश्वविद्यालय ने अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए आवश्यकता-आधारित पुरस्कारों की घोषणा की है।

अनुदान शैक्षणिक वर्ष 2021-2022 के लिए उपलब्ध है।

पुरस्कार: बायलर विश्वविद्यालय छात्रों को अमेरिका में उनके अध्ययन के लिए आवश्यकता-आधारित 1,000 डॉलर से 5,000 डॉलर तक प्रदान करेगा।

पात्रता : अंतर्राष्ट्रीय छात्र आवेदन कर सकते हैं। बायलर द्वारा पेश किए गए सभी ऑनर्स डिग्री प्रोग्राम लागू होते हैं।

सहायक दस्तावेज : छात्रों को विश्वविद्यालय में निम्नलिखित दस्तावेज प्रस्तुत करने की आवश्यकता होती है : निबंध; हाई स्कूल टेप; जांच के अंक। अन्य डिग्री-विशिष्ट आवश्यकताएं

प्रवेश आवश्यकताएं : छात्रों के पास 1200 और 1380 के बीच औसत एसएटी स्कोर होना चाहिए या बायलर में भर्ती होने के लिए 26 से 32 का औसत एसीटी स्कोर होना चाहिए।

भाषा की आवश्यकता : छात्रों के पास निम्नलिखित अंग्रेजी भाषा प्रवीणता परीक्षाओं के आवश्यक अंक होने चाहिए : आईईएलटीएस - 6.5। टीओईएफएल आईबीटी - कुल मिलाकर 80।

आवेदन कैसे करें : छात्रों को बायलर ऑनलाइन आवेदन या सामान्य आवेदन का उपयोग करके ऑनलाइन आवेदन करना होगा। सहायता प्राप्त करने के लिए आवेदन करने के लिए, छात्रों को आवश्यकता-आधारित सहायता के लिए एफएएसए आवेदन और सीएसएस प्रोफ़ाइल को पूरा करना होगा।

आवेदन की अंतिम तिथि : आवेदन करने की अंतिम तिथि 2 नवंबर, 2021 है।

सबसे अच्छी चिकित्सक है प्रकृति

विचार करें

वर्तमान महामारी के कारण, कई लोग चिंता, तनाव और अवसाद के बढ़ते स्तर के साथ मनोवैज्ञानिक संकट से पीड़ित हैं। इसने लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर गहरा प्रभाव डाला है जो एक परेशान भविष्य का भी संकेत देता है। लेकिन यह भी सच है कि मनुष्य की प्रतिकूलताओं को दूर करने की क्षमता को अक्सर कम करके आंका जाता है, विशेष रूप से भारी बहुमत के लिए जो प्रकृति के साथ रहना पसंद करते हैं।

इसका मतलब यह नहीं है कि मानसिक स्वास्थ्य पर कोविड-19 का प्रभाव वास्तविक नहीं है, और न ही यह कुछ मामलों में लंबे समय तक चलने वाला नहीं है। यह वास्तविक है, और यह कई लोगों के लिए रहेगा। फिर भी यह रेखांकित करना भी महत्वपूर्ण है कि यह उन लोगों के लिए स्वस्थ चिकित्सीय है जो प्रकृति के बीच समय बिताते हैं।

प्रकृति चिकित्सा की एक जापानी प्रथा है - वन स्नान या शिनरिन-योकू। यह बस बाहर पेड़ों की छांव के नीचे समय बिता रहा है। जापानी में, शिनरिन का अर्थ है जंगल और योक का अर्थ है स्नान, या जंगल में खुद को विसर्जित करना और इंद्रियों के माध्यम से वातावरण में भिगोना। एक अध्ययन में, प्रकृति-चिकित्सा विशेषज्ञ, योशिफुमी मियाज़ाकी ने पाया कि जिन लोगों ने जंगल में 40 मिनट पैदल चलने में बिताया, उनमें तनाव का स्तर कम था। उन्होंने कहा : ''जंगल में समय बिताने से शारीरिक विश्राम की स्थिति पैदा होती है।''

एक अन्य शोधकर्ता, डॉ. किंग ली ने पाया कि पेड़ और पौधे फाइटोनसाइड्स नामक सुगंधित यौगिकों का उत्सर्जन करते हैं, जो जब सास लेते हैं, तो अरोमाथेरेपी के समान स्वस्थ जैविक परिवर्तनों को प्रेरित कर सकते हैं, जिसका अध्ययन इसके चिकित्सीय लाभों के लिए भी किया गया है। हाल के कई अध्ययन हैं जिन्होंने प्रकृति को हृदय रोग, अवसाद, कैंसर, चिंता और ध्यान विकारों जैसे स्वास्थ्य संबंधी मुद्दों के लिए लक्षणों से राहत से जोड़ा है।

प्रकृति के प्रति प्रेम एक ऐसी चीज है जो हम सभी में गहराई से निहित है। हम पारिस्थितिकी तंत्र और प्रकृति का उतना ही हिस्सा हैं जितना कि पौधे और जानवर। हम शहरों में चाहे कितने भी कंक्रीट के जंगल बना लें, हमें पौधों और पेड़ों के परिवेश में स्वाभाविक रूप से खुश होने की संभावना है।

प्रकृति के प्रति एक्सपोजर, या यहां तक कि केवल इसका अवलोकन करने से हमें क्रोध, चिंता और तनाव को कम करने में मदद मिलती है। प्रकृति के साथ हमारे ब्रश का प्रभाव न केवल भावनात्मक बल्कि शारीरिक और स्नायविक भी है। विशेषज्ञ पौधों से जुड़ने की हमारी सहज प्रवृत्ति को बायोफिलिया कहते हैं।

मनोदशा संबंधी विकारों के लिए भी प्रकृति में समय बिताना फायदेमंद होता है- ऐसी कई स्थितियाँ होती हैं जब हमें साग की गोद में आराम करने की तीव्र इच्छा होती है। उदाहरण के लिए, जब हम एक महत्वपूर्ण निर्णय लेने की दुविधा से जूझ रहे होते हैं, तो हमें अक्सर बंदूक चलाने से पहले बगीचे में टहलने की सलाह दी जाती है।

इसी तरह, भारी वर्षा के बाद, जब हम हवा में सुखद ओस वाले पेट्रीचोर का अनुभव करना चाहते हैं, और प्राचीन रंगों का आनंद लेना चाहते हैं, तो हमें प्रकृति के साथ अपनी कोशिश करने का एक कारण मिलता है। यहां तक ??कि जब हम तनावग्रस्त या चिंतित होते हैं, तब भी हमें अपने ईंट और मोर्टार के घरों से बाहर निकलने और एक शांत जगह की ओर चलने का आग्रह होता है जो हमेशा हरा-भरा होता है।

प्रकृति हमें एक दूसरे से जुड़ने में मदद करती है। जब हम सुंदर प्राकृतिक दृश्यों को देखते हैं, सहानुभूति और प्रेम की भावना हमारे मस्तिष्क में चमकती है, लेकिन जब हम केवल दीवारों या इमारतों को देखते हैं जैसा कि लॉकडाउन के दौरान होता है, तो हम भय और चिंता से परेशान हो जाते हैं।

इसलिए जब भी संभव हो प्रकृति के बीच रहें। पक्षियों को सुनें, हवा को महसूस करें, पेड़ों की पत्तियों, सुंदर फूलों को देखें, या ताजी हवा में सांस लेने के लिए कुछ समय निकालें। बादलों के साथ फिर से जुड़ें जैसे बच्चे करते हैं; उनमें आकृतियों की तलाश करें। यह तुरंत जीवन को परिप्रेक्ष्य में रख सकता है।

जब भी संभव हो प्रकृति के बीच रहें। पक्षियों को सुनें, हवा को महसूस करें, पेड़ों की पत्तियों, सुंदर फूलों को देखें, या ताजी हवा में सांस लेने के लिए कुछ समय निकालें। बादलों के साथ फिर से जुड़ें जैसे बच्चे करते हैं; उनमें आकृतियों की तलाश करें। यह तुरंत जीवन को परिप्रेक्ष्य में रख सकता है। अगर हम बाहर नहीं भी जा सकते हैं, तो बाहर को अंदर लाने की कोशिश करें। प्रकृति हमें एक दूसरे से जुड़ने में मदद करती है।

अगर हम बाहर नहीं भी जा सकते हैं, तो बाहर को अंदर लाने की कोशिश करें। एक खिड़की से एक कुर्सी खींचो और प्रकृति का निरीक्षण करो, हवा को महसूस करो। अपनी आँखें बंद करें और कुछ सुकून देने वाली प्रकृति की आवाज़ें सुनने की कोशिश करें जैसे सुखदायक पक्षी गाते हैं, पानी की प्राकृतिक आवाज़। प्रकृति वास्तव में सबसे अच्छी चिकित्सक है।

लेखक हैं डॉ. मुकेश क्वात्रा, संस्थापक, स्माइलिंग ट्री